RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 336 ■ मुंबई, शुक्रवार 27 जून 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

बिहार में जीत के लिए कांग्रेस फिर से काठ की हांडी के भरोसे

पेज-4

कांवड़ यात्रा के रास्ते में खुले में नहीं बिकेगा मांस

पेज-6

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से जुड़ी खास बातें

पेज-8

चार महीने पहले ही धड़ाधड़ बिक गए भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैचों के टिकट

पेज-9

Short News एक नजर

सात दिनों की पुलिस रिमांड पर बिक्रम सिंह

मोहाली। आय से अधिक संपत्ति केस में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए पंजाब के पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली अदालत ने 7 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। अदालत का यह आदेश मजीठिया को अदालत परिसर में लाए जाने के ढाई घंटे बाद आया। अब पुलिस मजीठिया से इस मामले में पूछताछ करेगी। मजीठिया की पेशी के दौरान कोर्ट के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था, क्योंकि अकाली दल के कार्यकर्ता उनकी गिरफ्तारी के बाद से प्रदर्शन कर रहे हैं। मजीठिया की अगली पेशी अब 2 जुलाई को होगी।

सौरभ और जैन के खिलाफ केस दर्ज

दिल्ली। अस्पताल घोटाले को लेकर सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य से जुड़े प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप में, दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (ACB) ने दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि 2018-19 में, 5,590 करोड़ रुपये की लागत से 24 अस्पताल परियोजनाओं (11 नए और 13 पुराने) को मंजूरी दी गई थी। इन परियोजनाओं में अकारण देरी और असाधारण लागत वृद्धि हुई है, जो बड़े पैमाने पर वित्तीय गबन की ओर इशारा करती है।

AAP विधायक का पार्टी से इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात में आम आदमी पार्टी अभी हालिया विधानसभा उपचुनाव में एक सीट पर मिली जीत के जश्न में व्यस्त ही थी कि उसे एक अन्य विधायक ने जोरदार झटका दिया है। गुजरात के बोटाद से विधायक उमेश मकवाना ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उनके इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

आर्मेनिया के PM पर खतना कराकर यहूदी बनने का आरोप

येरेवन। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान पर देश के सबसे बड़े चर्च के एक पादरी फादर जारेह अशुरयान ने आरोप लगाया कि पीएम पाशिनयान अब ईसाई नहीं हैं। पादरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पीएम ने 'खतना' कर लिया है और अब वे यहूदी बन चुके हैं। अपोस्टोलिक चर्च के फादर अशुरयान ने पीएम पाशिनयान की तुलना बाइबिल के गद्दार पात्र 'जूडस' से की और पीएम को गद्दार कहा। फादर जारेह अशुरयान आर्मेनिया के सबसे बड़े चर्च के मुख्य पादरी गरेगिन-2 के प्रवक्ता हैं।

'अमेरिका के मुंह पर जोरदार थप्पड़ मारा...'

ईरान के खामेनेई ने इजरायल के खिलाफ जीत का किया दावा

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान सीजफायर के बाद पहली बार अयातुल्लाह खामेनेई ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा की ईरान किसी भी हाल में अमेरिका या किसी के सामने सरेंडर नहीं करेगा। वहीं अगर भविष्य में ईरान पर हमला हुआ तो हम करारा जवाब देने के लिए तैयार हैं।

इजरायल को किया पराजित

खामेनेई ने कहा कि उनके देश ने इजरायल पर जीत दर्ज की है। वहीं ईरान ने अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा है। ईरानी सरकारी टेलीविजन पर टेलिकास्ट की गई एक वीडियो संदेश में कहा, इस्लामी गणराज्य की जीत हुई और बदले में अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। खामेनेई ने आगे कतर में अमेरिकी सैन्य हवाई अड्डों पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने फिर ईरान पर हमला करने की कोशिश की तो हम पलटवार जरूर करेंगे।

'ईरान को सरेंडर करवाना चाहता है अमेरिका'

'ईरान के दुश्मन मिसाइलों या हमारे परमाणु कार्यक्रम का जिक्र करते हैं, लेकिन वास्तव में वे ईरान का आत्मसमर्पण चाहते हैं। ट्रंप ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया है कि अमेरिका केवल ईरान के आत्मसमर्पण से ही संतुष्ट होगा। लेकिन आत्मसमर्पण कभी नहीं होगा, हमारा देश शक्तिशाली है।' खामेनेई ने यह भी कहा कि ईरान पर हमले कर अमेरिका को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। बता दें कि ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक सैन्य संघर्ष चला था। इस सैन्य संघर्ष में 22 जून की सुबह अमेरिका की भी एंट्री हो गई थी।

ट्रंप का दावा-ईरान के परमाणु संयंत्र तबाह

इजरायल और ईरान का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका हमले में ईरान के परमाणु संयंत्र पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। वहीं, ईरान ने कहा है कि अमेरिका हमले में परमाणु संयंत्र को नुकसान तो हुआ है लेकिन पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं।

चीन-पाक गठजोड़ पर इंडिया का अटैक

राजनाथ सिंह ने SCO में साझा बयान पर नहीं किए दस्तखत

महानगर नेटवर्क

किंगदाओ

चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के मुद्दे पर अपना सख्त रुख साफ कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साझा बयान पर साइन करने से इनकार कर दिया क्योंकि इसमें हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र तक नहीं था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। नतीजतन, एससीओ सम्मेलन के बाद कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया गया। सूत्रों के मुताबिक, चीन जो इस बार एससीओ का अध्यक्ष है और उसका सबसे पक्का दोस्त पाकिस्तान, दोनों ने मिलकर SCO के दस्तावेज में आतंकवाद पर फोकस कम करने की कोशिश की। लेकिन भारत ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अपने पक्ष से कोई समझौता नहीं किया। खासतौर पर कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले को लेकर भारत ने यह साफ कर दिया कि आतंकवाद पर कोई नरमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिना नाम लिए पाकिस्तान पर खूब बरसे

बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना उस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ देश अपनी नीतियों में सीमा पार आतंकवाद को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसे दोहरे मापदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए।

आतंक और शांति एक साथ नहीं : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत शांति का समर्थक है, लेकिन आतंकवाद और शांति साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने अन्य सदस्य देशों से भी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। गौरतलब है कि एससीओ में भारत, चीन, पाकिस्तान, रूस समेत कुल दस सदस्य देश शामिल हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर दिखा दिया कि भारत आतंकवाद पर किसी भी दबाव या समझौते के लिए तैयार नहीं है। एससीओ सम्मेलन भले ही बिना साझा बयान के समाप्त हुआ हो, लेकिन भारत का कड़ा संदेश पूरी दुनिया के सामने आ चुका है।

एक खास देश को भारत की बात मंजूर नहीं थी

दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की दो दिन चली बैठक में सभी देश एक साथ मिलकर साझा बयान पर सहमत नहीं हो सके, इसलिए उस दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत चाहता था कि इस बयान में आतंकवाद और उससे जुड़ी चिंताओं को साफ तौर पर शामिल किया जाए, लेकिन एक खास देश को यह बात मंजूर नहीं थी। भारत के रक्षा मंत्री ने अपने भाषण में सभी 11 देशों से आतंकवाद के हर रूप और तरीके के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील की। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि जो लोग आतंकवाद फैलाते हैं, चाहे वे सीमा पार से हमला कराएं, पैसा दें, समर्थन करें या उसका आयोजन करें, उन्हें सजा मिलनी चाहिए और कानून के सामने लाया जाना चाहिए।

मुठभेड़ में जैश आतंकी ढेर

जम्मू। उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है, जबकि तीन के घिरे होने की खबर है। दोनों तरफ से फायरिंग हो रही है। मुठभेड़ में मारा गया आतंकी जैश-ए-मोहम्मद का है। जानकारी के मुताबिक, बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में आतंकियों के देखे जाने की सूचना पर सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही थी।

तीन घिरे; मुठभेड़ जारी

पहलगाम आतंकी हमला: पनाह देने वाले गिरफ्तार

पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को पनाह देने वाले मददगार तो गिरफ्तार कर लिए गए हैं, लेकिन दहशतगर्द अब भी पकड़ से बाहर हैं। इतना भी स्पष्ट हो गया है कि हमला करने वाले तीन आतंकी थे। तीनों लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी नागरिक हैं।

शाह बोले- किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में राजभाषा विभाग के कार्यक्रम में कहा- किसी भी भाषा का विरोध नहीं है। किसी विदेशी भाषा से भी कोई विरोध नहीं करना चाहिए। लेकिन आग्रह हमारी भाषा को बोलने, उसे सम्मान देने और हमारी भाषा में सोचने का होना चाहिए। शाह ने आगे कहा- मैं मन से मानता हूं कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है। हिंदी और सभी भारतीय भाषाएं, मिलकर हमारे आत्मगौरव के अभियान को उसकी मंजिल तक पहुंचा सकती हैं।

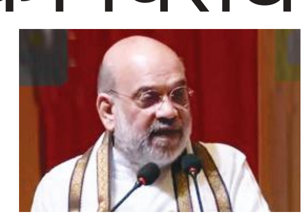

अमित शाह के संबोधन की मुख्य बातें...

भारतीय भाषाओं का विकास करेंगे : मेरा मानना है कि PM मोदी के नेतृत्व में जो नींव रखी जा रही है, उससे 2047 में एक महान भारत का निर्माण होगा और महान भारत के निर्माण की राह पर हम अपनी भारतीय भाषाओं का विकास करेंगे। उन्हें समृद्ध बनाएंगे, उनकी उपयोगिता बढ़ाएंगे।

सरकारी कामकाज में भारतीय भाषाओं का ज्यादा इस्तेमाल हो : भारतीय भाषाओं का सरकारी कामकाज में ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होना चाहिए। सिर्फ केंद्र सरकार में नहीं, बल्कि राज्य सरकार में भी। इसके लिए हम राज्यों से भी संपर्क करेंगे, उन्हें समझाने और राजी करने की कोशिश करेंगे।

स्थानीय भाषाओं में मेडिकल-इंजीनियरिंग की पढ़ाई : सभी राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई स्थानीय भाषाओं में शुरू करें। केंद्र सरकार सभी राज्य सरकारों की हरसंभव मदद करेगी ताकि प्रशासनिक कामकाज और उच्च शिक्षा भारतीय भाषाओं में हो सके।

> मेरी पार्टी हिंदी के विरोध में नहीं है, लेकिन मुख्य तौर पर मराठी भाषी राज्य में इसे लागू करने के खिलाफ है। हम किसी भाषा का विरोध या नफरत नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी भाषा को लागू करने की इजाजत देंगे। -उद्धव ठाकरे

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर हुआ

महानगर नेटवर्क

अहमदाबाद

अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। सरकारी बयान में गुरुवार को बताया गया कि डेटा डाउनलोड हो गया है। मेमोरी मॉड्यूल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण (एनालिसिस) करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। इससे पहले 24 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स (CVR और DFDR) सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया।

अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट AI-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इसमें सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी। वहीं, इस घटना में कुल 270 लोग मारे गए थे।

'प्रिया शर्मा' के झांसे में आ गया नेवी का कर्मचारी

पाक को लीक कर दी ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में इंडियन नेवी के एक कर्मचारी को जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। यह कर्मचारी दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय में तैनात था। उस पर आरोप है कि उसने रक्षा मामलों से जुड़े अहम जानकारी को पाकिस्तानी हैंडलर को लीक किया है और इसमें ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी भी शामिल है। इस कर्मचारी का नाम विशाल यादव है और वह हरियाणा के रेवाड़ी का रहने वाला है। गिरफ्तारी के बाद कई एजेंसियां यादव से पूछताछ करने की तैयारी में हैं। विशाल यादव दिल्ली में स्थित नौसेना भवन के डॉकयार्ड निदेशालय में अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) के पद पर तैनात है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (CID-Security) विष्णु कांत गुप्ता ने बताया कि यादव ने यह अहम जानकारी एक महिला पाकिस्तानी हैंडलर को दी। इस महिला ने खुद को प्रिया शर्मा बताया था। आईजीपी विष्णु कांत गुप्ता ने कहा, 'यादव ने स्वीकार किया है कि उसने जो जानकारी पाकिस्तानी महिला हैंडलर को दी थी उसके बदले में उसे लगभग 2 लाख रुपये मिले थे।

कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग वोटर्स लिस्ट की डिजिटल कॉपी दे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव 2024 में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखा है। पार्टी ने आयोग से एक हफ्ते में महाराष्ट्र चुनाव की डिजिटल वोटर्स लिस्ट मांगी है। साथ ही महाराष्ट्र और हरियाणा के वोटिंग डे की वीडियो फुटेज देने को कहा है। पार्टी ने कहा कि यह पुरानी मांग है और आयोग इसे आसानी से दे सकता है। डेटा मिलने पर वे अपना एनालिसिस करेंगे और चुनाव आयोग से इस पर चर्चा करेंगे। दरअसल, 12 जून को इलेक्शन कमीशन (EC) ने राहुल को लेटर लिखा था। इसमें राहुल को विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था।

ममता को दिखी NRC जैसी साजिश

वोटर लिस्ट को लेकर दीदी का EC पर आरोप

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बिहार चुनाव के नाम पर पूरे देश में NRC जैसी प्रक्रिया लागू करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए 'खतरनाक और अलार्मिंग' करार दिया। ममता ने कहा कि राज्य सरकार को चुनाव आयोग से कुछ दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिनमें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र जमा कराने की बात कही गई है। दरअसल, चुनाव आयोग बिहार समेत छह राज्यों में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू करने जा रहा है। इसका उद्देश्य अवैध विदेशी नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाकर एक सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। अब क्योंकि बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए, यह प्रक्रिया बिहार से शुरू की जा रही है।

ममता का आरोप- असली निशाना बंगाल

ममता बनर्जी का आगे कहना है, 'यह फिलहाल बिहार में लागू किया गया है, लेकिन साफ है कि इसे देश के हर राज्य में लागू किया जाएगा। असली निशाना बंगाल है, क्योंकि वे प्रवासी मजदूरों और गरीब वोटरों से डरते हैं।' मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि गरीबों और श्रमिकों के पास अपने माता-पिता के प्रमाण पत्र कहां से आएंगे? उन्होंने इस नई प्रक्रिया की तुलना सीधे NRC से की और इसे उससे भी अधिक खतरनाक बताया।

345 राजनीतिक दल लापता!

चुनाव आयोग को नहीं मिला इनका कोई ठिकाना

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 345 राजनीतिक दलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। ये पार्टियां सिर्फ नाम की थीं, वह कागजों के अलावा कहीं दिखाई नहीं दे रही थीं। आयोग ने इन पार्टियों को अपनी लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उनका कहना है कि इन पार्टियों के दफ्तर कहीं नहीं मिले। चुनाव आयोग के अनुसार, कई पार्टियां सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर यह फैसला लिया है। पिछले छह सालों में इन 345 'रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल' (RUPPs) ने एक भी चुनाव नहीं लड़ा है। इनके दफ्तर भी कहीं नहीं मिले। इसलिए, आयोग ने इन्हें हटाने का फैसला किया है। आयोग ने एक प्रेस रिलीज में यह जानकारी दी। ये 345 पार्टियां देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं।

जश्न... अंतरिक्ष में पहुंचा भारत का दूसरा बेटा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। 40 साल बाद किसी भारतीय ने अंतरिक्ष में कदम रखा है। गुरुवार शाम भारतीय वायु सेना के पायलट शुभांशु शुक्ला के स्पेसक्रॉफ्ट ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर सफलतापूर्वक कदम रखा। इस तरह शुभांशु आईएसएस में कदम रखने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा सोवियत संघ के सल्युत-7 स्पेस स्टेशन पर आठ दिन रहे थे। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने एक बयान में कहा, गुरुवार को सुबह 6:31 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे) एक्सिओम मिशन-4 के तहत स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा। अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना होकर एक नया इतिहास रचने वाले भारतीय यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के साथ डॉकिंग से पहले अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अंतरिक्ष से सभी को नमस्कार कहा और बताया कि निर्वात में तैरना एक अद्भुत अनुभव रहा। उनके लिए यह सफर एक बच्चे की तरह सब कुछ सीखने जैसा है। अंतरिक्ष यान से वीडियो लिंक के जरिये भेजे संदेश में शुभांशु शुक्ला ने बताया, प्रक्षेपण के दौरान गुरुत्वाकर्षण बल का सामना करने के दौरान ऐसा महसूस हुआ जैसे हमें अपनी सीट पर पीछे धकेला जा रहा हो। यह एक अद्भुत सफर था और फिर अचानक कुछ भी महसूस नहीं हुआ सब कुछ शांत था और आप बस तैर रहे थे। हम बेल्ट खोलकर निर्वात में तैर रहे थे। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने कहा कि निर्वात में जाने के बाद पहले कुछ क्षण तो अच्छे नहीं लगे लेकिन जल्द ही यह एक अद्भुत एहसास बन गया। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु के अलावा पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों ने भी 40 वर्षों से भी अधिक समय बाद आईएसएस में प्रवेश किया है।

'बाज, गिद्ध और चील शिकार करते रहते हैं'

शशि थरूर के 'उड़ान' वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कांग्रेस और पार्टी सांसद शशि थरूर के बीच दिन-ब-दिन तकरार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस अंदर अपने आलोचकों को संदेश देने के लिए की गई 'उड़ान' वाली पोस्ट पर पार्टी के सांसद ने शिकारी पक्षी वाली पोस्ट डालकर पलटवार किया है। दरअसल, शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में प्रशंसा की थी, जिसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी फटकार लगाई थी। इस पर शशि थरूर ने बीते दिन बुधवार (25 जून) को एक पक्षी वाली पोस्ट शेयर कर निशाना साधा और लिखा, 'उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं और आसमान किसी का नहीं है।' अब इस पोस्ट पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार किया है।

क्या कहा मणिकम टैगोर ने?

कांग्रेस नेतृत्व के करीब माने जाने वाले कांग्रेस सांसद ने कहा, 'उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पक्षियों को उड़ने के लिए इजाजत की जरूरत नहीं होती... लेकिन आज के समय में एक स्वतंत्र पक्षी को भी आसमान देखना चाहिए- बाज, गिद्ध और 'चील' हमेशा शिकार करते रहते हैं। स्वतंत्रता मुफ्त नहीं है, खासकर तब जब शिकारी देशभक्ति के पंखों की तरह पहनते हैं।' इस पोस्ट में उन्होंने 6 शिकारी पक्षियों का वर्णन किया है, जिसमें बाज, गिद्ध, रेड-टेल्ड हॉक, ऑस्प्रे, अमेरिकन केस्ट्रल, टर्की वल्चर और ग्रेट हॉर्नेड उल्लू।

वर्गीकृत विज्ञापन

चाहिए....!

अंधेरी पूर्व एमआयडीसी के लिए हेल्पर्स चाहिए।

ड्युटी 8 घंटा।

वेतन रोज 500/-

संपर्क-9619291288

नोटिस विज्ञापनों में प्रकाशित दावों का इस अखबार से कोई लेना-देना नहीं है। पाठकों से निवेदन है कि विज्ञापन आजमाने से पहले कृपया अपने स्तर पर पुष्टि कर स्वयं को संतुष्ट कर लें।

– संपादक

30 जून से महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र

18 जुलाई तक चलेगा अधिवेशन

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून अधिवेशन 30 जून से शुरू होकर 18 जुलाई 2025 तक चलेगा। गुरुवार को हुई विधिमंडल कामकाज सलाहकार समिति की बैठक में इस बात की घोषणा की गई। विधान भवन में आयोजित विधानमंडल कामकाज सलाहकार समिति की बैठक में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानपरिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे, विधानसभा के उपाध्यक्ष अन्ना बनसोडे, उच्च व तकनीकी शिक्षा तथा संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार, खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, विधानसभा सदस्य दीपक केसरकर, भास्कर जाधव, नितिन राऊत, जितेंद्र आव्हाड, अमीन पटेल, विधान परिषद सदस्य भाई जगताप, प्रवीण दरेकर, प्रसाद लाड, श्रीकांत भारतीय और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सत्र की योजना पर चर्चा की गई। विधान सचिव जितेंद्र भोले ने कामकाज की जानकारी दी।

भंगार गोदाम में भीषण आग

वसई। वसई पूर्व के फादरवाडी इलाके में गुरुवार दोपहर को एक भंगार (कबाड़) गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज़ी से फैली कि गोदाम में रखे पुराने फ्रिज, वॉशिंग मशीन और अन्य कबाड़ का सारा सामान पलभर में जलकर राख हो गया।जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2:30 बजे आग लगने की सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका (VVCMC) के अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।

जून महीने की बारिश ने पिछले 25 साल का तोड़ा रिकॉर्ड

जलापूर्ति करने वाले तालाबों में 36 प्रतिशत पानी जमा

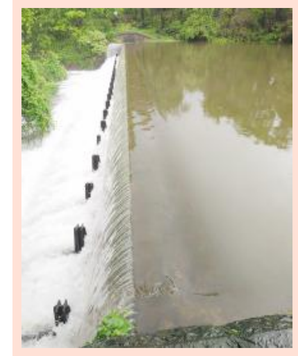

महानगर संवाददाता
मुंबई

नागरिकों को जलापूर्ति करने वाले 7 तालाबों में 26 जून को ही 36 प्रतिशत पानी जमा हो गया। नाशिक जिले में जिस तरह बारिश का जोर बना है माना जा रहा है कि जून महीने में ही तालाबों में 50 प्रतिशत से अधिक पानी जमा हो जाएगा। तालाब में जून महीने में जमा होने वाला पानी एक रेकॉर्ड बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुंबई के नागरिकों को सात तालाब से जलापूर्ति की जाती है। सात तालाब में से पांच तालाब नाशिक और ठाणे जिले में हैं,जबकि मात्र दो तालाब तुलसी और बिहार मुंबई में है। जबकि पांच तालाब अप्पर वैतरणा,मोड़क सागर,तानसा ,मध्य वैतरणा और भातसा ये सभी तालाब नाशिक और ठाणे में हैं। अभी तक जून महीने तक बारिश नहीं होने पर मनपा प्रशासन को पानी कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ता था। इस साल मानसून वैसे भी 26 मई को ही आ गया। मानसून जल्दी आने का फायदा तालाब क्षेत्र में पहले नहीं हुआ। 16 जून तक सभी तालाब में मात्र 8,60 प्रतिशत पानी शेष रहने पर मनपा प्रशासन को राज्य सरकार के तालाब भातसा और अप्पर वैतरण तालाब से अतिरिक्त कोटे का पानी लेने पर मजबूर होना पड़ा था। लेकिन मनपा को अतिरिक्त कोटे का मात्र 4 दिन पानी लेने के बाद ही नाशिक और ठाणे जिले में ऐसी बारिश हुई कि मुंबई को जलापूर्ति करने वाले तालाब में 26 जून को 36 प्रतिशत पानी जमा हो गया।

2017 के जून आखिरी तक 31,09% पानी हुआ था जमा

पिछले 25 साल का तालाब क्षेत्रों में हुई बारिश का रिकॉर्ड देखे तो 30 जून 2017 को जलापूर्ति करने वाले सभी सातों तालाबों में 31,09 प्रतिशत पानी जमा हुआ था। इसके पहले जून महीने में कभी भी 10 प्रतिशत से अधिक पानी शेष नहीं बचा हुआ था। मुंबई वासियों के लिए यह एक रिकॉर्ड है कि इस साल जून महीने में जलापूर्ति करने वाले सभी 7 तालाब में 50 प्रतिशत पानी जमा हो जाने का अनुमान है।नाशिक और ठाणे जिले में जिस तरह बारिश का जोर बना है इससे तो साफ है कि अगले चार दिन में सभी तालाब में 10 प्रतिशत से अधिक पानी जमा हो जाएगा।

साल	कुल जमा पानी	प्रतिशत
2025	520614	36 ,01
2024	76425	5,28
2023	95123	6,57

मनपा मुख्यालय में राजर्षि शाहू महाराज जयंती पर अभिनंदन

महानगर संवाददाता
पनवेल

सामाजिक समानता की शिक्षा देने वाले नेता राजर्षि शाहू महाराज की जयंती के अवसर पर 26 जून को पनवेल मनपा मुख्यालय में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त गणेश शेटे, परिवहन प्रबंधक कैलास गावड़े, उपायुक्त प्रसेनजीत करलेकर, उपायुक्त रविकिरण घोडके, उपायुक्त मंगला मालवे, मुख्य लेखा अधिकारी मंगेश गावड़े, मुख्य लेखा परीक्षक नीलेश नलावड़े, लेखा अधिकारी संग्राम रोरकटे, सचिव अक्षय कदम, लेखा परीक्षक संदीप खुरपे, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राजू पाटोदकर, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भगवान गीते, सामान्य प्रशासन विभाग प्रमुख कीर्ति महाजन, जनसंपर्क अधिकारी वर्षा कुलकर्णी और मनपा अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

वसई-विरार में डेंगू और टाइफाइड का कहर, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

■ मंगेश निषाद

विरार। वसई-विरार में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही डेंगू और टाइफाइड के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। जिसने स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। बीते कुछ दिनों के चौंकाने वाले आंकड़ों के बाद, स्वास्थ्य विभाग ने निवारक उपाय और जागरूकता अभियान तेज कर दिए हैं। 21 से 24 जून के बीच शहर में डेंगू के 53 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 42 मरीज सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में दर्ज हुए,जबकि 11 निजी अस्पतालों में अपना इलाज करवा रहे हैं। इसी अवधि में टाइफाइड के भी 7 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि गैस्ट्रोएंटेराइटिस (पेट की समस्या) का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

15 दिनों में 37 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाए गए

क्षेत्र के एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान, तुलिंज अस्पताल से प्राप्त आंकड़े इस प्रकोप की भयावहता को और भी स्पष्ट करते हैं। 10 जून से 24 जून तक की दो सप्ताह की अवधि में, अस्पताल में किए गए कुल 165 रैपिड डेंगू टेस्ट में से 37 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाए गए। इन मामलों में 14 एनएस1 पॉजिटिव, 7 आईजीएम पॉजिटिव और 22 आईजीजी पॉजिटिव शामिल थे, जो बीमारी के विभिन्न चरणों को दर्शाते हैं। इसी अवधि के दौरान, तुलिंज अस्पताल में 197 विडाल टेस्ट किए गए, जिनमें से 17 व्यक्तियों में टाइफाइड की पुष्टि हुई। इसके अतिरिक्त, 65 एलिसा आईजीएम टेस्ट में से एक मरीज में डेंगू पॉजिटिव पाया गया।

मानसून से जुड़ी बीमारियों का खतरा

मामलों में यह तेज वृद्धि स्पष्ट रूप से मानसूनी बीमारियों के संभावित प्रसार की ओर इशारा करती है। जलभराव और मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण, खासकर बोतलें, प्लास्टिक या थर्माकोल की डिश और नारियल के छिलके जैसे भंगार में जमा होने वाला थोड़ा सा पानी भी मच्छरों की ब्रीडिंग के लिए पर्याप्त होता है।

खतरनाक शौचालयों के प्रति उदासीन मनपा प्रशासन

भायंदर। हमारे देश के प्रधानमंत्री मुलभुत सुविधा के तौर पर लोगों को शौचालय की सुविधा देने पर जोर दे रहें हैं, उसके विपरीत मीरा-भायंदर शहर में शौचालयों की स्थिति दयनीय एवं बदबूदार है। मीरा - भायंदर शहर में झुग्गी झोपड़पट्टीयों में शौचालयों की स्थिति काफी खराब है एवं यहां पर गंदगी पसरी पड़ी है। इन शौचालयों के लिए लोगों की बार - बार शिकायतों के बावजूद मनपा प्रशासन इस समस्या को लेकर उदासीन है। भायंदर (पश्चिम) स्थित गणेश देवल नगर के शौचालयों में लोग जान को जोखिम में डाल कर शौचालय के लिए जाने को मजबूर हैं। यहां के कई परिसरों के शौचालयों की दिवाल एवं छत की स्थिति काफी खतरनाक हैं।

बारिश के बाद भी ठाणे में पानी का संकट

टैंकरों पर बढ़ती निर्भरता से नागरिक परेशान

ठाणे। भले ही इस वर्ष मानसून ने तय समय से पहले दस्तक दी हो और बांधों में जलसंचय बढ़ा हो,लेकिन ठाणे शहर के कई हिस्सों में पानी की भारी किल्लत देखी जा रही है। विशेष रूप से घोड़बंदर,वर्तक नगर और समता नगर जैसे इलाकों में पानी की आपूर्ति में भारी गिरावट दर्ज की गई है। घोड़बंदर क्षेत्र में तो पानी की सप्लाई 50 प्रतिशत तक घट चुकी है, जिससे निवासियों को जल आवश्यकताओं के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। बता दें कि ठाणे शहर को प्रतिदिन 616 मिलियन लीटर पानी का कोटा आवंटित किया गया है, लेकिन हकीकत में केवल 585 मिलियन लीटर पानी ही आपूर्ति हो पा रहा है। यह पानी चार प्रमुख स्रोतों से आता है। महानगरपालिका की योजना से 250 एमएलडी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ (MIDC) से 135 एमएलडी, STEM प्राधिकरण से 115 एमएलडी और बृहन्मुंबई महानगरपालिका से 85 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाती हैं। बावजूद इसके, बढ़ती आबादी और शहरीकरण के कारण पानी की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जबकि आपूर्ति उस अनुरूप नहीं हो पा रही। हाल ही में STEM प्राधिकरण ने 18 से 19 जून तक आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते जलापूर्ति बंद कर दी थी। भले ही अब सप्लाई बहाल कर दी गई है, लेकिन कई इलाकों में पानी की अनियमितता अब भी बनी हुई है।

भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की बैठक

बैठक में हिंदी भाषा विवाद और चुनाव पर चर्चा

ठाणे। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा विवाद को लेकर गरमाई सियासत के बीच गुरुवार को भाजपा प्रदेश की कोर कमेटी की बैठक बुलाई गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश जी, प्रदेश कार्याध्यक्ष रविन्द्र चव्हाण, उच्च शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल,मुंबई भाजपा अध्यक्ष और मंत्री आशीष शेलार, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण, पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार , मंत्री अतुल सावे,विधायक और प्रदेश महामंत्री विक्रांत पाटिल सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में आगामी मुंबई मनपा सहित स्थानीय निकाय चुनाव पर चर्चा हुई जिसमें देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के सभी नेताओं और मंत्री को अपने अपने क्षेत्र में चुनाव की तैयारी में लग जाने का निर्देश दिया। सूत्रों का कहना है कि मौजूदा राज्य में हिंदी भाषा को लेकर चल रहे विवाद पर भी चर्चा हुई, जिसमें फडणवीस ने पार्टी के नेताओं को बयानबाजी से बचने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि हिन्दी भाषा वाले विवाद पर पार्टी ने अपना पक्ष रख दिया है,इसलिए इस मुद्दे पर बयान देने से बचें बैठक में प्रदेश के संगठनात्मक मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

विलेपार्ले के स्कूल में धमकी भरा ईमेल

पुलिस तकनीकी जांच कर आरोपी की तलाश में जुटी

मुंबई। मुंबई और आसपास के शहरों में पिछले कई दिनों से आ रहे बम की अफवाह के मेल ने पुलिस के नाक में दम कर रखा है। जानकारी आने के बाद पुलिस को तत्काल मौके पर पहुंचकर सारी चेकिंग भी करनी पड़ती है। इसबार विलेपार्ले स्थित तिलक विद्यालय बुधवार को धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें आरडीएक्स विस्फोट की चेतावनी दी गई। मुंबई की स्कूलों में यह तीसरा मामला है। इससे पहले, मीरा भाईंदर और वसई-विरार के स्कूलों में इस तरीके के मेल प्राप्त हुई है, जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह धमकीभरा ईमेल बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे स्कूल की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजा गया। स्कूल स्टाफ ने सबसे पहले ईमेल देखा और तुरंत सुरक्षा अधिकारियों को सूचित किया। मुख्य सुरक्षा अधिकारी संजय टोंपी ने तत्काल मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क किया और मामले की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही बम शोधक व निस्क्रियकरण पथक (बीडीडीएस) मौके पर पहुंचा और स्कूल परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया। लगभग पूरे स्कूल की बारीकी से जांच की गई, लेकिन किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने प्राथमिक जांच के आधार पर इसे एक शरारती ईमेल बताया है। पुलिस के अनुसार, यह ईमेल 'nakhiran.gopal' नामक आईडी से भेजा गया था। मुंबई साइबर सेल और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अब इस ईमेल की तकनीकी जांच कर रही हैं और ईमेल भेजने वाले की पहचान की कोशिश की जा रही है। मुंबई पुलिस ने अभिभावकों और छात्रों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि स्कूलों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

'जो दस साल में नहीं हुआ, वह एक साल में कर दिखाया'

महानगर संवाददाता
भिवंडी

"भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में एक साल के कार्यकाल में मैंने वह काम करने का प्रयास किया है, जो पूर्ववर्ती सांसद दस वर्षों में नहीं कर पाए," ऐसा दावा सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने किया है। वे अपने एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि टोरंट बिजली समस्या को लेकर संसद में आवाज उठाई, जो अब तक किसी ने नहीं की थी। 2027 के बाद इस पर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा। साथ ही, इंदिरा गांधी उपजिला रुग्णालय को जिला रुग्णालय का दर्जा दिलाने के लिए की गई पहल को केंद्र और राज्य स्तर पर सफलता मिली है। रेल्वे सेवा पर उन्होंने कहा कि वसई-दिवा मार्ग पर भिवंडी से दिवा के बीच रेल सेवाएं बढ़ाने और लंबी दूरी की ट्रेनों को भिवंडी स्टेशन पर रुकवाने की मांग की गई है। मुरबाड रेल प्रकल्प भी अब गति पकड़ चुका है। शहापुर के जलशुद्धीकरण केंद्र की स्थापना अब आसान हुई है, जबकि पहले टेंडर और कमीशनखोरी में ही ध्यान दिया जा रहा था। वहीं वराला तलाव सौंदर्यीकरण के लिए केंद्र से 53 करोड़ मंजूर हुए हैं, राज्य से हिस्सेदारी की मांग जारी है।

कवि हरीश हिंदुस्तानी को श्याम ज्वालामुखी पुरस्कार

भायंदर। मीरा भायंदर नागरिक संस्था का वार्षिकोत्सव एवं विराट हास्य कवि सम्मेलन भायंदर -मीरा भायंदर नागरिक संस्था का 36 वा वार्षिकोत्सव एवं विराट हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन रविवार 29 जुन को भायंदर पश्चिम स्थित तिरुपति बैंकेट हाल में सायं 7 बजे से आयोजित होने जा रहा है । संयोजक गजेन्द्र भंडारी ने बताया कि हर वर्ष दिया जाने वाला श्याम ज्वालामुखी पुरस्कार इस वर्ष हास्य कवि हरीश हिन्दुस्तानी को दिया जा रहा है। मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल (चेयरमैन रीजेंसी ग्रुप) समारोह अध्यक्ष ओमप्रकाश झाझूका (उद्योगपति समाजसेवक) सम्मानित अतिथि श्यामसुन्दर अग्रवाल (भवन निर्माता), डॉ सीए सुनील शर्मा (महासचिव विप्र फाउंडेशन) अध्यक्ष सीए मनोज खेमका ने बताया कि इस अवसर पर कवि सुभाष काबरा, आशकरण अटल, हरिश हिन्दुस्तानी, गौरव शर्मा व पुरण पंकज विशेष अतिथि नंदू पौदार, सुरेश खंडेलवाल, राजेंद्र होलानी, रमेश कोठारी, सुभाष जांगिड़, रमेश शर्मा, संजय चूड़ीवाला, संदीप अग्रवाल, गोविंद चैनपुरिया, संस्थापक ओमप्रकाश कावड़िया, कोषाध्यक्ष मनोज पचलंगिया, कार्यकरिणी दशरथ सिंह देवड़ा, डॉ श्यामसुंदर शर्मा, राकेश मिश्रा, मनमोहन सराफ, सुरेश दाधीच, ओमप्रकाश महर्षि, रवि अग्रवाल, मनमोहन मिश्रा व अभिषेक तिवाड़ी आदि का सहयोग सराहनीय है।

बच्चे को माचिस की तीली से जलाया

जादूटोना बताकर नाबालिग पर अत्याचार

महानगर संवाददाता
मुंबई

भांडुप इलाके में एक दिल दहला देने वाला बाल अत्याचार का मामला सामने आया है, जहां ढाई साल के मासूम बच्चे को भूत-प्रेत की बाधा बताकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। बच्चे को जलती माचिस की तीलियों से जलाया गया और डंडे से बुरी तरह पीटा गया। आरोपी दंपती हैवैभव कोकरे (35) और उसकी पत्नी वैभवी उर्फ हर्षदा है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित बच्चे की मां ने भांडुप पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई कि महिला एक बिसलेरी दुकान में काम करती थी,जो आरोपी वैभव की दुकान थी। बाद में वैभव ने उसे अपने घर पर काम के लिए बुलाया, जहां वह पिछले 15 दिनों से काम कर रही थी। यहां वह अपने ढाई साल के बेटे को भी साथ लाती थी।

पुलिस के अनुसार, जब बच्चा बार-बार रोता था, तो वैभव और उसकी पत्नी ने उसकी मां से कहा कि बच्चा भूत बाधा से पीड़ित है और उसे ठीक करने के लिए उपचार की जरूरत है। इसी बहाने उन्होंने बच्चे को जलती माचिस की तीलियों से जलाया और डंडे से पीटा। पीड़िता की मां को धमकी भी दी गई कि वह यह बात किसी को न बताए। मामला तब सामने आया जब महिला ने किसी तरह अपने रिश्तेदारों से संपर्क किया और मदद की गुहार लगाई।

RAIPUR DISTRICT URBAN PUBLIC SERVICE SOCIETY

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(2nd Call)

NIT NO : 9/RDUPSS/ITMS/2025 **RAIPUR DATED:26-06-2025**

Online bids are invited for the following works of works up to 11th **July 17:30 hours.**

System Tender No.	Name of work/ Description of work	Bid Due Date (Online submission)	Hard Copy submission	Bid Document Fees	EMD
170964	"SELECTION AGENCY/MSI OPERATION MAINTENANCE INTELLIGENT OF FOR & OF TRAFFIC MANAGEMENT SYSTEM (ITMS). CITY SURVEILLANCE SYSTEM & COMMAND CONTROL INTEGRATED AND CENTRE (ICCC) IN RAIPUR CITY"	11-07-2025 Upto 5:30 pm	14/07/2025 Upto 5:30 pm	INR 11800/-non refundable	INR 90,00,000/-

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 26th **June 2025, 17:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -

1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. ***Help Desk* at Toll Free No.** 1800 419 9140 or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details& RFP document
4. The pre-bid clarification uploaded during 1st call will also be part of this RFP document.

SD/-
Secretary
Raipur District Urban Public Service Society
Raipur (C.G.)

Clean City, Green City, Dream City

महाराष्ट्र के उपभोक्ता को मिलेगा बिजली आपूर्ति में विकल्प का अधिकार

MERC ने निजी कंपनियों के समानांतर लाइसेंस आवेदनों को दी मंजूरी

भिवंडी। महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग के एक अहम फैसले के तहत राज्य के प्रमुख शहरों ठाणे, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे, नागपुर के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को अब बिजली आपूर्ति के लिए कंपनी चुनने का अधिकार मिलेगा। आयोग ने निजी कंपनियों द्वारा दायर समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस आवेदनों को स्वीकार कर लिया है, जिससे राज्य में वर्षों से जारी सरकारी एकाधिकार व्यवस्था को चुनौती मिल सकती है। अब तक इन क्षेत्रों में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी का एकाधिकार था, लेकिन नए फैसले के बाद अडानी इलेक्ट्रिसिटी और टोरंट पावर जैसी निजी कंपनियों को भी इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति करने का मौका मिलेगा। यह प्रतिस्पर्धा उपभोक्ताओं उपभोक्ताओं के लिए बेहतर दरें, उन्नत सेवा गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगी।

MERC ने जनता से 16 जुलाई तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं। साथ ही 22 जुलाई को पुणे और नागपुर में टोरेंट पवार के लिए तथा 23 जुलाई को ठाणे और अन्य एमएमआर क्षेत्रों में टोरेंट पावर व अडानी के लिए सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाएगी, जिसमें आम नागरिक और हितधारक अपनी राय रख सकेंगे। इस नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ता यह तय कर सकेंगे कि उन्हें बिजली किस कंपनी से लेनी है। MERC के अनुसार, प्रतिस्पर्धा से न केवल सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि शिकायतों का निवारण भी अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। साथ ही दरें MERC द्वारा तय सीमा के भीतर ही रहेंगी,लेकिन कंपनियों में बेहतर प्रस्ताव देने की होड लगेगी। इस कदम को बिजली वितरण के क्षेत्र में उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे राज्य में निजी निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा और बिजली क्षेत्र में तकनीकी आधुनिकीकरण की गति तेज होगी।

रविवार को पश्चिम रेलवे पर दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

27/28 जून की मध्यरात्रि को वसई रोड और वैतरणा के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई। रेलपथ, सिगनलिंग और ओवरहेड उपकरणों के रख-रखाव हेतु शुक्रवार/शनिवार की मध्यरात्रि अर्थात 27/28 जून की मध्यरात्रि को वसई रोड और वैतरणा स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर तीन घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अप फास्ट लाइन पर ब्लॉक रात 23.50 बजे से 02.50 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर यह ब्लॉक रात 01.30 बजे से 04.30 बजे तक रहेगा।

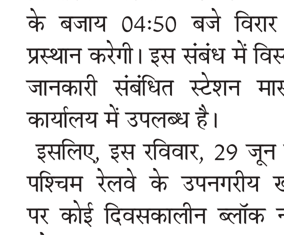

ब्लॉक के कारण ट्रेन संख्या 19101 विरार-भरूच मेमू 15 मिनट की देरी से चलेगी और इसलिए अपने निर्धारित प्रस्थान 04:35 बजे के बजाय 04:50 बजे विरार से प्रस्थान करेगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टर कार्यालय में उपलब्ध है।

इसलिए, इस रविवार, 29 जून को पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

त्रिभाषा फार्मूले पर राज्य सरकार अडिग

पहली, दूसरी में तीसरी भाषा की मौखिक पढ़ाई, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने दी जानकारी

महानगर संवाददाता
मुंबई

राज्य शिक्षा मंडल के मराठी और अंग्रेजी स्कूलों में कक्षा पहली से तृतीय भाषा के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से हिंदी को अनिवार्य करने के फैसले का राज्यभर में विरोध हो रहा है, लेकिन सरकार त्रिभाषा के फार्मूले पर अडिग है। गुरुवार को स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने तीसरी भाषा के रूप में किसी भी भाषा को अनिवार्य नहीं किए जाने की बात दोहराते हुए कहा कि पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों को मौखिक रूप से तीसरी भाषा पढ़ाई जाएगी। भुसे ने सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए राज्य सरकार ने त्रिभाषी फार्मूला इसलिए अपनाया है,ताकि विद्यार्थी कहीं पीछे न रह जाएं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर राज्य सरकार ने कक्षा 1 से पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। हिंदी को अनिवार्य करने के निर्णय के कड़े विरोध के बाद सरकार ने तीसरी भाषा के चयन को वैकल्पिक बना दिया। हालांकि, ऐसा करते समय सरकार ने तीसरी भाषा के लिए 20 छात्रों की शर्त रखी है। यदि कक्षा में 20 छात्र नहीं हैं, तो छात्रों द्वारा चुनी गई तीसरी भाषा ऑनलाइन पढ़ाई जाएगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना सहित विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने अप्रत्यक्ष रूप से हिंदी को अनिवार्य बनाने के फैसले का विरोध किया है।

मंत्रालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, राज्य सरकार के लिए किसी भी तीसरी भाषा को स्वीकार करना अनिवार्य नहीं है। सरकार ने पहले हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में स्वीकार किया था। इस अनुसार शिक्षकों के लिए एक मॉडल पुस्तक तैयार की गई थी।

ठाकरे बंधु निकालेंगे मोर्चा

हिंदी के विरोध में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और मनसे ने विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम हिंदी भाषा के विरोध में नहीं हैं,लेकिन जबरन हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि यह एक भाषाई आपातकाल है, हम इसका विरोध करेंगे। हिंदी के विरोध में ठाकरे गुट की तरफ से 7 जुलाई को आजाद मैदान में प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें उद्धव ठाकरे के शामिल होने की संभावना है। इधर गुरुवार को इस मुद्दे पर स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। दोनों के बीच आधे घंटा चर्चा हुई। राज ठाकरे ने कहा कि हिंदी थोपे जाने के खिलाफ 5 जुलाई को सुबह 10 बजे मोर्चा निकाला जाएगा।

हम मराठी के प्रति कट्टर: शेलार

राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने इस मुद्दे पर भाजपा की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि हम मराठी के लेकर कट्टर हैं, लेकिन छात्रों के हित के प्रबल समर्थक हैं। हम मराठी को लेकर कट्टर हैं, लेकिन हिंदुस्तान की अन्य भाषाओं के हम खूनी नहीं हैं। महाराष्ट्र में शिक्षा में केवल मराठी अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं। राज्य में हिंदी को लेकर भ्रांतियां, गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं।

उद्धव ने स्वीकार की थी हिंदी अनिवार्यता की नीति: सामंत

राज्य के उद्योग और मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने खुलासा किया कि महाविकास आघाड़ी सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य में शालेय शिक्षा में हिंदी भाषा को अनिवार्य करने की नीति अपनाई थी। ठाकरे कैबिनेट ने डॉ. माशेलकर समिति का पहली से बारहवीं कक्षा तक मराठी, अंग्रेजी और हिंदी को अनिवार्य रूप से पढ़ाने का प्रस्ताव मंजूर किया था, लेकिन जब जबकि हिंदी अनिवार्य नहीं है, उबाठा गुट जानबूझकर हिंदी भाषा को लेकर राजनीति कर रहा है।

उत्तन-विरार सागरी मार्ग का रास्ता साफ

वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे से जोड़ा जाए प्रस्तावित मार्ग: सीएम फडणवीस

महानगर संवाददाता
मुंबई

भायंदर के उत्तन से विरार तक विरार सागरी मार्ग (यूव्हीएसएल) बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में फडणवीस ने उत्तन-विरार मार्ग को वाधवण बंदरगाह और समृद्धि महामार्ग (एक्सप्रेसवे) से जोड़ा जाए। यह सागरी मार्ग परियोजना मुंबई और वधावन बंदरगाह परियोजना को जोड़ने वाली एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना साबित होगी। उत्तन और विरार के बीच प्रस्तावित सागरी सेतु मार्ग के बनने के बाद मुंबई से लेकर विरार के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इस सागर सेतु के कई महामार्ग को जोड़ेगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी, एमएमआरडीए महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी, अतिरिक्त महानगर आयुक्त अश्विन मुदगल सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिकायतों का समाधान 21 दिन में करना अनिवार्य

मुंबई। नगर विकास विभाग की तरफ से गुरुवार को जारी परिपत्र में कहा कि आपले सरकार पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समाधान 21 दिन में किया जाए। तय समय में कार्रवाई नहीं करने वाले संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस फैसले से आम आदमी की शिकायतों के समाधान में देरी करने वाले अधिकारियों पर लगाम लगेगी। राज्य के नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने और प्रशासन को ऐसी शिकायतों को ऑनलाइन हल करने के लिए सभी 36 जिलों में मंत्री विभागों के साथ-साथ आपले सरकार शिकायत निवारण प्रणाली लागू की गई है। इस शिकायत निवारण प्रणाली का उद्देश्य राज्य के नागरिकों को एक ही स्थान पर अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करने और उनका समाधान करने में सक्षम बनाना है। आम लोगों की शिकायतों के समाधान की जिम्मेदारी से अक्सर वरिष्ठ अधिकारी बचते रहे हैं।

श्रम मंत्री से मिला फिल्म कलाकारों का प्रतिनिधि मंडल

महानगर संवाददाता
मुंबई

मशहूर फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने श्रम मंत्री आकाश फुंडकर से मुलाकात की इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने फिल्म उद्योग में कलाकारों, टेक्नीशियनों और श्रमिकों के अधिकारों और सुरक्षा तथा श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस दौरान रात में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा,श्रम और पारिश्रमिक, फिल्म उद्योग में असंगठित श्रमिकों और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में बेरोजगार कलाकारों के लिए न्याय के मुद्दे पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए श्रम मंत्री ने कहा कि फिल्म उद्योग में काम करने वाले कलाकार,कर्मचारी और टेक्नीशियन के सुरक्षा और उनके वेतन का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

महाराष्ट्र को जल्द मिलेगा नया सीएस

30 जून को मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्ति हो रही हैं सुजाता सौनिक

महानगर संवाददाता
मुंबई

राज्य को जल्द नया मुख्य सचिव मिलने वाला है, क्योंकि आने वाले 30 जून को मुख्य सचिव पद कार्यरत सुजाता सौनिक सेवानिवृत्त (रिटायर) हो रही है। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार मीणा का नाम तय माना जा रहा है,क्योंकि वे सबसे वरिष्ठ अधिकारी है। इसलिए सरकार ने मीणा को मुख्य सचिव बनाने का निर्णय लिया है। राजेश कुमार मीणा अगर मुख्य सचिव बनते हैं तो उनका कार्यकाल सिर्फ दो महीने के लिए होगा वे अगस्त

2025 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ अजित पवार भी मुख्य अतिरिक्त सचिव गृह इक़बाल सिंह चहल को मुख्य सचिव बनान चाहते हैं, लेकिन वरिष्ठ होने कारण राजेश कुमार मीणा को बनाना पड़ेगा ।

मीणा की दावेदारी मजबूत

वैसे तो नए मुख्य सचिव पद को लेकर कई आईएएस अधिकारी रेस में है इसमें मुंबई मनपा के पूर्व आयुक्त इक़बाल सिंह चहल,मनपा आयुक्त भूषण गगरानी लेकिन राजेश कुमार मीणा की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है, क्योंकि मीणा वरिष्ठ होने के साथ -साथ अनुभवी अधिकारी है।

मीणा महत्त्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां निभा चुके हैं

वरिष्ठ आईएएस और 1988 बैच के अधिकारी राजेश कुमार मीणा मौजूदा समय में अतिरिक्त मुख्य सचिव रेवेन्यू एवं फॉरेस्ट विभाग की पर कार्यरत हैं। राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले मीणा सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से भाजपा सांसद जसकौर मीणा के दामाद हैं, राजेश कुमार मीणा अपने कामकाज के लिए विशेष पहचान बना चुके हैं। दो दर्जन से ज्यादा महत्त्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

ये भी हैं दावेदारों में शामिल

राजेश कुमार: यद्यपि वरिष्ठता के मामले में कुमार सबसे वरिष्ठ हैं, लेकिन वे अगस्त 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनका कार्यकाल केवल दो महीने का होगा। इकबाल सिंह चहल: चहल भी मुख्य सचिव बनने के लिए उत्सुक बताए जा रहे हैं। ऐसा दावा किया जा रहा है कि वह भी पूरा जोर लगा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस के करीब जाने की कोशिशें भी शुरू कर दी हैं।

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिकल पावर कार्य

वरि.डीईई/पी/बीसीटी द्वारा निविदा सूचना क्रमांक : ईएल-81-908-डब्ल्यूए-10 (आर), दिनांक : 23.06.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य व स्थान : धुले-नरदाणा नई रेललाइन परियोजना के अंतर्गत नरदाणा यार्ड पुनर्रचना से संबंधित विद्युत (पावर) कार्य. कार्य की अनुमानित लागत : ₹83,58,895/-, ईएमडी : ₹ 1,67,200/-, निविदा जमा करने की तिथि एवं समय : 18.07.2025 को 15.00 बजे तक, निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 18.07.2025 को 15.30 बजे, अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें. 0323

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मुंबई में चार नए बड़े और छोटे पम्पिंग स्टेशन बनाए जाएंगे

महानगर संवाददाता
मुंबई

मानसून अपना रंग तेजी से बढ़ल रहा है। मुंबई में कुछ घंटों में ही भारी बारिश हो सकती है। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुंबई में कुछ घंटों में ही 100 मिमी से अधिक बारिश हो जा रही है, जिससे मुंबईकरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसी के चलते मुंबई का नया मास्टर प्लान तैयार करने का निर्णय लिया गया है।

मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने मुंबई में हर घंटे 100 मिमी से अधिक बारिश के पानी की निकासी करने के लिए एक नया मास्टर प्लान तैयार करने का निर्देश मनपा प्रशासन को दिया है। उन्होंने कहा की इस प्रोजेक्ट के लिए लगने वाला खर्च केंद्र सरकार की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से मुंबई को अतिरिक्त फंड मिलेगा।

शेलार की अध्यक्षता में हुई बैठक

मुंबई में बाढ़ की स्थिति और पानी निकासी से जुड़ी योजनाओं को लेकर शेलार की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें मनपा अतिरिक्त आयुक्त विपिन शर्मा, अमित सैनी, अभिजीत बांगर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। मुंबई में वर्ष 2017 में कुल 26 दिन और वर्ष 2024 में 21 दिन बारिश हुई एक घंटे में 100 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज थी। मनपा के अध्ययन में सामने आया कि मुंबई में हर साल औसतन 16 से 20 दिन भारी बारिश होती है और इन दिनों में एक घंटे में 100 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज होती है। वर्ष 2014 से 2019 के बीच कई बार एक घंटे में 131 मिमी तक बारिश दर्ज हुई। इस साल 26 मई को एक घंटे में 182 मिमी बारिश दर्ज की गई। 26 जुलाई 2005 को मुंबई में 16 घंटे में करीब 1000 मिमी बारिश हुई थी यानी प्रति घंटे 139 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। उस समय समुद्र में ज्वार के कारण भारी बाढ़ आई थी। फिलहाल मुंबई में बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था प्रति घंटे 55 मिमी बारिश के हिसाब से की गई है जो 26 जुलाई 2005 के जल प्रलय के बाद गठित चितले समिति की सिफारिश पर तैयार की गई थी। अब बढ़ती बारिश को देखते हुए इस क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है। इस दिशा में मनपा चार नए पंपिंग स्टेशन बनाएगी।

मुंबई के लिए ऐसी योजना बनाएं, जिससे100 मिमी से अधिक वर्षा जल की निकासी हो सके

साल 2028 तक सभी परियोजनाएं होगीं पूरी

- मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिया अधिकारियों को निर्देश
- बोरीवली से ठाणे डबल टनल परियोजना का काम जल्द होगा शुरु

मुंबई। राज्य में अब से कोई भी आधारभूत सुविधा परियोजना लंबित नहीं रहनी चाहिए और सभी परियोजनाएं आगामी तीन वर्षों में पूरी की जानी चाहिए। गुरुवार को विधान भवन में आयोजित बोरीवली से ठाणे डबल टनल परियोजना की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सम्बंधित अधिकारियों को ऐसा निर्देश दिया है। फडणवीस ने कहा कि इस डबल टनल परियोजना में प्रभावित नागरिकों का स्थायी पुनर्वास अनिवार्य है और परियोजना को दिसंबर 2028 तक हर हाल में पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री फडणवीस की महत्वाकांक्षी बोरीवली से ठाणे तक बनने वाली टनल परियोजना के काम को तीन साल के भीतर पूरा करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है। इसके लिए उन्होंने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने की कार्रवाई तुरंत शुरू करने की बात कही है। परियोजना निर्माण हेतु वन विभाग की द्वितीय चरण की अनुमति तथा रात्रिकालीन कार्य की अनुमति भी प्राप्त की जाए। बोरीवली की ओर कार्य में तेजी लाने और वहां के परियोजना प्रभावितों के पुनर्वसन के लिए एक विशेष अभियान चलाकर एक माह में कार्रवाई पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि टनल परियोजना के प्रभावित नागरिकों को किराया देकर अथवा अन्य गृहनिर्माण परियोजनाओं में पुनर्वसित करने के लिए संबंधित अधिकारी की नियुक्ति की जाए और वह अधिकारी एक महीने के भीतर कार्यवाही पूरी करें, बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,मुख सचिव सुजाता सौनिक, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने प्रेजेंटेशन दिया।

मुंबई में शुक्रवार, रविवार और सोमवार को येलो अलर्ट

मुंबई। रुक-रुक कर मुंबई में बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को मानसून की जानकारी दी है कि अगले तीन दिन शुक्रवार, रविवार और सोमवार को मुंबई में येलो अलर्ट जारी है। आईएमडी की कुलाबा वेधशाला ने जून महीने में औसत बारिश का आंकड़ा गुरुवार को ही पार कर लिया है। जबकि महीना खत्म होने में अभी चार दिन शेष हैं। कुलाबा में अब तक 548.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है,जबकि जून महीने का औसत 542.3 मिमी है। आमतौर पर ज्यादा बारिश दर्ज करने वाली सांताक्रूज वेधशाला में अब तक 478.9 मिमी बारिश हुई है, जो औसत 537.1 मिमी से थोड़ी कम है। इस साल जून महीने में कुलाबा में अधिक बारिश का कारण यह रहा कि कई दिनों में लगातार तीन अंकों में बारिश हुई। हालांकि महीने की शुरुआत में कुछ दिनों तक बारिश नहीं हुई थी लेकिन 16 जून की सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों में कुलाबा में 100.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद 18 और 19 जून को लगातार बारिश हुई जिसमें कुलाबा में 142.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।

पश्चिम रेलवे

सबवे पर पंपिंग व्यवस्था की आपूर्ति

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा सूचना क्रमांक : बीसीटी/25-26/97, दिनांक : 23.06.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य व स्थान : उकाई सोनगढ - जलगांव-अनुभाग में मानसून 2025-26 के लिए एडीईएन-अमलनेर अनुभाग के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 119, 122, 127, 129, 133, 137, 138, 139, 142, 145, 147 और 152 के स्थान पर प्रदान किए गए सबवे पर पंपिंग व्यवस्था की आपूर्ति (कुल 12 नग एलएचएस). कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 14,10,912/-, ईएमडी : ₹ 28,200/-, जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 16.07.2025 को 15.00 बजे तक. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 16.07.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें. 0324

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निरीक्षण क्रैडल का मेटलाइजिंग कार्य

उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन), पश्चिम रेलवे, दादर द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है. ई-निविदा सूचना क्रमांक : डीवाईसीई-बीआर-डीडीआर-2025-11, कार्य का नाम : मुंबई मंडल के एडीईएन/बी/वलसाड के क्षेत्राधिकार में उधना - जलगांव अनुभाग में ब्रिज क्र. 105 डाउन के गर्डर तथा ब्रिज क्र. 240 तथा 351 डाउन के ट्रॉली रिफ्युज तथा 17, 52-ए, 134, 288, 314, 351 अप/डाउन तथा 31, 76, 94, 105, 112, 131, 151, 163, 226, 240, 257, 292, 324, 333, 353 डाउन तथा 200 एम, 200 एल और सफाले - सूरत अनुभाग में ब्रिज क्र. 166, 169, 192, 368, 387, 405, 411, 419, 428 तथा 442 अप/डाउन तथा 163, 228, 275, 287, 304, 332 अप के साइड पाथवे, पाथवे के भीतर, इंस्पेक्शन क्रेडल की मेटलाइजिंग. कार्य की अनुमानित लागत : ₹3,46,37,638.16/-, जमा करने योग्य बयाना राशि : ₹ 3,23,200.00/-, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 22.07.2025 को 15.00 बजे तक, खोलने की तिथि एवं समय : 22.07.2025 को 15.30 बजे, अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें. 0322

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं जतन अधिनियम 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित अनुसार) की धारा 8 (3) (क) अंतर्गत प्रावधानों के अनुपालन में **परिमंडल - IV** में **के/पश्चिम** वार्ड से 03 प्रस्ताव, **पी/दक्षिण** वार्ड से 02 प्रस्ताव अर्थात प्रभावित वृक्षों के निष्कासन हेतु **कुल 05 प्रस्ताव,** मान. मनपा आयुक्त एवं चेयरमैन, वृक्ष प्राधिकरण/मनपा वृक्ष प्राधिकरणकी मंजूरी के लिये प्राप्त हुये हैं.

उपरोक्त निर्दिष्ट प्रस्तावों के अंतर्गत वृक्षों की कटाई/पुनर्रोपण करने बाबत विस्तृत जानकारी म.न.पा. की वेबसाइट - www.mcgm.gov.in > About BMC > Wards / Departments > Department manuals > Gardens & Tree Authority > Documents > **Notice 7 days -TA-WS-ZIV-85** अंतर्गत उपलब्ध है.

उपरोक्त निर्दिष्ट प्रस्तावों हेतु नागरिकों से आपत्तियां/सुझाव, यदि है, उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में उक्त सूचना प्रकाशन तिथि से **7** दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जाते हैं.

आप निर्धारित प्रारूप में अपने सुझाव/आपत्तियां उक्त **ईमेल आईडी** -dysg.ta@mcgm.gov.in पर भी जमा कर सकते हैं. निर्धारित समय में निर्धारित प्रारूप में प्राप्त आपके सुझाव/आपत्तियों पर ही विचार किया जायेगा. उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त ईमेल्स अथवा लिखित सुझाव/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा. आपत्तियों/सुझावों हेतु सुनवाई उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में **दि. 09.07.2025 को सायं. 4.30 बजे से सायं. 5.00 बजे** तक आयोजित की जायेगी. जो व्यक्ति उक्त सुनवाई में उपस्थित रहना चाहते हैं, वे अपने ईमेल, सुझावों/आपत्तियों की एक प्रति के साथ उपस्थित रह सकते हैं.

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण का कार्यालय, पेंग्विन बिल्डिंग, 2री मंजिल,
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान, भायखला (पू), मुंबई - 400 027
टेली. नं. 022-23742162
ईमेल : dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता./-
पीआरओ/807/विज्ञा./2025-26 — उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

जहां तक संभव हो घर पर तैयार ताजे खाद्य पदार्थ ही खायें

म्हाडा के दूसरे जनता दरबार में 27 मामलों का हुआ निपटारा

महानगर संवाददाता
मुंबई

म्हाडा के इमारत मरम्मत और पुनर्निर्माण मंडल की ओर से गुरुवार को दूसरे जनता दरबार में 27 शिकायतों पर सुनवाई की गई। जनता दरबार में मुख्य अधिकारी मिलिंद शंभरकर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए और आवेदकों की लंबित मांगों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। राज्य सरकार के निर्देश पर म्हाडा के सभी विभागीय मंडलों को 100 दिनों के सात सूत्रीय कार्य योजना के अंतर्गत 'नागरिकों की शिकायतों का समाधान' इस महत्वपूर्ण बिंदु को प्रभावी तरीके से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। जनता दरबार में पुनर्विकास के लिए गई इमारतों में मूल किराएदारों और निवासियों के नाम हटाए जाने, विकासकर्ता द्वारा किराया न मिलने, पुनर्विकास के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र लंबित रहने, संपत्ति स्थानांतरण के समय अन्य वारिसों की अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने, वारिस के रूप में नाम दर्ज करने, म्हाडा सर्वेक्षण के बाद किराएदार या निवासी होने का प्रमाण पत्र देने जैसी समस्याओं पर शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी आवेदकों की समस्याएं सहानुभूति से सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

निविदा सूचना क्र. ईई/पूर्व/एमएसआईबी/ई-निविदा/यूई/04/2025-26

कार्यकारी अभियंता (पूर्व) डिवीजन, मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), कमरा नं. 536, 4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 फोन नंबर (022) 66405251 द्वारा मुंबई उपनगर जिला में समुचित श्रेणी में म्हाडा/पीडब्ल्यूडी के साथ पंजीकृत बेरोजगार अभियंताओं से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से बी-1 प्रपत्र (प्रतिशत दर) में **06** कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. विस्तृत निविदा सूचना तथा निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल **https://mahatenders.gov.in** पर उपलब्ध हैं और यहां से डाउनलोड किये जा सकते हैं. बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किये जा सकते हैं. निविदा दस्तावेज बिक्री की आरंभिक तिथि 01.07.2025, सुबह 10.05 बजे से है तथा निविदा दस्तावेज बिक्री की अंतिम तिथि 08.07.2025, सायं. 6.15 बजे तक है. शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि है, तो उसे केवल **https://mahatenders.gov.in** वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा. सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अथवा सभी निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/530

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
एम. एस. आई. बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा - गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
कस्तूरबा अस्पताल
साने गुरुजी मार्ग, मुंबई - 400011
क्रमांकः एचओ/2394/केएच दिनांक 23.06.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त की ओर से तथा उनके लिए कस्तूरबा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है.

अ.क्र.	बोली क्र.	वस्तु का नाम	मात्र
1	2025_एमसीजीएम_1192394_1	कस्तूरबा अस्पताल हेतु 2 मीटर ऊंचाई x 3.75 मीटर चौड़ाई वाले स्पोरिसाइडल एंटीमाइक्रोबियल परदों की ई-निविदा खरीद	मात्रा के बिल के अनुसार (बीओक्यू)

बोली आरंभ तिथि व समय : 27.06.2025 को 10:00 बजे से
बोली समाप्ति तिथि व समय : 07.07.2025 को 16:00 बजे तक

संपर्क अधिकारी : डॉ. चंद्रकांत पी. पवार, चिकित्सा अधीक्षक, कस्तूरबा अस्पताल
दूरभाष क्रमांक : 022-23027769 ई-मेल : ms01kasturba.phd@mcgm.gov.in

बोलियां, निर्धारित प्रक्रिया अनुसार ऑनलाइन ही जमा की जाएं. संपूर्ण ई-निविदा दस्तावेज महाटेंडर पोर्टल https://mahatenders.gov.in/ पर उपलब्ध हैं.

हस्ता./-
चिकित्सा अधीक्षक
कस्तूरबा अस्पताल

पीआरओ/806/विज्ञापन/2025-26

बुखार ? तत्काल कदम उठाईये, सही और सम्पूर्ण उपचार के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करिये

विश्वास के काबिल नहीं ट्रंप

कुछ दिनों के भीषण युद्ध के बाद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष विराम हो गया। कहना मुश्किल है कि यह संघर्ष विराम कितने समय तक टिकेगा? ईरान पर हमला बोलते समय इजरायल ने यह कहा था कि उसका उद्देश्य ईरानी परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना है। उसे कुछ आरंभिक सफलता भी हासिल हुई। उसके अचानक हमले में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु विज्ञानी मारे गए। शुरुआती सफलता के बीच इजरायल ने कहना शुरू कर दिया कि हमले के पीछे उसके उद्देश्य बड़े हैं और एक उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन का भी है। ईरान की सत्ता उन कट्टर मजहबी नेताओं के कब्जे में है, जो हमास-हिजबुल्ला का साथ देते हैं। इजरायल के समर्थन में अमेरिका के कई ताकतवर नवरूढ़िवादी सांसदों की आवाज भी उठने लगी। शुरुआत में अमेरिका इस लड़ाई में कूदने से हिचक रहा था,पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घिरे इजरायल की मदद के लिए आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी वायु सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश देने ही पड़े। इसके बावजूद ईरानी परमाणु कार्यक्रम के पूरी तरह ध्वस्त होने को लेकर संदेह है। वैसे भी ईरान की मिसाइल क्षमता आशा से कहीं अधिक निकली। युद्ध लंबा खिंचने पर इजराइल में कहीं अधिक बर्बादी हो सकती थी। इसी कारण ट्रंप ने आनन-फानन युद्ध विराम का एलान भी कर दिया और वह भी अपने व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना, क्योंकि न तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो पाया और न ही वहां सत्ता परिवर्तन के कोई आसार दिख रहे। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि इजरायल और ट्रंप के मागा (मेक अमेरिकी ग्रेट अगेन) खेमे ने यह योजना सदा के लिए छोड़ दी है। सही मौका देखकर इसे फिर से क्रियान्वित करने का प्रयास होगा। वैसे तो अमेरिका को 'फिर से महान बनाने के अभियान' में लगा ट्रंप प्रशासन ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए किसी जमीनी युद्ध में नहीं उलझना चाहता, परंतु उसके इरादों को देखते हुए भारत को सतर्क होना होगा। भारत को सामरिक दृष्टिकोण से भी इस युद्ध के निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान व्हाइट हाउस में ट्रंप की ओर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की आवभगत का एक गहरा अर्थ है। जब मुनीर व्हाइट हाउस में थे, लगभग उसी समय अमेरिकी मदद से सत्तासीन बांग्लादेश की भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिल रहे थे। दरअसल ट्रंप की मागा योजना के अंतर्गत अमेरिका का नए सिरे से जो उद्योगीकरण प्रस्तावित है, वह बिना चीन और रूस के पर कतरे और भारत को तंग किए बिना संभव नहीं है। इस योजना को सिरे चढ़ाना उतना आसान नहीं है,क्योंकि भूमंडलीकरण के नाम पर अमेरिका ने ही अधिक मुनाफा कमाने के फेर में अपनी कंपनियों को चीन,वियतनाम जैसे देशों में स्थापित कराया। अब जब तक इन देशों में अमेरिकी कंपनियों के लिए उत्पादन के मोर्चे पर चुनौतियां नहीं दिखतीं, तब तक उनकी स्वदेश वापसी मुश्किल है। फिर भी अपनी योजना को लेकर अमेरिकी नवरूढ़िवादियों और ट्रंप के कथित युद्धविरोधी मागा खेमे में एक राय है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दो तरीके चुने गए हैं। पहला तरीका है ट्रेड और टैरिफ नीति के जरिये रूस, चीन के साथ-साथ भारत का भी आर्थिक संकट बढ़ाना। दूसरा तरीका है कट्टरपंथी इस्लामिक शक्तियों का अपने हित में इस्तेमाल करना। ट्रंप के चीनी वस्तुओं पर लगाए गए भारी टैरिफ के चलते चीन का अमेरिका को निर्यात काफी घटा है। यदि यह सिलसिला लंबे समय तक चला और चीन ने अपने निर्यात के लिए नए बाजार नहीं तलाशे तो वहां बड़ा औद्योगिक और सामाजिक संकट खड़ा हो सकता है। भारत चीन के विरुद्ध एक तरह से अमेरिका का सामरिक साझेदार है, लेकिन ट्रंप मात्र इतने से संतुष्ट नहीं। उन्हें भारत के रूप में एक लोकतांत्रिक मित्र राष्ट्र नहीं, बल्कि उनके हिसाब से चलने वाला देश चाहिए। भारत के अमेरिका के बताए रास्ते पर चलने से साफ इन्कार करने के बाद अब यह अमेरिका के एजेंडे में नहीं दिखता कि उसकी मदद से भारत चीन जैसी आर्थिक शक्ति बनकर खड़ा हो। यह अच्छा हुआ कि भारत ने साफ कर दिया कि उसे अमेरिका से व्यापार समझौते की जल्दी नहीं। ट्रंप ने हाल में यह भी कहा था कि भारत एक बड़ा देश है और वह अपने मसले खुद देख लेगा। ध्यान रहे एक अमेरिकी सीनटेर रूसी तेल खरीदने के चलते भारत पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की वकालत कर चुके हैं। पाकिस्तान को शह देते ट्रंप भी भारत-पाकिस्तान सीजफायर के मुद्दे को भी जब तब व्यापार से जोड़ते रहते हैं। इसके पीछे उनका भारत के लिए यही संदेश है कि अगर टैरिफ जैसे मुद्दों पर भारत ने अमेरिका की बात नहीं मानी तो उसे पाकिस्तान के मोर्चे पर और दिक्कतें झेलनी पड़ेंगी। यदि बांग्लादेश में भी अमेरिका लगातार इस्लामिक कट्टरपंथियों को बढ़ावा दे रहा है तो भारत को परेशान करने के लिए ही। इन परिस्थितियों में रूसी विदेश मंत्री द्वारा प्रस्तावित रूस, चीन और भारत का त्रिकोण अब प्रासंगिक लगता है। चीन भी अब इसे लेकर सजग हो रहा है। भारत और चीन के रिश्तों में बर्फ पिघलती देखी जा सकती है। हाल में शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के बाद आए चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में उल्लेख हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी न होकर साझेदार हैं। जहां अमेरिकी टैरिफ के चलते चीन को एक बड़े बाजार की आवश्यकता है, वहीं भारत को त्वरित औद्योगिक विकास के लिए सस्ते कलपुर्जों की। दोनों देश एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके बावजूद भारत को अपने सुरक्षा हितों के मामले में चीन को लेकर निरंतर सजग रहते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि सीमा विवाद जैसे मुद्दों पर पूर्व में चीन से बार-बार धोखा मिल चुका है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन के साथ आर्थिक साझेदारी भारत के औद्योगिक विकास में सहायक हो और वह चीन पर निर्भरता का कारण न बने।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

जातिवाद में खींचकर, कथा हुई बदनाम।
राजनीति हावी हुई,देश बचाओ राम।
देश बचाओ राम, पेंच है बहुत निराला
रामभक्त पर गोली कौन चलाया लाला
कह सुरेश सत्ताश की ये है तैयारी
बलबला रहे हैं देखो सब भ्रष्टाचारी

बिहार में जीत के लिए कांग्रेस फिर से काठ की हांडी के भरोसे

इतने चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस को यह समझ नहीं आया है कि आखिर देश के मतदाता चाहते क्या हैं। मतदाताओं की जरूरतों को समझने के बजाए कांग्रेस सत्ता प्राप्ति के लिए काठ की हांडी को बार-बार चढ़ाने के प्रयास में मात खा रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों से यही लगता है कि कांग्रेस के पास मुद्दों की या समझ की कमी हो गई है। कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जीवाड़े का आरोप लगा रही है।

लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव और कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने से भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं सीखा है। देश में भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दे उठाने के बजाए पुराने गढ़े मुर्दे उखाड़ कर अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करने की नाकाम कोशिशों में जुटी हुई है। देश की सबसे पुरानी पार्टी को देश के मतदाताओं की नब्ज पकड़ में नहीं आई है। इतने चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस को यह समझ नहीं आया है कि आखिर देश के मतदाता चाहते क्या हैं। मतदाताओं की जरूरतों को समझने के बजाए कांग्रेस सत्ता प्राप्ति के लिए काठ की हांडी को बार-बार चढ़ाने के प्रयास में मात खा रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों से यही लगता है कि कांग्रेस के पास मुद्दों की या समझ की कमी हो गई है। कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जीवाड़े का आरोप लगा रही है। आश्चर्य यह है कि यही कांग्रेस जब कर्नाटक,हिमाचल और तेलंगाना में चुनाव जीती तब निर्वाचन प्रक्रिया पर ऐसे आरोप नहीं लगाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर फिर एक बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने 5 स्टेप में महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग की बात कही है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए उनके सभी दावों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने एक अग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए भाजपा पर आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनावों में मैच फिक्सिंग की गई और अब कुछ ऐसा ही बिहार में दोहराया जाएगा। राहुल गांधी ने अपने इस लेख को सोशल मीडिया पर शेयर किया। राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। कांग्रेस नेता ने यह कहा कि महाराष्ट्र की तरह की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। राहुल गांधी के इस आरोप पर भाजपा के साथ-साथ जदयू, हम सहित अन्य दलों ने भी कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रतिक्रिया दी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी द्वारा 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट करार दिये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता कई चुनाव में हार से दुखी और हताश है और इसलिए विचित्र साजिशें रचने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी को यह नहीं पता कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता है। लेकिन उनका मकसद स्पष्टता नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। जेडीयू नेता के सी त्यागी ने कहा कि चुनाव आयोग का जितना दुरुपयोग कांग्रेस ने अपने जमाने में किया है उतना किसी ने नहीं किया। मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को सांसद बनाया और मंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां रही हैं पिछड़ों और वंचितों को लेकर उसके चलते उनके वोटो पर पहले ही चोरी नहीं बल्कि डाका पड़ चुका है। त्यागी ने कहा कि बिहार चुनाव से पहले ही राहुल गांधी हार मान चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर लंबा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोडऩे वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अनादर है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि महाराष्ट्र में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 6.41 करोड़ मतदाताओं ने वोट दिया। अर्थात हर घंटे औसतन 58 लाख वोट पड़े। इस लिहाज़ से आखिरी दो घंटों में 116 लाख वोट पड़ सकते थे। जबकि आखरि़ी दो घंटों में केवल 65 लाख वोट पड़े जो औसत से काफी कम था। आयोग ने तब कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, 2024 से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की ओर से कोई शिकायत नहीं थी। गौरतलब है कि इससे पहले कांग्रेस ईवीएम मशीनों से वोटिंग के बजाए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर चुकी है। कांग्रेस का आरोप था कि ईवीएम मशीनों में हेराफेरी की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2024 में कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इन याचिकाओं में चुनाव के दौरान सभी ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों का मिलान वोटर-वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल स्लिप से करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाओं को खारिज करते हुए सीजेआई खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने बैलेट पेपर सिस्टम पर वापस लौटने की याचिकाकर्ताओं की मांग को कमजोर, प्रतिगामी और अनुचित बताया था। बेंच ने फैसला सुनाया था कि ईवीएम सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं। चुनाव हो जाने के करीब एक साल बाद महाराष्ट्र में चुनावी धांधलियों का आरोप लगाने पर यही माना जाएगा कि कांग्रेस गफलत में हैं। यदि चुनावों में गड़बड़ी की शिकायतें हैं भी तो इन्हें अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। कांग्रेस को शायद अंदाजा है कि अदालतों में उसके लगाए आरोप टिक नहीं पाएंगे। सवाल यह भी है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बेईमानी का मुद्दा उठाने वाली कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में जीतने के बाद चुप क्यों रही। कांग्रेस ने इन तीनों राज्यों में फिर से मतदान कराने या चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप क्यों नहीं लगाया। कांग्रेस मौजूद ज्चलंत मुद्दों पर शायद भाजपा का सामना नहीं कर सके, यही वजह है कि ऐसे पुराने घिसे-पिटे मुद्दे उठा कर बिहार चुनाव जीतने की कवायद में जुटी हुई है।

- योगेन्द्र योगी

ईरान और इजरायल युद्ध में कौन जीता ?

ईरान और इजरायल के आकाश में अब शांति के बादल मंडरा रहे हैं। मिसाइलों की बारिश और लड़ाकू विमानों की आवाजें अब नहीं आ रही हैं। लेकिन जमीन पर मलबा ही मलबा है। दोनों देशों को भारी नुकसान हुआ है। युद्ध में कौन जीता,कौन हारा,कौन जीतकर भी हार गया। ये सब बातें बहस की हैं, लेकिन आम नागरिकों को सिर्फ और सिर्फ नुकसान हुआ है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं, हजारों को अपने घर छोड़कर कहीं और भागना पड़ा है,सैकड़ों लोग मारे गये हैं, हजारों घायल हैं। ईरान खुद को विजेता बता रहा तो इजरायल ने अपने गले में जीत की माला पहन ली है। डोनाल्ड ट्रंप खुद को असली चौधरी बता रहे हैं, लेकिन आंकड़ों को देखने के बाद ही अंजाम पर पहुंचना चाहिए कि असल में कौन जीता है, कौन हारा है, किसे कितना नुकसान हुआ है और इस युद्ध का आगे जाकर क्या असर होने वाला है। गौरतलब है कि इज़राइल ने 13 जून की रात को ईरान पर एक आश्चर्यजनक हवाई हमला किया, जिससे मध्य पूर्व में एक नया युद्ध शुरू हो गया, जिसमें दोनों देशों ने एक-दूसरे पर घातक हमले किए, जिसमें कोई भी शुरुआती संघर्ष में पीछे हटने को तैयार नहीं था। युद्ध ने केवल रॉकेट दागे और मिसाइलों का विनाश।नागरिक चीखें और सैन्य ठिकानों की राख बनी रही। ईरान ने तेल अवीव जैसे प्रमुख इजरायली शहरों को निशाना बनाया, जबकि इजरायल ने ईरानी कमांड और परमाणु संरचनाओं को नष्ट करने के लिए अपनी सारी ताकत का इस्तेमाल किया। तीन ईरानी परमाणु रिएक्टरों पर अमेरिकी हमले के बाद, ईरान ने कतर में एक अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। इसने मध्य पूर्व में राजनीति और सुरक्षा को हिला दिया। दोनों देशों के बीच संघर्ष कोई सामान्य संघर्ष नहीं था। इस युद्ध में दोनों देशों ने अपने पास मौजूद सबसे घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इससे दोनों देशों में भारी तबाही हुई। युद्ध मिसाइलों और ड्रोन तक ही सीमित नहीं था,बल्कि साइबर

हमले, परमाणु ठिकानों और सैन्य ठिकानों पर हमले भी थे और ईरान को इसका सबसे बड़ा नुकसान हुआ। 13 जून को, इज़राइल ने "राइजिंग लायन" नामक एक गुप्त ऑपरेशन के हिस्से के रूप में ईरान के कई सबसे महत्वपूर्ण सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 200 ईरानी सैनिक,तकनीशियन, वैज्ञानिक और वरिष्ठ रिवोल्यूशनरी गार्ड अधिकारी मारे गए, जिनमें कुछ वरिष्ठ वैज्ञानिक भी शामिल थे, और कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। मृतकों में 380 नागरिक और 253 सुरक्षा बल के जवान थे। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायल के हमले में लगभग 400 ईरानी मारे गए और 3,056 घायल हुए। इजरायल के हमले में कई ईरानी सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक, नागरिक और IRGC प्रमुख मारे गए। तेहरान के उत्तर में 100,000 से अधिक लोग भाग गए। युद्ध से पहले, ईरान की अर्थव्यवस्था 3। 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी। युद्ध के कारण विकास 0। 3 प्रतिशत तक गिर गया, उन्होंने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था का 60 प्रतिशत तेल और गैस निर्यात से आता है। 12 दिनों के हमले ने तीन प्रमुख तेल रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया, उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत की कमी आई और लगभग 10 बिलियन डॉलर का निर्यात नुकसान हुआ। ईरान ने इजरायल पर हजारों घातक हमले किए, उनमें से ज्यादातर इजरायल की मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों आयरन डोम, डेविड स्लिंग और एरो सिस्टम द्वारा हवा में नष्ट कर दिए गए। हालांकि, कुछ मिसाइलें और ड्रोन आवासीय क्षेत्रों में गिर गए, जिससे इजरायल को काफी नुकसान हुआ। अस्पताल, आवासीय भवन, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को बड़ा नुकसान हुआ था। हजारों लोग अस्थायी रूप से बेघर हो गए थे। वहीं, ईरान के मिसाइल हमलों के कारण इजरायल के वीजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसे इस्रायल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। क्योंकि इजरायल में यहां कई बड़ी प्रयोगशालाएं थीं। वहां महत्वपूर्ण शोधकर्ता काम कर रहे थे। ईरान के मिसाइल हमले में इजरायल में करीब 25 से 30 लोग मारे गए थे। तेल अवीव और हाइफा में कुल 24 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। ईरान के हमले में इस्रायल में २०० से अधिक लोग घायल होने की बात कही जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि युद्ध के दौरान इजरायल ने एक दिन में $ 725 मिलियन खर्च किए। यह एक बहुत महंगा युद्ध निकला। अगर संघर्ष कुछ और दिनों तक जारी रहता, तो कुल लागत प्रति माह $ 12 बिलियन तक पहुंच जाती। इसके अलावा, इज़राइल को आवासीय भवनों, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा, हजारों बेघर हो गए, प्रभावित तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और गैस क्षेत्रों को प्रभावित किया, उत्पादन, यात्रा और व्यापार रोक दिया। युद्ध के अंत में, ईरान ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदेद पर मिसाइल हमले के साथ दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे ईरान ने फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के जवाब में अंजाम दिया।हालांकि, बाद में यह कहा गया कि ईरान ने कतर और संयुक्त राज्य अमेरिका को हमले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था, जिससे यह सवाल उठ गया कि यह किस तरह का हमला था। कतर में अमेरिकी हवाई अड्डे पर ईरान का हमला केवल प्रतीकात्मक था। जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए यह जानकारी पहले ही दे दी गई थी। ईरान की अधिकांश मिसाइलें नष्ट हो गईं और कोई हताहत नहीं हुआ। अमेरिकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में ईरान ने यह हमला किया।

- अशोक भाटिया

बंद हो असहमति को अपराध बनाना

संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। असहमति और लोकतंत्र का सह अस्तित्व है और दोनों साथ-साथ चलते हैं। इसी तरह के सवाल उठाते हुए वकीलों, कानून के छात्रों और कानूनी पेशेवरों के समूह नेशनल अलायंस फॉर जस्टिस, अकाउंटेबिलिटी एंड राइट्स (एनएजेएआर) के छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अधिसूचना संख्या एफ-4-101/होम-सी/2024 दिनांक 30 अक्टूबर, 2024 के माध्यम से छत्तीसगढ़ विशेष सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम, 2005 (सीएसपीएसए) के तहत मूलवासी बचाओ मंच (एमबीएम) को "गैरकानूनी संगठन" घोषित करने का विरोध किया है। यह प्रतिबंध संघ बनाने की स्वतंत्रता के अधिकार पर सीधा और खतरनाक हमला है और अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों द्वारा शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आयोजन को अपराध मानने की राज्य की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। संवैधानिक अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध वकीलों और कानूनी पेशेवरों के रूप में अपील की हैं कि तुरंत हस्तक्षेप कर मूलवासी बचाओ मंच पर मनमाने और अन्यायपूर्ण प्रतिबंध को हटाया जाए। जेल में बंद इसके सभी सदस्यों को रिहा करें और कठोर छत्तीसगढ़ विशेष सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम, 2005 को निरस्त करें। यह पत्र 3 मई, 2025 को मूलवासी बचाओ मंच (एमबीएम) के सदस्यों सुनीता पोट्टम और दसरू पोडियाम की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा फिर से गिरफ्तारी के बाद लिखा गया है । उस समय, दोनों पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे. उन्हें पिछले साल अलग-अलग लंबित मामलों में गिरफ्तार किया गया था जो वर्तमान एनआईए जांच से संबंधित नहीं थे। 4 मई को , उन्हें यूएपीए - गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत 2023 के एक मामले के संबंध में पूछताछ के लिए पांच दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया गया था। 9 मई को , उन्हें न्यायिक हिरासत में वापस कर दिया गया। यह वही मामला है जिसके तहत एमबीएम के पूर्व अध्यक्ष रघु मिडियामी को 27 फरवरी, 2025 को गिरफ्तार किया गया था और एमबीएम के दो अन्य सदस्यों- गजेंद्र मडावी और लक्ष्मण कुंजम को 2024 में फंसाया गया था। ये गिरफ्तारियां केवल एमबीएम के साथ उनके संबंध और संवैधानिक रूप से संरक्षित सामाजिक-राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने के लिए व्यक्तियों को कैद करने के एक ठोस प्रयास का संकेत देती हैं। मूलवासी बचाओ मंच (एमबीएम) की स्थापना 2021 के सिलगेर गोलीबारी के बाद हुई थी जिसमें सुरक्षा बलों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे आदिवासी ग्रामीणों पर गोलियां चलाई थीं, जिसमें चार लोग मारे गए थे। उस आघात से उभरकर, एमबीएम ने विरोध के शांतिपूर्ण तरीकों के लिए प्रतिबद्ध आदिवासी युवाओं का एक विकेंद्रीकृत, लोकतांत्रिक मंच बनाया।

- कुमार कृष्णन

आज का कार्टून

साभार

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक,काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई,ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा।किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है। आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होना। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं। अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं।

- उमेश चतुर्वेदी

विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को मिलेगी बड़ी सुविधा !

दिवाली और छठ पर घर लौटने के लिए सरकार करेगी खास इंतजाम

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की एनडीए सरकार ने राज्य से बाहर रहनेवाले लोगों को एक खास सौगात देने जा रही है। जी हां, अक्सर इन लोगों को त्योहारों के मौके पर घर वापस लौटने में तमाम तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन लोगों को राहत दिलाने के लिए,पर्व-त्योहारों में घर आने के लिए एनडीए सरकार बसें चलाएगी। खासकर छठ, होली, दीपावली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के दौरान लोगों को अब ज्यादा परेशानी नहीं उठानी होगी। सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट में यह ऐलान किया है।

कितनी बसों का होगा परिचालन?

सीएम नीतीश कुमार ने अपनी पोस्ट में लिखा- पर्व-त्योहारों में घर आने के लिए एनडीए सरकार बसें चलाएगी। खासकर छठ, होली, दीपावली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के दौरान जो लोग दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल से अपने घरों की ओर प्रस्थान करते हैं, उनकी सुगम व्यवस्था के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में, बिहार से जुड़े अंतर्राज्यीय मार्गों पर 299 ए.सी. और नॉन ए.सी. बसों का परिचालन किया जाएगा।

बसों की खरीद पर कितने रुपये खर्च करेगी सरकार?

24 जून 2025 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है।

ए.सी. बसों का परिचालन भी किया जाएगा

राज्य सरकार 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसों की खरीद पर 105.82 करोड़ रुपए का खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त,सार्वजनिक-निजी भागीदारी के अंतर्गत 150 अतिरिक्त ए.सी. बसों का परिचालन भी किया जाएगा। राज्य सरकार त्योहारों, विशेष रूप से छठ, होली, दीपावली और दुर्गा पूजा के अवसर पर, केंद्र सरकार से और अधिक विशेष ट्रेनों के संचालन का अनुरोध करेगी। इससे त्योहारों के दौरान लोगों को बिहार आने में सुविधा होगी और वे सुगमता से अपने घरों तक पहुंच सकेंगे। प्रदेश के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी सोशल मीडिया एक्स पर सरकार के फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि लोगों को त्योहार के मौके पर घर आने-जाने में सुगमता हो, इस बात का सरकार ख्याल रख रही है और लोगों के लिए बस से आवागमन का इंतजाम भी किया जा रहा है। बता दें कि दिवाली, छठ, होली,दशहरा जैसे त्योहारों पर राज्य से बाहर काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में वापस लौटते हैं। उन्हें ट्रेन में रिजर्वेशन के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब सरकार ने उनकी सुविधा का ध्यान रखते हुए बसों की सुविधा मुहैया कराने का फैसला लिया है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले तेज प्रताप यादव का बड़ा ऐलान

हर रोज शाम को जनता दरबार लगेगा

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने बताया कि अब उनके आवास पर हर रोज शाम को जनता दरबार लगेगा। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले तेज प्रताप के इस ऐलान को काफी अहम माना जा रहा है।

कितने बजे से कितने बजे तक लगेगा जनता दरबार

तेज प्रताप यादव ने किए पोस्ट में लिखा कि जनता का दरबार, जनसमस्याओं का सीधा समाधान,आपके बीच, आपकी आवाज़ बनने के लिए तत्पर, आइए साथ मिलकर रचें बिहार का नया अध्याय,सदैव आपके साथ ,सदैव बिहार के साथ। अब सोमवार

दिनांक 30 जून से 26 एम स्ट्रेड रोड स्थित मेरे आवास से जनता दरबार शाम 6 से 8 बजे तक होगी. तेज प्रताप यादव अभी बिहार विधानसभा की हसनपुर विधानसभा सीट से विधायक हैं।

तेज प्रताप को कल सपा मुखिया ने किया वीडियो कॉल

बता दें कि तेज प्रताप यादव ने जनता दरबार का ऐलान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजावादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से वीडियो कॉल के बाद की। तेज प्रताप ने बुधवार को अखिलेश यादव के साथ वीडियो कॉल का स्क्रीनशॉट शेयर करके लिखा था कि आप से बात करके मुझे ऐसा लग रहा है जैसे कि मैं अपनी लड़ाई में अकेला नहीं हूं।

लालू यादव ने तेज प्रताप को किया है बेदखल

बता दें कि मई के आखिरी हफ्ते में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था. उन्होंने फेसबुक पोस्ट के जरिए बताया था कि वे पिछले 12 साल से अनुष्का यादव के साथ रिश्ते में हैं. तेज प्रताप ने जो पोस्ट शेयर किया था उसमें वह अनुष्का यादव के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे थे।

शिव मंदिर के अंदर पुजारी का मर्डर

5 कट्ठा जमीन के लिए चाकू से गोदकर मारा

पूर्वी चंपारण। पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले में शिव मंदिर के अंदर एक पुजारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वारदात पिपरा थान क्षेत्र की है। राजमार्ग संख्या 28 पर स्थित पिपरा ओवर ब्रिज के पास शिव मंदिर परिसर में गुरुवार सुबह पुजारी का शव खून से लथपथ हालत में मिला। मृतक की पहचान पिपरा थाना क्षेत्र के चाप गांव निवासी हरि गिरि के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मंदिर के पास ही स्थित 5 कट्ठा जमीन को लेकर पुजारी के परिवार का दूसरे से विवाद चल रहा था। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुजारी हरि गिरि रोजाना की तरह बुधवार रात को मंदिर में सोने चले गए थे। देर रात उनकी चाकू

से गोदकर हत्या कर दी गई। सुबह लोग जब मंदिर में पूजा करने पहुंचे, तो वहां उनका शव देख चौंक गए। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। डॉग स्क्वॉयड और एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। थानाध्यक्ष अनुज सिंह ने बताया कि पुजारी की हत्या जमीन विवाद में की गई है। परिजन ने 3 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है।

जहानाबाद से अरवल और नालंदा जाना होगा आसान

टू लेन से होगा फोर लेन; 2300 करोड़ रुपए होंगे खर्च

एकंगरसराय। दक्षिण बिहार के लिए एक बड़ी सौगात देते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-33 के अरवल से बिहार शरीफ तक के खंड को फोर लेन में विकसित करने के प्रस्ताव को 2300 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है। यह परियोजना राज्य के तीन महत्वपूर्ण जिलों अरवल, जहानाबाद और नालंदा की कनेक्टिविटी और विकास को नई गति देगी।

इससे पहले बिहार सरकार ने भूमि अधिग्रहण हेतु 600 करोड़ रुपए की राशि जारी की थी,जिससे परियोजना के क्रियान्वयन की राह पहले ही आसान हो चुकी थी। अब केंद्र की स्वीकृति से यह सपना जल्द ही धरातल पर उतरने जा रहा है।

सड़क कनेक्टिविटी का नया कीर्तिमान रचेगा

करीब 90 किलोमीटर लंबी इस फोर लेन सड़क के निर्माण से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण राजमार्गों से भी जुड़ जाएगा। प्रस्तावित एनएच -33 अब पटना-औरंगाबाद फोर लेन, पटना-गया फोर लेन, और बख्तियारपुर-रजौली फोर लेन को आपस में जोड़ेगा। साथ ही यह आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा, जिससे दिल्ली से कोलकाता तक एक नया, तेज और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग तैयार हो जाएगा। अरवल, जहानाबाद और एकंगरसराय को मिलेगा बाईपास का लाभ इस परियोजना के तहत अरवल, जहानाबाद और एकंगरसराय में बाईपास सड़क का निर्माण होगा। इससे इन शहरों में भारी वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। नगरवासियों को शांति मिलेगी और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा।

पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय पहुंच को मिलेगा बढ़ावा

यह फोर लेन सड़क परियोजना राजगीर, सुल्तानगंज और भागलपुर जैसे ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों तक पहुंच को सरल बनाएगी।

भागलपुर में बंदरों का आतंक, हमले में युवक की मौत

20 दिन पहले हुई थी शादी, बाइक वाले निशाने पर

महानगर नेटवर्क

भागलपुर

भागलपुर में बंदर के हमले में नवविवाहित युवक की जान चली गई। पीरपैंती प्रखंड के अठनिया दियारा में मंगलवार की शाम ट्रैक्टर चला रहे युवक के ऊपर पेड़ पर बैठा बंदर कूद गया। युवक अमन कुमार यादव ट्रैक्टर से गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए पीरपैंती अस्पताल लाया गया जहां से डॉक्टरों ने भागलपुर रेफर कर दिया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। 20 दिन पहले उसी शादी हुई थी।

मुखिया पवन यादव और परिजन दीपक ने बताया कि अमन घर में एक मात्र कमाऊ लड़का था। उसकी शादी इसी वर्ष 6 जून को ही बिशनपुर में हुई थी। वह गुजरात में रहकर मजदूरी करता था। कुछ महीने पूर्व ही घर आया था। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता यमुना यादव, माता के साथ पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं बुधवार को अठनिया के लालू यादव ऑटोचालक को बंदरों ने काटकर घायल कर दिया।

बंदर दो दर्जन से अधिक लोगों को घायल कर चुके हैं

ग्रामीणों में घटना को लेकर नाराजगी भी थी। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बंदरों का आतंक है। इसकी सूचना वन विभाग को कई बार दी गई लेकिन फिर भी टीम रेस्क्यू करने नहीं पहुंची। अब तक बंदर दो दर्जन से अधिक लोगों को घायल कर चुके हैं। 18 मई को भी भूषण कुमार को बंदर ने काट लिया था। पिकअप चालक महफूज भी जख्मी हुआ था। अब तक बंदर अवधेश यादव, रंजीत, शोभाकांत मंगल, भूषण, चित्त रंजन, ब्यास, मिथुन,राजेश,मंटू आदि को भी काटकर जख्मी कर चुके हैं। वन विभाग भागलपुर के रेंज ऑफिसर रूपम कुमार सिंह ने बताया कि अठनिया दियारा में हुई घटना की जानकारी मिली है। बंदर द्वारा वहां पूर्व में भी कई लोगों को हमला कर घायल किया गया है। अतः मामला गंभीर है तथा हमारी रेस्क्यू टीम गुरुवार को ही वहां जाएगी तथा बंदर को रेस्क्यू करेगी। उन्होंने बताया कि डॉ संजीत कुमार अपनी टीम के साथ रेस्क्यू करेंगे। क्योंकि डॉ संजीत ही इकोलाइजर गन से बंदर को बेहोश कर पकड़ेंगे।

INDIA गठबंधन का सदाकत आश्रम में अहम बैठक 30 जून को, जारी होगा घोषणा पत्र

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर INDIA गठबंधन अलर्ट मोड पर आ गया है। मतों को साधने के लिए गठबंधन के नेतागण घोषणापत्र बनाने की प्रक्रिया में जुट गए हैं। इंडिया गठबंधन की चुनावी घोषणापत्र की पहली बैठक 30 जून को होने वाली है। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सदाकत आश्रम में होने वाली होने वाली इस बैठक में विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन किन मुद्दों पर चुनावी मैदान में जाएगी ये घोषणा पत्र में बताया जायेगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चुनावी घोषणापत्र की उपसमिति की हो रही बैठक में राजद से राज्यसभा

सांसद मनोज झा, सुधाकर सिंह, प्रो. अनवर पाशा और प्रो. सुबोध मेहता शामिल रहेंगे. कांग्रेस के अमिताभ दुबे, करुणा सागर और शिवजतन ठाकुर शामिल रहेंगे. भाकपा माले से मिना तिवारी और प्रो. अभ्युदय शामिल होंगे. माकपा से सर्वोदय शर्मा बैठक में शामिल होंगे. वीआईपी से प्रो. दिनेश साहनी और और नुरुल होदा शामिल होंगे. समन्वय समिति लेगी अंतिम निर्णय चुनावी घोषणा में तय होने वाली सभी घोषणाएं ये समिति तय करेगी. उपसमिति के आधार पर ही इंडिया गठबंधन समन्वय समिति मुहर लगाएगी. 04 जुलाई को इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक निर्धारित की गई है. घोषणा पत्र उपसमिति के बैठक निर्णय समन्वय समिति तय कर सकती है।

मुखिया के घर पर अपराधियों ने की फायरिंग

औरंगाबाद। औरंगाबाद में मुखिया के घर पर अपराधियों ने फायरिंग की है। इन पर महिलाओं के साथ मारपीट का आरोप है। 2 दिन पहले ग्रामीणों ने मुखिया का पुतला दहन किया था। घटना के बाद इन्होंने सुरक्षा की गुहार लगाई है।

कुटुंबा प्रखंड के पिपरा बगाही पंचायत के मुखिया तौहिद आलम के मुरौली बुजुर्ग स्थित आवास पर गोली चली है। हालांकि, उस वक्त मुखिया घर पर नहीं थे।

गोली मुखिया के घर के मेन दरवाजा को भेदते हुई दीवार से टकराई। जिसमें घर में सो रहे लोग बाल बाल बच गए। घटना बुधवार

की देर रात की है। मुखिया तौहीद आलम ने बताया कि बुधवार की रात में घर पर नहीं थे। लगभग 2 बजे रात में अपराधी उनके घर पहुंचे और आवाज लगाई। पत्नी ने अंदर से पूछा कि कौन है तो बोला कि मुखिया को बाहर भेजिए। जब उन्होंने कहा कि मुखिया घर पर नहीं है, तो अपराधियों ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से घर पर फायरिंग की।

10वीं के छात्र की हत्या,गर्लफ्रेंड ने बर्थडे पर बुलाया था

औरंगाबाद। औरंगाबाद में 16 साल के नाबालिग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग में लड़के की हत्या की गई है। मृतक की पहचान मनोज पासवान के बेटे हिमांशु कुमार (16) के रूप में हुई है। वह 10वीं कक्षा का छात्र था। मामला बारुण थाना क्षेत्र के जानपुर गांव का है। मृतक के पिता का कहना है कि पड़ोस में रहने वाली लड़की के परिजन बुधवार रात उसे घर में खींचकर ले गए थे। लड़की के भाई और पिता ने मिलकर बेटे का मर्डर कर दिया है। हिमांशु के परिवार ने बताया, 'बुधवार को नाबालिग लड़की का जन्मदिन था।

व्यापार

सेंसेक्स 1000 अंक चढ़कर 83,755 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के चौथे कारोबार दिन आज यानी गुरुवार, 26 जून को सेंसेक्स 1000 अंक चढ़कर 83,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 304 अंक की तेजी रही, 25,549 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट रही। आज मेटल, फाइनेंशियल और एनर्जी शेयर में रही बढ़त रही। वहीं ऑटो और IT शेयर्स पर दबाव देखने को मिला। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.65% ऊपर 39,584 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.92% गिरकर 3,079 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.61% गिरकर 24,325 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.11% गिरकर 3,448 पर बंद हुआ है। 25 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.25% नीचे 42,982 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.31% ऊपर 19,974 पर और S&P 500 फ्लैट 6,092 पर बंद हुए।

अकाउंट में 10000 से कम न हो बैलेंस नहीं तो लगाया जाएगा 6 परसेंट जुर्माना

इस महीने से लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली। Development bank of Singapore (DBS) यानि DBS Bank India की तरफ से अपने Saving Account होल्डर्स की तरफ से एक नया फरमान आया है. इसके मुताबिक, अगर सेविंग्स अकाउंट में एवरेज मंथली बैलेंस (AMB) मेंटेन नहीं किया गया, तो बैंक शॉर्टफॉल अमाउंट पर 6 परसेंट का जुर्माना वसूलेगा। DBS बैंक इंडिया ने अपनी वेबसाइट के जरिए इसकी जानकारी देते हुए कहा, 1 अगस्त, से सेविंग्स

अकाउंट में एवरेज मिनिमम बैलेंस मेनटेन नहीं करने पर शॉर्टफॉल पर 6 परसेंट या अधिकतम 500 रुपये का जुर्माना देना होगा।

DBS बैंक का कहना है कि अपने बचत खाते में 10,000 रुपये का एवरेज मंथली बैलेंस मेनटेन करना जरूरी है। यहां शॉर्टफॉल का मतलब है कि 10,000 रुपये के एवरेज मंथली बैलेंस से जितना पैसा कम होगा, उस पर 6 परसेंट का जुर्माना लगाया जाएगा. ऐसे में अगर मान लीजिए कि आपके अकाउंट में 8,500 रुपये है, तो यह 10,000 से 1,500 रुपये कम है. इसी 1,500 रुपये पर 6 परसेंट का जुर्माना लगाया जाएगा. यह नया नियम इस साल 1 अगस्त से लागू हो जाएगा. DBS बैंक के SB Others अकाउंट के लिए एवरेज मंथली बैलेंस 1000 रुपए, ग्रोथ वन सेविंग्स अकाउंट के लिए 5000 रुपए, डीबीएस बैंक सेविंग्स अकाउंट के लिए 10,000 रुपये, ग्रोथ सेविंग्स अकाउंट के लिए 10,000 रुपये, लक्ष्मी सेविंग्स यूथ पावर अकाउंट के लिए 100 रुपये और TASC सेविंग्स यूथ पावर अकाउंट के लिए 10,000 रुपये होना चाहिए. हालांकि, सभी अकाउंट्स होल्डर्स को एवरेज मंथली बैलेंस मेनटेन न करने पर शॉर्टफॉल पर 6 परसेंट का जुर्माना देना होगा।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने 24x7 कस्टमर सपोर्ट हेल्पलाइन शुरू की

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर लोग अक्सर इसलिए हिचकिचाते हैं क्योंकि उन्हें सर्विस और सपोर्ट मिलने में दिक्कत होती है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए ओबेन इलेक्ट्रिक, जो एक रिसर्च और डेवलपमेंट बेस्ड इलेक्ट्रिक बाइक कंपनी है, अपने कस्टमर्स को बेहतर सुविधा देने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा चुकी है। कंपनी ने अब 24x7 कस्टमर सपोर्ट हेल्पलाइन शुरू की है, ताकि इवी मालिकों को किसी भी समय तुरंत मदद मिल सके। इस पहल के जरिए ओबेन इलेक्ट्रिक यह दिखा रहा है कि वह ईमानदार, भरोसेमंद और पर्सनलाइज्ड आफ्टर-सेल्स सर्विस देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस हेल्पलाइन से कस्टमर्स को किसी भी समय उनकी प्रॉब्लम का समाधान मिलेगा और वह भी समझदार और एक्सपीरियंस रखने वाले एक्सपर्ट्स की मदद से। इससे यह

सुनिश्चित होगा कि कस्टमर्स को हमेशा एक जैसा, अच्छा और भरोसेमंद सपोर्ट मिलता रहे, जिससे उनका भरोसा और संतुष्टि बनी रहे। ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर एंड सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, 'भारत में ईवी को अपनाने की रफ्तार बढ़ाने के लिए कस्टमर का भरोसा जीतना सबसे जरूरी है। हमारी 24x7 कस्टमर केयर हेल्पलाइन और इंटीग्रेटेड ओबेन केयर सर्विस सेंटर, फास्ट, ट्रांसपेरेंट और पर्सनल सपोर्ट देने के हमारे वादे को दर्शाते हैं।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया सुपर टर्म प्लान

मुंबई। आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने एबीएसएलआई सुपर टर्म प्लान लॉन्च करने की घोषणा की है। यह ऑल-इन-वन शुद्ध सुरक्षा टर्म इंश्योरेंस बिल्ट-इन स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाओं के साथ- साथ लक्ष्य-संबद्ध वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च कंपनी के ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण और पॉलिसीधारकों की समग्र भलाई का समर्थन करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मज़बूत जीवन सुरक्षा प्रदान करने के अलावा, यह योजना पॉलिसी अवधि के दौरान सुलभ अंतर्निहित स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाएं प्रदान करती है, जिससे पॉलिसीधारकों को अपने स्वास्थ्य की सक्रिय निगरानी करने और उसे बनाए रखने में मदद मिलती है, साथ ही परिवार के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसके अलावा, यह एक उन्नत जीवन चरण सुरक्षा विकल्प प्रदान करता है, जो विवाह, बच्चे के जन्म या गृह ऋण जैसी विशिष्ट जीवन घटनाओं के घटित होने पर बीमित राशि में वृद्धि की अनुमति देता है, बशर्ते कि विकल्प को शुरुआत में ही चुना जाए और अन्य मानदंड पूरे हों।

एक शेयर पर एक शेयर बोनस देगा नेस्ले इंडिया

नई दिल्ली। स्विटजरलैंड की मशहूर फूड कंपनी नेस्ले की सब्सिडरी कंपनी नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में बेहद अहम और बड़ी जानकारी साझा की। नेस्ले इंडिया ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने शेयरहोल्डरों को 1:1 के रेशो में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि शेयरहोल्डरों को 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 1 रुपये की फेस वैल्यू वाला बोनस शेयर जारी किया जाएगा।

नैसकॉम फाउंडेशन ने एमएसएसआईडीसी के साथ महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। नैसकॉम फाउंडेशन ने एमएसएमई दिवस के उपलक्ष्य में, महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड (एमएसएसआईडीसी) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सहयोग का उद्देश्य एक बहुत बड़ा क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाना है, जो राज्य भर में 15,000 'उद्यम'-पंजीकृत सूक्ष्म और लघु उद्यमियों की प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता को मज़बूत करने पर केंद्रित होगा, और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नैसकॉम फाउंडेशन इन सूक्ष्म उद्यमियों की क्षमताओं को मज़बूत करने के लिए एमएसएसआईडीसी अधिकारियों और केपीएमजी के नेतृत्व वाली राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन इकाई के साथ मिलकर काम करेगा। इस पहल को राइजिंग एंड अक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉरमेंस प्रोग्राम (आरएएमपी) के तहत लागू किया जाएगा। आरएएमपी को विश्व बैंक ने समर्थन दिया है। यह अलग-अलग प्रमुख क्षेत्रों की महिला उद्यमियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जैसे कि ऊर्जा दक्षता, कपड़ा, कॉयर, हस्तशिल्प, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन और ओडीओपी उद्योग आदि, उन्हें डिजिटल टूल, फाइनेंस और जानकारी तक पहुंच को बढ़ाने के लिए सक्षम बनाता है।

बार्बिक्यू नेशन ने लॉन्च किया कुक्कड़ कार्निवल चिकन फेस्टिव

मुंबई। दुनिया भर में अपने लज़ीज़ बुफ़े की बेहतरीन वैरायटी के लिए प्रसिद्ध रेस्टोरेंट श्रृंखला बार्बिक्यू नेशन द्वारा कुक्कड़ कार्निवल - चिकन फेस्टिवल को लॉन्च करने की घोषणा की गई। देशभर के फूडीज़ इस फेस्टिवल में स्पेशल चिकन मेनू का आनंद10 जुलाई तक बार्बिक्यू नेशन रेस्टोरेंट में ले सकेंगे! भारत की अग्रणी रेस्टोरेंट श्रृंखला बार्बिक्यू नेशन अपने लाइव ग्रिल्स और विस्तृत बुफ़े के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है और इस कुक्कड़ कार्निवल- चिकन

फेस्टिवल के द्वारा वह अपने ग्राहकों को स्वादिष्ट डाइनिंग का एक अनोखा अनुभव देना चाहते हैं! शाकिर अली, वेस्ट रीजनल मैनेजर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हम अपने ग्राहकों को हर बार डाइनिंग का एक उत्कृष्ट अनुभव देना चाहते हैं और इसी सिलसिले में नवीनतम पेशकश है कुक्कड़ फेस्टिवल,जो देश भर के नॉनवेज फूड लवर के लिए हमारी ओर से एक नायाब तोहफा है। इसमें हमने अपनी सिग्नेचर डिशेज़ और इनोवेशन को ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए खूबसूरती से ब्लेंड किया है। इस मौके पर राहुल अग्रवाल, सीईओ, बार्बिक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने कहा कि इस फेस्टिवल के द्वारा हम अपने अज़ीज़ ग्राहकों को एक रिफ्रेशिंग और यूनिक डायनिंग एक्सपीरियंस प्रदान करना चाहते हैं।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

कांवड़ यात्रा के रास्ते में खुले में नहीं बिकेगा मांस

दुकान पर लिखना होगा नाम, सीएम योगी का आदेश

महानगर संवाददाता

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी कांवड़ यात्रा, मोहर्रम और रथयात्रा को लेकर आला अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। यूपी के पुलिस आयुक्तों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने निर्देश दिए कि सभी आयोजन श्रद्धा, सुरक्षा और समरसता के साथ सम्पन्न हों, इसके लिए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ कार्य करना होगा। इस दौरान कांवड़ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर कहीं भी खुले में मांस आदि की बिक्री न हो। इसके साथ ही हर दुकानदारों को स्पष्ट रूप से नाम लिखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा मार्ग पर डीजे, ढोल-ताशा और संगीत की ध्वनि निर्धारित मानकों के

अनुरूप ही होनी चाहिए। कानफोड़ आवाज, भड़काऊ नारे, और परंपरा से इतर रूट परिवर्तन किसी दशा में स्वीकार्य नहीं होंगे। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि किसी शोभायात्रा के लिए पेड़ काटना, झुग्गियां हटाना या गरीबों का आश्रय उजाड़ना कदापि स्वीकार्य नहीं होगा। योगी ने यह भी स्पष्ट किया कि धार्मिक यात्राओं में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उपयोग सौहार्द को खंडित करने वाले तत्व हैं, जिन पर पूरी सख्ती से रोक लगनी चाहिए। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 11 जुलाई से नौ अगस्त तक पवित्र श्रावण मास रहेगा जिसके दौरान कांवड़ यात्रा, श्रावण शिवरात्रि, नागपंचमी और रक्षाबंधन जैसे पर्व मनाए जाएंगे और इसी अवधि में 27 जून से आठ जुलाई तक जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 27 जून से छह-सात जुलाई तक मुहर्रम के आयोजन संभावित हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर कहीं भी खुले में मांस आदि की बिक्री न हो। यात्रा मार्गों की स्वच्छता, रोशनी, पेयजल, शौचालय एवं प्राथमिक चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुहर्रम के आयोजनों के लिए भी स्पष्ट निर्देश

मुहर्रम के आयोजनों के लिए भी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विगत वर्षों में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए इस वर्ष सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। शांति समिति एवं आयोजन समितियों से संवाद कर कार्यक्रमों को परंपरागत मार्गों पर शांतिपूर्वक संपन्न कराया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को यह भी निर्देश दिया कि कार्रवाई के लिए शासन से आदेश की प्रतीक्षा कतई न करें, तत्परता से और कानूनसम्मत कार्रवाई करें।

ड्रोन से निगरानी की जाए

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की सघन निगरानी हो और आवश्यकता पड़ने पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते होते हैं, जिनमें वेश बदलकर अराजक तत्वों के शामिल होने की आशंका बनी रहती है। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री ने सभी जनपदों को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए कहा कि थाना, हल्का और चौकी स्तर पर स्थानीय प्रशासन कांवड़ संघों के साथ संवाद बनाए रखें और सभी व्यवस्थाओं की पूर्व समीक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने दोहराया कि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है, किंतु किसी शरारती तत्व को अवसर नहीं मिलना चाहिए।

यूपी में दलितों का उत्पीड़न...

मैं बनाम हम की लड़ाई, अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा आरोप

महानगर संवाददाता

लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि संविधान बचाने की लड़ाई को एकजुट होकर लड़ा जाए। पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी विचारधारा को मानने वाले लोग आज संकल्प लें कि डॉ. अंबेडकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और शाहू जी महाराज के दिखाए रास्ते पर चलकर संघर्ष करेंगे। अखिलेश ने ऐलान किया कि अब संविधान दिवस को संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सत्ता पाने के लिए संविधान का इस्तेमाल करती है, लेकिन सत्ता में आते ही उसी संविधान को ताक पर रख देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की निष्ठा संविधान में नहीं, बल्कि सत्ता में है। उन्होंने इसे 'मैं बनाम हम' की लड़ाई करार दिया और कहा कि भाजपा समाजवाद के खिलाफ है।

NDA निगेटिव लोगों का गठबंधन

अखिलेश यादव ने कहा कि आज देश में व्यक्ति बनाम समाज का संघर्ष चल रहा है, जहां एक ओर प्रभुत्ववादी ताकतें अन्याय कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर पीड़ा से बंधे लोग PDA (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) एकजुट होकर लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि PDA सकारात्मक राजनीति का प्रतीक है, जिसे नकारात्मक सोच वाली भाजपा और एनडीए स्वीकार नहीं कर सकते। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि NDA निगेटिव लोगों का गठबंधन है, जबकि PDA पॉजिटिव सोच वालों का।

अब्बास अंसारी की कम नहीं हो रहीं मुश्किलें

हेट स्पीच केस में अब 27 जून को होगी अगली सुनवाई

मऊ। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित हेट स्पीच मामले में बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे पूर्व विधायक अब्बास अंसारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब्बास अंसारी की सजा पर 'स्टे' संबंधी अपील के मामले में मऊ की फास्ट ट्रैक कोर्ट में जो सुनवाई आज होनी थी, उसे आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह सुनवाई कल यानी 27 जून यानी शुक्रवार को होगी। दरअसल, इस मामले में बीते 31 मई को मऊ की एमपी एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को 2 साल की सजा सुनाई है । उस फैसला पर स्टे से संबंधी अपील सेशन कोर्ट में दायर किया है ।अब्बास पूर्व विधायक स्वर्गीय मुख्तार अंसारी के बेटे हैं। सरकारी अधिवक्ता ने बहस पूरी होने के बाद कहा कि इसके लिए कोर्ट से अगली तारीख 27 जून का मांगा जो न्यायालय ने विचार करते हुए अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी। खास बात यह रही कि आज वादी मुकदमा एसआई बिंदु कुमार भी अदालत में उपस्थित हुए। उनके अधिवक्ता ने अदालत में अब्बास अंसारी के सजा और दोष सिद्ध को निरस्त करने संबंधी अपील का मेमो दाखिल किया।

प्रतापगढ़ में तीन मौतों से सनसनी

मां-बेटे और बहू का शव बेडरूम में मिला

बगल में पड़ा रो रहा था 5 महीने का मासूम

महानगर संवाददाता

प्रतापगढ़

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ से आई तीन मौतों की खबर ने हर किसी को हैरान कर दिया है। प्रतापगढ़ में मां, बेटे और बहू का शव कमरे में बेड पर पड़ा मिला। दरअसल, गुरुवार सुबह जब देर तक परिवार के लोग नहीं उठे तो नानी ने दरवाजा खटखटाया था, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची तो मां-बेटे और बहू के शव बेड पर पड़े थे। पुलिस ने पाया कि उनके मुंह से झाग निकल रहा

था। तीनों के शव के पास में 5 महीने का बच्चा रो रहा था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीनों ने सुसाइड किया है। बेटे की डेढ़ साल पहले शादी हुई थी। मौत से एक दिन पहले बेटे ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीर पोस्ट की थी। मामला लीलापुर थाना क्षेत्र के सगरा सुंदरपुर बाजार का है।

28 साल के अंकित पटवा मूल रूप से रायबरेली के रहने वाले थे। उनकी मां आशा (48) और पिता राकेश का 25 साल पहले तलाक हो गया था। तभी से अंकित अपनी नानी यशोदा देवी (80) के साथ ननिहाल में रह रहे थे। नानी अक्सर बीमार रहती हैं। डेढ़ साल पहले अंकित की शादी रिया (24) से हुई थी। पांच महीने पहले रिया ने बेटे को जन्म दिया था। अभी तक बच्चे का नामकरण भी नहीं हुआ है।

पुलिस ने तोड़ा कमरे का दरवाजा

नानी ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे दूधवाला आया। उसने काफी देर तक घर का दरवाजा खटखटाया, लेकिन बेटी, पोता और बहू नहीं उठे। मैंने दूधवाले से कहा कि अभी सो रहे हैं। इस पर दूधवाले मनोज ने अंकित की मां को फोन लगाया, लेकिन फोन नहीं उठा। मैंने इसकी जानकारी पड़ोसियों को दी। पड़ोसी अंकित के दोस्त अशोक और मनोज ने भी दरवाजा खटखटाया, लेकिन तीनों नहीं उठे। इसके बाद अशोक ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को फोन कर दिया। थोड़ी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा तो बेड पर अंकित, उसकी मां और बहू की लाश पड़ी हुई थी। तीनों के मुंह से झाग निकल रहा था। बगल में मासूम बच्चा रो रहा था।

लखनऊ में 4 से 6 जुलाई तक आम महोत्सव 2025

फलों के राजा के 600 किस्मों की कर सकेंगे दीदार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत देश भर में इस समय फलों के राजा आम का सीजन चल रहा है। यही वजह है कि बाजारों में अन्य फलों की तुलना में आम ज्यादा बिकते नजर आ रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यूपी में लगभग 600 से ज्यादा प्रजातियों के आम का उत्पादन किया जा रहा है। इसमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, गौरजीत, आम्रपाली और लखनऊ सफेदा समेत अन्य वेरायटी प्रमुख है। लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, वाराणसी, अयोध्या समेत एक दर्जन से ज्यादा जिलों में आम की पैदावार होती है। योगी सरकार 4 जुलाई से 6 जुलाई के बीच आम महोत्सव 2025 का आयोजन करने जा रही है। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश आम के उत्पादन में देश में अगृणी राज्य है।

4-6 जुलाई के बीच होगा आयोजन

दरअसल, प्रदेश सरकार आम उत्पादन, निर्यात और इनोवेशन को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए आम महोत्सव-2025 का भव्य आयोजन करने जा रही है। यह आयोजन 4 से 6 जुलाई के बीच राजधानी लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में किया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आम के उत्पादन में यूपी देश का अगृणी प्रदेश है। साल 2024-25 में प्रदेश में 3.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में आम की बागवानी की

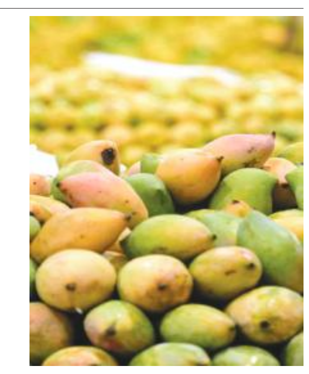

गई थी, जो देश कुल क्षेत्रफल का 13.5 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रदेश में 61.46 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन हुआ। जो देश कुल उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत है।

यूपी में 600 से ज्यादा किस्में

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में आम की लगभग 600 से अधिक प्रजातियों का उत्पादन किया जा रहा है। जिसमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, गौरजीत, आम्रपाली, रामकेला, रटौल, लखनऊ सफेदा, बाम्बेग्रीन और अन्य रंगीन प्रजातियां प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसी तरह सहारनपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, अमरोहा, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, अयोध्या, लखनऊ, प्रतापगढ़ और वाराणसी आम उत्पादन के मामले में प्रमुख जिले में शामिल है। साथ ही, मंत्री ने बताया कि साल 2024-25 में प्रदेश से 40.31 मीट्रिक टन आम का निर्यात अन्य देशों को किया गया है। जबकि साल 2025 में अब तक 13.5 मीट्रिक टन आम का निर्यात अन्य देशों में किया जा चुका है।

एनकाउंटर में घायल मंगलसूत्र लुटेरे की मेडिकल रिपोर्ट से हड़कंप

कई महिलाओं का कर चुका है यौन शोषण

महानगर संवाददाता

गोरखपुर

गोरखपुर में पुलिस एनकाउंटर में घायल होने के बाद गिरफ्तार एक मंगलसूत्र लुटेरे के एचआईवी पॉजिटिव निकलने से हड़कंप मच गया है। लुटेरे की बीमारी की भनक लगने पर उसकी पत्नी उसे छोड़ गई थी। उस पर कई महिलाओं के यौन शोषण और ठगी का आरोप है। जेल में उसे अन्य बंदियों से अलग रखा गया है। मामला, गोरखपुर के

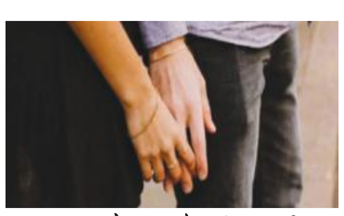

गगहा थाना क्षेत्र का है। रविवार की रात पुलिस ने मंगलसूत्र लुटेरे को एक एनकाउंटर में गिरफ्तार किया था। जेल में उसे लेकर एहतियात बरती जा रही है। फिलहाल उसे अन्य बंदियों से अलग रखा गया है। पता चला है कि छह महीने से उसे इस बीमारी की जानकारी थी। इसकी जानकारी होने के बाद ही पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी। उसका कई महिलाओं से संबंध था, जिसे लेकर पहले पत्नी उसे रोकती भी थी। दरअसल, गगहा में एक महिला से मंगलसूत्र लूट की घटना होने के बाद पुलिस ने रविवार की रात में मुठभेड़ में एक बदमाश को गिरफ्तार किया था। उसने पुलिस को अपने बीमारी की जानकारी नहीं दी थी। रात में पुलिस ने उसका मेडिकल कराया तो पता चला कि वह एचआईवी पॉजीटिव है। इसके बाद पुलिस वालों के भी हाथ पांव फूल गए थे। इसके बाद ही उसके कई काले चिट्ठे सामने आए। पता चला कि आसपास के इलाकों की करीब सात महिलाओं से वह संपर्क में था। इसी दौरान उसे एचआईवी हुआ और उसकी पत्नी को भी जानकारी हो गई थी।

मन्नत पूरी हुई तो भगवान शंकर की शरण में पहुंची मुस्लिम महिला

कानपुर। आज भी लोग जब हर जगह से हार जाते हैं तो वह केवल ईश्वर पर भरोसा करते हैं और किसी चमत्कार की कामना की मन्नत मांग बैठते हैं। फिं वह चाहें किसी भी धर्म का व्यक्ति क्यों न हो। यूपी के कानपुर से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम महिला का मरीज अस्पताल में भर्ती था, उसका स्वास्थ्य दिन पर दिन बिगड़ रहा था। मरीज जिस अस्पताल में भर्ती था, उसके पास में ही एक छोटा सा शिव मंदिर था। मुस्लिम महिला का उस मंदिर के प्रति आस्था दिखी। महिला ने मनौती मांगी और जब वह मनौती पूरी हो गई तो वह शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंच गई। इसका आसपास के लोगों ने वीडियो बनाया और फिर उसे पोस्ट कर दिया जो अब वायरल हो रहा है। 10 मिनट का वायरल वीडियो कल्याणपुर के

अवंतीपुरम क्षेत्र का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मुस्लिम महिला मंदिर में पूजा करते दिख रही है। वीडियो वायरल होने के बाद जब इस महिला के बारे में पता करने की कोशिश की गई तो जानकारी मिली है कि इनका कोई परिजन बगल में स्थित एक नर्सिंग होम में काफी सीरियस था। उसकी जान बचाने के लिए इसने भगवान शंकर से मनौती मांगी थी।

29 साल बाद हत्यारोपियों को 10 साल की सजा

कत्ल के बाद तेजाब से जलाया था शव

मेरठ। यूपी के मेरठ में एक 29 साल पुराने मामले में अब फैसला आया है। आरोपियों को 10 साल की सजा दी गई है। 29 साल पुराने गैर इरादतन हत्या के मामले में न्यायालय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम पवन शुक्ला की कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। दोनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

जानकारी के अनुसार मेरठ के सिविल लाइन थाने में 18 फरवरी 1996 को मेजर राममेहर सिंह की ओर से एक तहरीर मुकेश कुमार, मोहन, उमेश और प्रेम सिंह के खिलाफ दी गई थी। आरोप लगाया गया कि आर्मी फार्म में चौकीदार योगेश्वर पुत्र रघुनाथ के साथ इन आरोपियों ने 17 फरवरी की रात को मारपीट की थी। तेजाब डालकर जला दिया था। हीरालाल अस्पताल में उपचार के दौरान योगेश्वर की मृत्यु हो गई थी। बाद में ट्रायल वर्ष 2012 में शुरू हुआ। वादी मुकदमा कर्नल राममेहर सिंह के बयान हुए। डॉक्टर समेत पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के बयान कराए गए। केस की सुनवाई के दौरान दो आरोपियों मोहन लाल और प्रेम सिंह की मृत्यु हो गई। न्यायालय ने बाकी दोनों आरोपियों मुकेश पुत्र हरिराम और वेद प्रकाश सिंह को मंगलवार को दोषी करार दिया था। बुधवार को कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 10-10 साल की सजा सुनाई है।

सपा ने बदल दिया था छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम : मायावती

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश में सत्ता में रहने के दौरान छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम बार-बार बदलकर किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय करने के लिए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और इसे सुधारने में विफल रहने के लिए बाद की भाजपा सरकार की भी आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने छत्रपति शाहूजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की, उन्हें कोल्हापुर रियासत में दलितों को नौकरी में आरक्षण प्रदान करने के लिए भारत में आरक्षण के जनक के रूप में सम्मानित किया।

अपने विस्तृत पोस्ट में, मायावती ने शाहूजी महाराज के सम्मान में उत्तर प्रदेश में अपनी चार बार की बसपा सरकारों द्वारा की गई पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने एक नए जिले का नामकरण, शैक्षणिक संस्थानों और भव्य सार्वजनिक स्थानों और स्मारकों में उनकी प्रतिमाएँ स्थापित करने का उल्लेख किया। उन्होंने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के पहले छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना पर प्रकाश डाला, जिसका दावा है कि इसे तुरंत चालू कर दिया गया था।

सोशल मीडिया टिप्पणी पर भिड़ गईं जदयू और सपा की महिला नेता

बांदा में मुकदमे तक पहुंच गई बात

महानगर संवाददाता

बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा में सोशल मीडिया पोस्ट ने दो महिला नेताओं को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल और समाजवादी पार्टी (सपा) महिला सभा की जिला अध्यक्ष अर्चना सिंह पटेल आमने-सामने आ गई हैं। यह विवाद पहले सोशल मीडिया पर छाया रहा, लेकिन अब विवाद सड़कों तक आ गया है। मामले ने तब तूल पकड़ा जब जदयू नगर अध्यक्ष पिंकी राजपूत के नेतृत्व में महिलाओं ने प्रदर्शन

कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने अर्चना सिंह पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जदयू नगर अध्यक्ष पिंकी राजपूत की ओर से कोतवाली में दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल के खिलाफ समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिला अध्यक्ष अर्चना सिंह पटेल ने जानबूझकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक और व्हाट्सएप पर अश्लील, आपत्तिजनक और मानहानिपूर्ण पोस्ट की हैं। आरोप में यह भी कहा गया है कि अर्चना सिंह ने गुमनाम धमकियों, साइबर स्टॉकिंग, निजता के उल्लंघन और अश्लील वीडियो प्रसारित करने की धमकी जैसे गंभीर आरोपों के माध्यम से मानसिक उत्पीड़न किया है। पिंकी राजपूत का कहना है कि अर्चना सिंह खुद को सपा की वरिष्ठ नेता बताकर राजनीतिक दबाव बना रही हैं। पिंकी राजपूत ने सपा नेता पर धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि इस विवाद के कारण कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी अर्चना सिंह पर होगी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आईटी एक्ट और आपराधिक साजिश की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। विवाद का एक प्रमुख कारण सोशल मीडिया पर वायरल हुआ एक वीडियो क्लिप है, जिसमें शालिनी सिंह पटेल को बिहार के दो मंत्रियों से बैग लेते हुए दिखाया गया है। वीडियो के साथ यह दावा किया गया कि शालिनी पैसे ले रही हैं।

आर्केस्ट्रा डांसर से लव मैरिज परिवार को गुजरी नागवार

मां और बहनों ने पीट-पीटकर युवक को दी दर्दनाक मौत, पत्नी को भी किया लहूलुहान

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी दो बेटियों के साथ मिलकर बेटे को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया है। इतना ही नहीं बेटे के बचाव में बीच में आई पत्नी को भी पीट कर लहूलुहान कर दिया। मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मां और दोनों बेटियों व एक भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हैरान करने वाली बात ये है कि युवक की हत्या सिर्फ इसलिए की गई है क्योंकि उसने एक डांसर से शादी कर ली थी। शादी के बाद से परिवार के लोग बेटे से नाराज चल रहे थे। बुधवार को बेटा अपनी पत्नी के साथ जबरन घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। तभी मां-बेटियों ने मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पूरा मामला बांसगांव थाना क्षेत्र के तिघरा रुद्रमन का है।

रसूखदारों के कारण पति का सुसाइड

पुलिस की लचर कार्रवाई से खफा पत्नी ने भी जान दी

महानगर संवाददाता

लखनऊ

लखनऊ में लक्ष्मण मेला मैदान के पास बुधवार को महिला ने गोमतीनदी में कूद कर जान दे दी। दो अप्रैल को महिला के पति ने फांसी लगा कर खुदकुशी की थी। उस पर रसूखदारों ने चोरी का इल्जाम लगाया था। पति को आत्महत्या के लिए विवश करने वाले के खिलाफ महिला ने किसी तरह से मुकदमा दर्ज कराया। पर, पुलिस की जांच आगे नहीं बढ़ सकी। महिला लगातार हजरतगंज कोतवाली के चक्कर काटती रही। सुनवाई नहीं होने से व्यथित होकर खुदकुशी कर ली। यह आरोप परिवार ने लगाया। सिकंदर नगर

नई बस्ती निवासी कविता निषाद (30) के पति महेश निषाद हजरतगंज में एक प्रभावशाली व्यक्ति के घर काम करते थे। सालों से साथ जुड़े होने के बाद भी रसूखदार परिवार ने महेश पर रुपये चोरी करने का आरोप मढ़ा था। जिससे आजिज होकर महेश ने दो अप्रैल को फांसी लगा कर खुदकुशी की थी। पति को आत्महत्या के लिए विवश करने वाले रसूखदारों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कविता कई दिनों से परेशान थी। बुधवार दोपहर वह बेटे माधव और बेटी शुभी से लक्ष्मण मेला चौकी जाने की बात कह कर घर से निकली थी। इसके कुछ देर बाद ही गोमतीनदी में कूद कर कविता ने खुदकुशी कर ली। भाई अंशु का आरोप है कि कविता अक्सर कहती थी कि पुलिस दोषियों को बचाने के लिए जांच बहुत धीमे कर रही है। वह ढाई महीने से थाने और चौकी के चक्कर लगा रही है। पर कोई सुनवाई नहीं होती है। भाई अंशु ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की होती तो आज बहन कविता उनके साथ होती।

पत्नी को वीडियो भेज कर लगाई थी फांसी

महेश अलीगंज निवासी एक प्रभावशाली व्यक्ति के यहां खाना बनाते थे। दो अप्रैल को आत्महत्या करने से पहले महेश ने एक वीडियो बनाकर बनाकर अपनी पत्नी को भेजा था। वीडियो में महेश ने मालकिन को संबोधित करते हुए कहा था कि, मम्मी जी...आज के बाद अब आपसे नहीं मिलूंगा... मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं।

6.50 लाख रुपए चोरी का आरोप लगा था

महेश जिनके यहां खाना बनाते थे होली के समय घर में चोरी हो गई थी। अंशु ने बताया कि महेश पर 6.50 लाख रुपये चोरी का आरोप लगा था।

भाई को पीटने की वजह पूछने गए युवक की हत्या

महानगर संवाददाता

कुशीनगर

यूपी के कुशीनगर में भाई को पीटने व छिनैती का उलाहना देने पहुंचे युवक को मनबढ़ ने चाकू घोंप कर मार डाला। आरोप है कि परिवार के लोगों ने आरोपी की मदद की। इसके बाद गुस्सायी भीड़ ने आरोपी का घर घेर लिया मगर पुलिस ठीक समय से मौके पर पहुंच गयी और हिंसा नहीं होने दी। आरोपी के पूरे परिवार को पुलिस ने सुरक्षित थाने पहुंचा दिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है।

सेवरही थाना क्षेत्र के राजपुर खास, बेनिया टोला निवासी उमाशंकर पुत्र हीरालाल निषाद बुधवार की रात बाजार कर लौट रहा था तभी गांव

के ही नरवा टोला निवासी प्रिंस पुत्र मुन्ना निषाद, नत्थू पुत्र गोसाई निषाद व मुन्ना पुत्र नत्थू निषाद समेत छह सात लोगों ने उसे रास्ते में घेर लिया। बुरी तरह से पीटा और बाइक तथा मोबाइल छीनने लगे। उमाशंकर ने पिटाई के बाद भी बाइक व मोबाइल बचा ली और किसी तरह बचकर घर भाग गया। गुरुवार को सुबह उमाशंकर का बड़ा भाई जागू निषाद (40) टोले के पांच छह लोगों को लेकर भाई को पीटने की वजह पूछने प्रिंस के घर पहुंचा था। पूछताछ चल रही थी तभी प्रिंस घर में से चाकू लेकर निकला और जागू पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकू के कई वार से जागू लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर गया। शोर के बीच परिवार के लोग उसे सेवरही के सरकारी अस्पताल ले जा रहे थे मगर रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवार के लोग शव लेकर आरोपी के घर पहुंच गए। हत्या से आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी का घर घेर लिया। तब तक सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गयी थी। सेवरही एसओ की सूचना पर सीओ तमकुही राज राकेश प्रताप सिंह ने अगल-बगल के चार थानों की फोर्स मौके पर बुला ली।

इटावा में कथावाचक की पिटाई पर बवाल, फायरिंग

यादवों ने थाना घेरा, पुलिस पर पथराव, गाड़ी तोड़ी

महानगर नेटवर्क

इटावा

यूपी के इटावा में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। यादव कथावाचकों से बदसलूकी के मामले में 'अहीर रेजिमेंट' के लोग भारी संख्या में दांदरपुर गांव पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो भीड़ ने उनपर पथराव कर दिया, जिसके चलते पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। हालात ऐसे हो गए कि दारोगा को कई राउंड हवाई फायरिंग भी करनी पड़ी। घटना का वीडियो सामने आया है। पत्थरबाजी में पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर भारी फोर्स मौजूद है। फिलहाल, शांति-व्यवस्था कायम है। आपको बता दें कि हाल ही में दांदरपुर गांव में यादव कथावाचकों से बदसलूकी हुई थी। इसको लेकर ब्राह्मण और यादव पक्ष के लोगों आमने-सामने हैं। इसी बीच आज गगन यादव की 'अहीर रेजिमेंट' के लोग गांव में घुस रहे थे। पुलिस फोर्स ने उन्हें रोका तो भीड़ भड़क उठी और पुलिस पर ही पथराव शुरू कर दिया। भीड़ में शामिल कुछ युवकों ने लाठी-डंडे और ईंट-पत्थरों से पुलिस की गाड़ी भी तोड़ डाली। ऐसे में पुलिस को अपने बचाव में हवाई फायरिंग करनी पड़ी। हालांकि, इस दौरान पुलिस फोर्स कुछ देर के लिए बैकफुट पर आती दिखी। लेकिन सीनियर अधिकारियों ने मोर्चा संभाला तो उपद्रवी पीछे हटे। पुलिस ने दौड़ाकर कई उपद्रवियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस एक्शन के बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। लोग इधर-उधर भागते नजर आए। अब पुलिस वीडियो के माध्यम से फरार उपद्रवियों को खोज रही है। मामले में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, श्रीशचंद्र ने बताया कि कुछ लोगों के द्वारा उपद्रव करने की कोशिश की गई थी।

भारी बारिश से गुजरात और हिमाचल में कहर

महानगर नेटवर्क

अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में बीते 12 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पूर्वी अहमदाबाद के मणिनगर, वटवा, सिटीएम, हाटकेश्वर, निकोल, ओधव और विराट नगर समेत दर्जनों इलाकों की सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के पानी के तेज बहाव में एक बाइक सवार युवक बह गया। घटनास्थल के पास की ड्रेनेज लाइन में फंसे युवक के शव को दमकल विभाग ने 9 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 200 फीट दूर से बरामद किया। इस हादसे ने शहर में हो रही बारिश के खतरनाक असर को उजागर कर दिया है। अब तक इस मानसून सीजन में अहमदाबाद में कुल 6.03 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है।

सूरत में भी बाढ़ जैसे हालात

गुजरात का सूरत शहर भी मूसलधार बारिश से प्रभावित है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन यहां बारिश जारी रही, जिससे गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूब गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि एक गर्भवती महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। शहर प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की 5 घटनाएं

उत्तर भारत में भी बारिश का कहर जारी है। हिमाचल प्रदेश के दो जिलों में बीते 24 घंटों में बादल फटने की पांच घटनाएं हुईं, जिससे अचानक बाढ़ आ गई। इन घटनाओं में कई लोगों के बहने की सूचना है, जिनमें से अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं। बचाव और राहत कार्य जारी है।

कुल्लू जिले में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर है, जहां 2,000 से अधिक टूरिस्ट बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से फंसे हुए हैं। प्रशासन ने सेना की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात, सूरत भी पानी में डूबा

राजस्थान में भी मानसून सक्रिय

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में भी मानसून की बारिश ने अपना असर दिखाया है। बीते 24 घंटे में यहां 8 इंच तक बारिश दर्ज की गई, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पानी भरने से फसलें प्रभावित हो सकती हैं। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिए हैं।

देश के कई हिस्सों में मानसून का रौद्र रूप

देश के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय मानसून ने जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। अहमदाबाद से लेकर कुल्लू और बांसवाड़ा तक भारी बारिश, बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों में और अधिक बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में जनता से सतर्क रहने और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

CJI बोले- संसद नहीं संविधान सबसे ऊपर

लोकतंत्र के तीनों हिस्से इसके अधीन ■ संसद के पास संशोधन की शक्ति

महानगर नेटवर्क

अमरावती

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि भारत का संविधान सबसे ऊपर है। हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। CJI गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में संविधान सर्वोपरि है। सुप्रीम कोर्ट के 52वें CJI के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई होमटाउन अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। CJI गवई ने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती। CJI गवई ने कहा कि एक जज को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है। किसी जज को इस बात को लेकर नहीं चलना चाहिए कि लोग उनके फैसलों के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। चीफ जस्टिस बोले- हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी फैसले लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता।

अमरनाथ यात्रा 2025: पहली बार तीन लेयर की हाई सिक्योरिटी

हर मोड़ पर सेना-पुलिस का पहरा!

महानगर नेटवर्क

श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है। अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से पहले कश्मीर घाटी में सुरक्षा को लेकर ऐसे इंतजाम किए गए हैं जैसे पहले कभी नहीं देखे गए। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा की तैयारी और अहम हो गई है। सेना से लेकर BSF, CRPF और JKP तक हर कोई अलर्ट मोड में है। श्रीनगर से लेकर बालटाल और पहलगाम तक की वादियों में सुरक्षा का ऐसा कड़ा घेरा बना है कि परिंदा भी पर न मार सके। खासकर बालटाल मार्ग पर तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। पहली बार किसी धार्मिक यात्रा के लिए ऐसा इंतजाम किया गया है जिसमें हर एक किलोमीटर पर सुरक्षा बल तैनात हैं। बालटाल का इलाका संवेदनशील माना जाता है क्योंकि यह गांदरबल और अनंतनाग जिलों की सीमा पर स्थित है। इसी को ध्यान में रखते हुए खिल्लनमार्ग, बडिमार्ग और सुरफराव-त्राल जैसे ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में खास चौकसी बरती जा रही है। यहां रहने वाले गुज्जर बकरवाल समुदाय के लोगों की ढोकों की गिनती हो रही है, ताकि किसी बाहरी या संदिग्ध को स्थानीय बताकर छिपने का मौका न मिले। पुलिस इन अस्थायी घरों के आसपास लगातार निगरानी रख रही है। सेना, CRPF और BSF की टीमें ड्रोन से आसमान की निगरानी कर रही हैं तो जमीन पर जवानों की पेट्रोलिंग लगातार चल रही है। नाइट विजन डिवाइसेज और हाई-टेक कैमरों से अंधेरे में भी गतिविधियां देखी जा रही हैं। हर ढोक को पहले सैनिटाइज किया जा चुका है और फिर उसे सुरक्षित घोषित किया गया है।

श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे हेल्प डेस्क और मेडिकल टीम अलर्ट

सिर्फ सुरक्षा ही नहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी इस बार व्यापक तैयारी की गई है। हर मेन प्वाइंट पर कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। खाने-पीने, ठहरने और मेडिकल इमरजेंसी जैसी जरूरतों के लिए खास टीमें 24 घंटे काम कर रही हैं। मौसम की अपडेट से लेकर रूट गाइडेंस तक हर जानकारी श्रद्धालुओं को समय पर दी जा रही है।

कर्नाटक के MM हिल्स वन्यजीव अभ्यारण्य में मृत मिले 5 टाइगर

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कर्नाटक के एमएम हिल्स वन्यजीव अभयारण्य में पांच टाइगर मृत पाए गए हैं। इस घटना से हड़कंप मच गया है। मरने वालों में एक मादा बाघिन और उसके चार शावक बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौत की वजह जहर देना हो सकती है, हालांकि अंतिम पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी। चामराजनगर सर्किल के मुख्य वन संरक्षक टी. हीरालाल ने बताया कि बाघिन और उसके शावकों के शव मीनीयम क्षेत्र के हुग्यम रेंज में पाए गए। यह एमएम हिल्स अभयारण्य का हिस्सा है। उन्होंने कहा, "प्रथम दृष्टया यह मामला जहर दिए जाने का प्रतीत होता है। यह निश्चित रूप से प्राकृतिक मौत नहीं है।"

गाय के शिकार से जुड़ी आशंका

ऐसा बताया जा रहा है कि बाघिन ने संभवतः पास के गांव से एक गाय का शिकार किया और उसका मांस जंगल में ले जाकर खाया। आशंका है कि कुछ ग्रामीणों ने बचा हुआ मांस जहर देकर वहीं छोड़ दिया, जिसे बाघिन और उसके शावकों ने बाद में खाया और उनकी मौत हो गई।

सरकार ने जांच के दिए आदेश

कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खांद्रे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन दिनों में रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा, "पांच बाघों की एक दिन में मौत होना बेहद चिंताजनक है। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।" मामले की जांच मुख्य प्रधान वन संरक्षक द्वारा की जाएगी। उन्हें तत्काल घटना स्थल पर जाकर विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

जहर देकर मारने की आशंका

कर्नाटक में बाघों की दूसरी सबसे अधिक आबादी

कर्नाटक देश में 563 बाघों के साथ दूसरा सबसे बड़ा बाघों वाला राज्य है। ऐसे में पांच बाघों की एक साथ मौत ने राज्य की बाघ संरक्षण नीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि एमएम हिल्स अभयारण्य 906 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह बाघों, तेंदुओं, हाथियों और कई अन्य प्रजातियों का घर है। इस क्षेत्र को टाइगर रिजर्व घोषित करने का प्रस्ताव 2023 विधानसभा चुनाव से पहले दिया गया था, लेकिन तब से यह योजना ठंडे बस्ते में है।

नशे में धुत्त महिला ने रेल पटरी पर चलाई कार

कई घंटें रुकी रहीं ट्रेनें

नई दिल्ली। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के पास एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। इससे रेलवे कर्मचारी और यात्री हैरान हो गए। दरअसल, रंगारेड्डी जिले में शंकरपल्ली के पास एक 34 वर्षीय महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ा दिया, जिससे बेंगलुरु-हैदराबाद रेल मार्ग पर सेवाएं अस्थायी रूप से ठप हो गईं। इस विचित्र घटना का 13 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें महिला की किआ सोनेट कार रेल की पटरियों पर तेजी से दौड़ती दिख रही है। महिला नशे में थी और उसने रेलवे कर्मचारियों की ओर से उसे रोकने के प्रयासों को नजरअंदाज कर दिया और सरपट कार दौड़ाती रही। घटना गुरुवार सुबह कोडंगल गेट के पास हुई, जब महिला ने नरसिंगी से कोडंगल पहुंचकर अपनी कार को रेलवे गेट पार करने के बजाय ट्रैक पर मोड़ दिया। उसने करीब 6-7 किलोमीटर तक कार चलाई, जिससे रेलवे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने कथित तौर पर चाकू से धमकी दी और पत्थर फेंके।

यमुनानगर में NIA की 2 जगह रेड

10 लाख के इनामी गैंगस्टर के घर की घंटों पूछताछ

यमुनानगर। हरियाणा भर में 9 जगह NIA ने छापेमारी की गई। यमुनानगर में भी 10 लाख के इनामी कुलबीर सिंह सिद्धू और चंदा खेड़ी निवासी जॉनी के घर पर छापेमारी की गई। दोनों ही जगह NIA ने परिवार के लोगों से घंटों पूछताछ करती रही। यमुनानगर के गांव खरवान में 10 लाख के इनामी कुलबीर सिंह संधू जिसके एनआईए ने पोस्टर तक लगाए थे। उसके परिवार से कई घंटे तक पूछताछ की गई तो वहीं दूसरी तरफ जिले के कस्बा बिलासपुर के गांव चंदाखेड़ी के जॉनी से भी पूछताछ की जा रही थी। जॉनी पर आरोप है कि उसके विदेश में बैठे कुछ गैंगस्टर से संपर्क है और कुछ पैसे की भी ट्रांजेक्शन हुई हैं। इस पूरे मामले को लेकर एजेंसी से पूछताछ कर रही थी। दूसरी तरफ कुलबीर सिंह संधू के परिवार के लोगों से कई घंटे तक पूछताछ चलती रही। वहीं कुलबीर सिंह संधू के परिवार का कहना है कि उसका परिवार से कोई लेना देना ही नहीं है, उन्होंने कुलबीर को बेदखल कर रखा है।

पिद्दी से ड्रोन से तबाही मचाएगा चीन

खास मिशन के लिए तैयार कर रहा हथियार

नई दिल्ली। चीन ने हाल ही में एक ऐसे ड्रोन का नमूना पेश किया है जो ड्रोन की दुनिया में तहलका मचा सकता है। चीन अपने खास मिशनों को अंजाम देने के लिए ऐसे ड्रोन विकसित करने जा रहा है, जिसका आकार मच्छर से भी छोटा होगा। विशेषज्ञ इसके छोटे आकार और पहुंच को लेकर पहले से ही चेतावनी जारी कर रहे हैं। बीते दिनों चीन की सरकारी मीडिया ने इससे जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वैज्ञानिक मच्छर जैसे रोबोट को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि ये ड्रोंस कई तरह की सैन्य और दूसरे मिशनों के लिए उपयुक्त होंगे। विशेषज्ञों का मानना

है कि ऐसे ड्रोन का इस्तेमाल लोगों की निजी बातचीत सुनने, लोगों को ट्रैक करने या पासवर्ड चुराने के लिए किया जा सकता है।

रक्षा मामलों के विशेषज्ञ टिमोथी हीथ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उपकरणों का उपयोग पासवर्ड जैसी व्यक्तिगत जानकारी चुराने के लिए किया जा सकता है। वहीं गूगल के साथ काम कर चुकीं ट्रेसी फॉलोज ने चेताया है कि ड्रोन के साथ खतरनाक चीजों को ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह संभव है कि इसके जरिए घातक वायरस भी भेजे जा सकते हैं। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि यह इसीलिए अधिक खतरनाक है क्योंकि यह दिखने में किसी आम मच्छर या कीड़े की तरह ही नजर आएगा।

भागवत कथा हर हिंदू का अधिकार लेकिन...

इटावा पर काशी विद्वत परिषद ने की यह मांग

महानगर नेटवर्क

वाराणसी

इटावा में गैर ब्राह्मण होने के कारण भागवताचार्य से दुर्व्यवहार को लेकर काशी विद्वत परिषद ने गुरुवार को बैठक बुलाकर इस पर चर्चा की। परिषद के अध्यक्ष पद्मभूषण प्रोफेसर वशिष्ठ त्रिपाठी की अध्यक्षता में उनके आवास पर आयोजित हुई बैठक में सर्वसम्मति से इटावा की घटना की निंदा की गई। यादव होने के कारण कथावाचक के साथ हुई घटना को लेकर कहा कि भागवत कथा का हर हिंदू को अधिकार है लेकिन असत्य से बचना चाहिए। हमारे सनातन हिंदू समाज में यदुवंशियों को अत्यंत ही सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। कुछ लोग राजनैतिक लाभ के लिए हिंदुओं को आपस में लड़वाने की कोशिश कर रहे हैं। यह हिंदुओं को आपस में समझना चाहिए। इस तरह की घटनाओं के बाद किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। परिषद के महामंत्री प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि हमारी सनातन परंपरा में पहले भी तमाम ब्राह्मणेतर लोग हुए हैं, जिनकी

गणना ऋषि तुल्य की गई है। चाहे महर्षि वाल्मीकि हों, चाहे वेदव्यास हों, चाहे रविदास हों, चाहे रैदास हों। सभी लोगों को सनातन परंपरा में सम्मान और आदर प्राप्त हुआ है। भागवत की चर्चा यानी भगवान की चर्चा करने का सभी हिंदुओं को अधिकार है। किसी को भी इस तरह से रोका नहीं जा सकता। इसके साथ ही कहा कि दुख इस बात का भी है कि कुछ तथाकथित व्यास लोगों ने व्यास पीठ को हिंदू होते हुए भी समय-समय पर कलंकित करने का कार्य किया है। इससे व्यास पीठ बदनाम हुई है।

डीके शिवकुमार की प्रदेश अध्यक्ष के पद से होगी छुट्टी?

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की इच्छा राज्य का मुख्यमंत्री बनने की है लेकिन अब कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटा सकता है। कांग्रेस हाईकमान ने राज्य के पार्टी संगठन में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताना होगा कि डीके शिवकुमार करीब 5 साल से प्रदेश अध्यक्ष के पद पर हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दिल्ली के दौरे पर गए और इस दौरान उनके साथ मौजूद एक सूत्र ने बताया कि हाईकमान के साथ कांग्रेस के संगठन के मामलों को लेकर चर्चा हुई। सूत्र ने कहा, 'हाईकमान ने इस मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदलने के विकल्प पर विचार कर रहा है।'

सरकार गिराने के लिए भाजपा ने हमारी पार्टी में बांटे थे पैसे : गहलोत

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर में सरकारें गिराने की 'साज़िशी राजनीति' में बीजेपी ने कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन राजस्थान एकमात्र राज्य रहा जहां यह साजिश कामयाब नहीं हो सकी। गहलोत का दावा है कि मोदी सरकार में गृह मंत्री अमित शाह, मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत जैसे नेताओं ने मिलकर राजस्थान सरकार को गिराने का प्रयास किया, लेकिन

मेरे पास इसके सबूत हैं, मेरी सरकार गिराने की साजिश रची थी

कांग्रेस ने उसे विफल कर दिया। गहलोत बोले – "ये षड्यंत्र इन्होंने किया था, पैसे बांटे गए थे, हमारे पास सबूत हैं। कांग्रेस में रिवोल्ट करवाया गया, लेकिन हमने हार नहीं मानी। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक में इन्होंने सरकारें गिरा दीं लेकिन राजस्थान को नहीं हिला सके।" उन्होंने दावा किया कि हॉर्स ट्रेडिंग के जरिए जनादेश को लूटा गया और लोकतंत्र की जड़ें हिलाने का काम बीजेपी ने किया।

गहलोत ने ये बात तब कही जब देश में 'संविधान दिवस' जैसे कार्यक्रम मनाए जा रहे हैं। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा – "संविधान बचाओ का दिवस मना रहे हैं और खुद लोकतंत्र को कुचल रहे हैं।

भारत में डेंटिस्ट्स के पास जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में लगभग 100% परिवारों में टूथपेस्ट का उपयोग होता है, लेकिन ओरल केयर के क्षेत्र में अभी भी बहुत संभावनाएं हैं। ओरल केयर में वो आसान दैनिक आदतें शामिल हैं, जो बिना खर्च लंबे समय तक ओरल हेल्थ बनाकर रखती हैं। भारत में 90%* लोगों को दांतों की समस्या है, लेकिन डेंटिस्ट से नियमित जांच केवल 9% लोग ही कराते हैं। इसलिए इस महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत शुरू करना और इस बारे में कार्रवाई करना आवश्यक था। मौजूदा और आदर्श व्यवहार के बीच के अंतर को दूर करने के लिए कोलगेट ने नवंबर 2024 में ओरल हेल्थ मूवमेंट शुरू किया। इस पहल में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से लाखों भारतीयों को सशक्त बनाया गया। उन्हें अपने मोबाइल फोन से ओरल हेल्थ की जांच करने में समर्थ बनाया गया, तथा इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) के साथ साझेदारी में 50,000 डेंटिस्ट्स का नेटवर्क विकसित किया गया, ताकि उनका फ्री डेंटल चेक-अप किया जा सके। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड आठ दशक से अधिक समय से भारत में ओरल केयर क्रांति ला रहा है। कंपनी देश में ओरल हेल्थ में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पनवेल महानगरपालिका

जाहिर ई निविदा

regarding approving the rates of open gym materials for the year 2025-2026, 2026-2027 and 2027-2028 for 3 years as per requirement of panvel municipal corporation Available at www.mahatender.gov.in

जा.क्र. पमपा/भांडार/3325/प्र.क्र.1/476/2025
दिनांक :- 25/06/2025

सही/-
(गणेश शेटे)
अतिरिक्त आयुक्त
पनवेल महानगरपालिका

MACHINE FOR SALE

MACHINE	MODEL	REGN. NO.
JCB BACKHOE LOADER- 3DX	2022	MH-46-CE-7342
JCB BACKHOE LOADER- 3DX	2022	MH-46-CE-7345
MACHINE	**MODEL**	**SERIAL NO.**
SANY CRAWLER CRANE	2023	CC0085CD0300

IN AS IS WHERE IS CONDITION
: Contact :
SUNDARAM FINANCE LTD., CHEMBUR
Tel:- 022 25220160 Mob.- 8108637313
WITHIN 7 WORKING DAYS

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग: मुख्य अभियंता (यांत्रिक व विद्युत)
क्रमांक: ई.ई. मेक./ईआई/1982/मेंटेनन्स, दिनांक: 26.06.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई मनपा के आयुक्त पात्र बोलीकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित करते हैं. बोली आरंभ होने की तिथि व समय तथा समाप्ति की तिथि व समय बीएमसी की वेबसाइट के निविदा अनुभाग और महा-टेन्डर पोर्टल पर विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है.

अ.क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम
1	2025_एमसीजीएम_1194415_1	बीएमसी के विभिन्न स्थानों के उपयोग हेतु सुविधाओं का उन्नयन एवं संवर्धन.

इच्छुक निविदाकार अधिक जानकारी के लिए बीएमसी की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर अवश्य जाएं.

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता यांत्रिक (ईआई) मेंटेनन्स

पीआरओ/813/विज्ञा./2025-26

चलिये, एकजुट होकर मुंबई को मलेरिया मुक्त करें

PUBLIC NOTICE

I, Prof. Dr. Bomsi Jamshed Wadia, aged 90 years, residing at Patel Chambers, French Bridge, Opera House, Mumbai, hereby make the following public declaration, out of my own free will, sound mind, and without any pressure, coercion, or undue influence from any individual.

At the above stated my residence place, I am staying here since my birth and after death of my parents i am became owner of the all properties including this property. This is my fixed and permanent residence. My only younger sister Named Maki Shiamak Marshall (Maki Jamshed Wadia) used to visit my residence place however she is no more now. Except Mr. Rajeev Bharat Jha no one has taking care of my all daily requirement from the last 26 years.

Mr. Rajeev Bharat Jha now aged about 43 years join our family way back in the year 1999 as our family servant and since then he is a part of our family and looking after me since last 26 years years.

Mr. Rajeev Bharat Jha has been an integral part of my life for the past 26 years, and has stood by me with love, devotion, and dignity throughout these years. He has looked after me not just as a caregiver, but with the deep emotional bond and responsibility of a devoted son. Hence, I have decided to legally adopt Mr. Rajeev Bharat Jha as my son.

During the most challenging period of my life, when I was suffering from a serious illness and was completely bedridden, Mr. Rajeev Bharat Jha selflessly took care of me. He attended to all my needs with unwavering dedication — from helping me with daily personal hygiene, changing my clothes, bathing me, to assisting me with natural calls. His care and compassion during those years not only supported me physically, but emotionally strengthened me as well. Mr. Rajeev Bharat Jha has 2 children of age :- 5 years and 4 years old and Named Jignesh Rajeev Jha and Janvi Rajeev Jha Respectively. Both the children treat me as their grandfather and bring great joy and companionship into my life. I have developed a deep familial bond with Mr. Rajeev Bharat Jha and his entire family.

I was born into a progressive and educated family, where my parents instilled in me the values of humanity, compassion, and mutual respect. They never forced religious customs or rituals upon me and taught me to treat all individuals with dignity, irrespective of caste, creed, or background.

When I turned 18, I made a conscious decision to adopt the principles enshrined in the Indian Constitution as my way of life. Since that day, I have lived as a law-abiding Indian citizen, adhering to the values of justice, equality, and secularism. My decisions are guided by ethical responsibility, and this adoption is no exception.

I hereby place on record that I was present at the time of birth and personally assisted in the delivery of my sister Maki's children, namely Kamal, Kayan, and Navroze. It has been a matter of great personal pride and joy for me to have witnessed and participated in the significant milestones of their lives, including their respective marriages to Imran Panju, Jamshed Pandole, and Parizad Colah. Each of them is now blessed with two children, including, inter alia, Nihad snd Samina, Tiana and Zane, Deanne and Mikhail. Furthermore, I have duly executed and registered my last will and testament, in which I have appointed Navroze as the sole executor to administer my estate in accordance with the terms set forth therein.

Therefore, after careful thought and due consideration, I hereby declare that Mr. Rajeev Bharat Jha shall be my legally adopted son, and he shall be treated as such for all practical, social, and legal purposes.

Any individual, family member, legal heir, institution, or other concerned party who may have any objection, query, or concern regarding this declaration and my decision, is hereby invited to contact me **within 15 days from the date of publication of this notice, at the following contact details:**
Contact Number:- 07977928588
Email ID:- bjwadia@gmail.com
After the expiration of the said 15-day period, no claims or objections will be entertained, and my decision shall be considered final and binding. This declaration is being made transparently and published publicly to avoid any future misunderstandings or disputes.

Sd/-
Prof. Dr. Bomsi Jamshed Wadia
Date: 27/06/2025 Place: Mumbai

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से जुड़ी खास बातें

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून 2025 को निकाली जाएगी। रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर पुरी नगर से गुजरते हुए गुंडीचा मंदिर पहुंचती है। यहां भगवान जगन्नाथ, बलरामजी और बहन सुभद्रा सात दिन विश्राम करते हैं। गुंडीचा मंदिर भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, देवशिल्पी विश्वकर्मा ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं का निर्माण किया था। आषाढ़ मास के दसवें दिन सभी रथ फिर से मुख्य मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। रथों की वापसी की रस्म को बहुड़ा यात्रा कहा जाता है।

रथ यात्रा से पहले बंद किए जाते हैं भक्तों के लिए मंदिर के कपाट

हर साल रथ यात्रा से पहले ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा से लेकर अमावस्या तक प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ते हैं। भक्तों के लिए मंदिर के कपाट एक पखवाड़े तक बंद कर दिए जाते हैं। जिसे मंदिर की भाषा में अनुसार कहा जाता है। इस अवधि में भगवान के दर्शन बंद रहते हैं व भगवान को जड़ी बूटियों के काढ़े का भोग लगाया जाता है। यह परंपरा हजारों साल से चली आ रही है। भगवान रथयात्रा से एक दिन पहले स्वस्थ होते हैं। तब उन्हें मंदिर के गर्भ गृह में वापस लाया जाता है। सात जुलाई को भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी रोहिणी से भेंट करने जाते हैं यहां तरह-तरह के पकवान से प्रभु को भोग लगाया जाता है। भगवान यहां नौ दिन तक रहते हैं और उसके बाद अपनी मौसी के घर से वापस अपने मंदिर में लौट आयेंगे।

रथ यात्रा से जुड़ी खास बातें

तीन अलग-अलग रथ बनते है
पुरी में रथयात्रा के लिए भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम व बहन सुभद्रा के लिए तीन अलग-अलग रथ बनाए जाते हैं।

सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ का रथ
रथयात्रा में सबसे आगे बलराम जी का रथ, बीच में देवी सुभद्रा का रथ और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ का रथ होता है।

हर रथ को अलग नाम से जाना जाता है
बलराम के रथ को 'तालध्वज' कहते हैं। जिसका रंग लाल और हरा होता है। देवी सुभद्रा के रथ को 'पद्म रथ' या 'दर्पदलन' कहा जाता है, जो काले और लाल रंग का होता है। भगवान जगन्नाथ के रथ को 'गरुड़ध्वज' या 'नंदीघोष' कहते हैं, जो कि लाल और पीला होता है।

नीम की लकड़ियों से बनाए जाते हैं रथ
सभी रथ नीम की लकड़ियों से तैयार किए जाते हैं। जिसे 'दारु' कहते हैं। इसके लिए जगन्नाथ मंदिर में एक खास समिति का निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ 45 .6 फीट ऊंचा, बलराम जी का रथ 45 फीट और देवी सुभद्रा का रथ 44 .6 फीट ऊंचा होता है।

सुबह उठते किन चीजों को देखना माना जाता है अशुभ?

भारत में पुरानी परंपराएं और शास्त्रीय मान्यताएं सुबह की शुरुआत को दिन के संपूर्ण प्रभाव से जोड़कर देखती हैं। ऐसा माना जाता है कि यदि सुबह उठते ही कुछ विशेष चीजें या दृश्य दिख जाएं, तो वे दिनभर के लिए अशुभ संकेत हो सकते हैं। ज्योतिष, वास्तु और धर्मशास्त्रों में इन संकेतों का विशेष उल्लेख मिलता है। आइए जानते हैं कि कौन-सी चीजें हैं जिन्हें सुबह उठते ही देखना शुभ नहीं माना जाता है। किन चीजों को देखना माना जाता है अशुभ?

टूटा हुआ शीशा या बिखरी हुई चीजें

सुबह-सुबह टूटा हुआ शीशा देखना या घर में बिखरी हुई, अस्त-व्यस्त चीजें देखना नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। यह दर्शाता है कि दिन की शुरुआत ही किसी प्रकार की अशांति या अव्यवस्था के साथ हो रही है। वास्तु शास्त्र में भी घर को व्यवस्थित रखने पर जोर दिया जाता है, खासकर सुबह के समय।

खाली बर्तन या कचरे का ढेर

रसोई में सुबह उठते ही खाली बर्तन देखना या घर के बाहर कचरे का ढेर देखना भी कुछ लोग अशुभ मानते हैं। खाली बर्तन अक्सर कमी या दरिद्रता का प्रतीक होते हैं, जबकि कचरे का ढेर नकारात्मक ऊर्जा और गंदगी को दर्शाता है।

हिंसक या डरावने सपने

हालांकि यह कोई चीज नहीं है जिसे आप "देखते" हैं, लेकिन अगर सुबह आंख खुलने से ठीक पहले आपको कोई बहुत ही हिंसक, डरावना या परेशान करने वाला सपना आया हो, तो उसका प्रभाव दिन भर आपके मन पर रह सकता है। ऐसे सपने अक्सर मन की अशांति या आने वाली किसी चुनौती का प्रतीक माने जाते हैं।

किसी का झगड़ते हुए दिखना

यदि आंख खुलते ही या घर से निकलते ही किसी को गुस्से में या लड़ते-झगड़ते हुए देखें, तो यह मानसिक अशांति और दिनभर के विवादों का संकेत हो सकता है।

किसी बीमार व्यक्ति का दिखना

कुछ लोग सुबह-सुबह किसी बहुत बीमार या लाचार व्यक्ति को देखना भी अच्छा नहीं मानते, क्योंकि यह उन्हें दिन भर के लिए निराशा या नकारात्मकता से भर सकता है।

क्या करें अगर दिख जाएं ये चीजें?

सकारात्मक सोच: सबसे महत्वपूर्ण है अपनी सोच को सकारात्मक रखना। सुबह उठकर भगवान का नाम लें या अपने पसंदीदा प्रेरक विचार को याद करें।

स्वच्छता और व्यवस्था: अपने आसपास की चीजों को व्यवस्थित करें। अगर कुछ बिखरा हुआ है तो उसे ठीक करें।

मानसून में क्यों बढ़ता है आंखों का इन्फेक्शन?

मानसून के समय हवा में नमी रहती है, जिसके कारण हवा में गंदगी रह जाती है। इसी गंदगी के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं जिससे आंखों में Conjunctivitis होने का खतरा भी बढ़ जाता है। डॉक्टरों के अनुसार कुछ 5 आसान घरेलू टिप्स इस आर्टिकल में आपको बता रहे हैं जिनसे आंखों में इन्फेक्शन होने के खतरे को टाल सकते हैं। मानसून का मौसम अपने साथ ठंडक और राहत तो लाता है, लेकिन साथ ही बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। खासकर आंखों के संक्रमण का। आइए समझते हैं कि ऐसा क्यों होता है। इस बारे में दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में आई डिपार्टमेंट में डॉ. एके ग्रोवर ने बताया है। डॉ. ग्रोवर बताते हैं किमानसून में हवा में नमी बहुत बढ़ जाती है। ये नमी बैक्टीरिया और वायरस को तेजी से पनपने का मौका देती है, जो आंखों में इन्फेक्शन का कारण बनते हैं।

गंदा पानी और जलजमाव

बारिश के कारण जगह-जगह पानी भर जाता है जो अक्सर गंदा होता अगर ये पानी सीधे या हाथों के ज़रिए आंखों तक पहुंचता है, तो इंफेक्शन हो सकता है। ऐसे में आपको आंखों की देखभाल करना जरूरी है। आंखों को मानसून में संक्रमण से बचाव के लिए ये 5 घरेलू टिप्स आप अपना सकते हैं।

1 आंखों को बार-बार न छुएं
हाथ अगर साफ नहीं है तो आंखों को बार-बार न छुएं। गंदे हाथ इन्फेक्शन को बुलावा देते हैं। अगर आंखों को छूना जरूरी है तो पहले साबुन से अच्छे से हाथ धो लें।

2 सामान साझा न करें
किसी का रूमाल, तौलिया, चश्मा, आई ड्रॉप या मेकअप यूज़ करना आंख आने की बीमारी को बहुत तेजी से फैल सकता है। यह एक संक्रामक रोग है, इसलिए आंखों के लिए अपना सामान ही इस्तेमाल करें।

3 मानसून में गंदे हाथों का इस्तेमाल
मानसून में अगर आप गंदे हाथों से Eye Makeup या लेंस लगाते हैं, तो आंखों में बैक्टीरिया पहुंच सकते हैं और इन्फेक्शन हो सकता है। हाथों को हमेशा साबुन से धोकर साफ रखें।

4 कॉन्टैक्ट लेंस की लापरवाही
मानसून में अगर कॉन्टैक्ट लेंस को सही से साफ न किया जाए या लंबे समय तक पहना जाए, तो बैक्टीरिया आंखों में संक्रमण फैला सकते हैं। आंखों से संबंधित सभी सामान की सफाई करते रहें।

5 खुद से कोई भी आई ड्रॉप आंखों में न डालें
अगर आंखों में तेज जलन, पानी आना, लालिमा या सूजन महसूस हो तो डॉक्टर से तुरंत सलाह लें। खुद से दवा या आई ड्रॉप न डालें।

सबसे खराब साबित हो सकती हैं खाने की ये चीजें

बॉडी में इंफ्लेमेशन कई सारी समस्याओं की जड़ होता है। वैसे तो बॉडी में इन्फ्लेमेशन अच्छा होता है क्योंकि ये बाहरी नुकसान से शरीर को फाइट करने में मदद करता है। जैसे कभी इंफेक्शन हो गया या फिर चोट लग गई तो बॉडी में एंटीबॉडीज और प्रोटीन बनते हैं जो ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर इसे ठीक करते हैं। लेकिन अगर क्रॉनिक इन्फ्लेमेशन हो गया तो ये शरीर के टिश्यू और ऑर्गंस पर निगेटिव इफेक्ट डालता है। क्रॉनिक सूजन की वजह से कैंसर से लेकर स्ट्रोक तक होने का डर रहता है। शरीर में अगर क्रॉनिक इन्फ्लेमेशन यानी सूजन हो रही है तो इसके कुछ लक्षण हैं जो बिल्कुल साफ दिखते हैं और आसानी से पता लगाया जा सकता है कि बॉडी में सूजन हो गई है।

खाने की इन चीजों से शरीर में बढ़ता है

होल व्हीट ब्रेड
होल व्हीट ब्रेड को काफी सारे लोग हेल्दी समझकर खाते हैं। लेकिन ये कई सारे लोगों में इन्फ्लेमेशन बढ़ा देती है। रिसर्च के मुताबिक ग्लूटन और खास तरह के प्रोटीन शरीर में लो ग्रेड इन्फ्लेमेशन को ट्रिगर करते हैं। एक तरह से जिन लोगों को गेंहू से संसेटिविटी रहती है या उन्हें व्हीट इन्टोलेरेंस के बारे में नहीं पता होता। उन्हें होल व्हीट ब्रेड से इन्फ्लेमेशन हो जाती है।

फ्राईड फूड्स
फ्राईड फूड्स फ्रेंच फ्राईज, फ्राईड चिकन, प्याज के पकौड़े अक्सर खाते रहते हैं तो सावधान रहें। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन 2023 की रिपोर्ट के अनुसार कमर्शियल फ्राईंग के लिए जो तेल यूज होता है खासतौर जब इसे दोबारा यूज करते हैं तो खास तरह का कंपाउंड प्रोड्यूस करता है जिसे एडवांस ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स कहते हैं।

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स
कुछ लोगों में दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स को खाने की वजह से भी इन्फ्लेमेशन हो जाता है। खासतौर पर जिन लोगों को लेक्टोज इनटोलेरेंस की समस्या है उनमे डेयरी इम्यून सिस्टम को ट्रिगर करता है और बॉडी में इन्फ्लेमेशन होता है। हालांकि ये इन्फ्लेमेशन लो लेवल का होता है। जिसकी वजह से ब्लॉटिंग, स्किन में सूजन और ज्वाइंट्स में स्टिफनेस हो जाती है। वहीं फुल फैट मिल्क में हाई सैचुरेटेड फैट होता है जो इन्फ्लेशन से लिंक है।

रिफाइंड शुगर
सोडा ड्रिंक, टॉफी, कैंडी और कई सारे मीठे पैक्डफूड को खाने से इन्फ्लेमेशन तेजी से बढ़ती है बॉडी में। ज्यादा मात्रा में शुगर खाने से ब्लड ग्लूकोज तेजी से स्पाइक होता है और बॉडी में इन्फ्लेमेशन होता है।

आर्टीफिशियल स्वीटनर
चीनी की जगह अगर आर्टीफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करते हैं तो ये कुछ लोगों में गट बैक्टीरिया को बढ़ाने के साथ ही इन्फ्लेशन को भी बढ़ा देते हैं।

क्रिस्पी कॉर्न

स्वादिष्ट क्रिस्पी कॉर्न बनाने का सामान

कॉर्न – 2 कप, मैदा – 3 टेबलस्पून (कॉर्न फ्लोर भी चलेगा), लाल मिर्च पाउडर – 1/2 टीस्पून, शिमला मिर्च, हरा प्याज, प्याज, नींबू का रस, हल्का गरम मसाला – 1/4 टीस्पून, चाट मसाला, नमक – स्वादानुसार, हरा धनिया – 2 टेबलस्पून, तेल – तलने के लिए

क्रिस्पी कॉर्न बनाने की विधि

अगर आप क्रिस्पी कॉर्न बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले कॉर्न को अच्छी तरह से धो लें। इसके बाद एक भगोने में पानी लें और उसमें नमक डालें। पानी उबलने के बाद इसमें कॉर्न डालें। जब ये हल्का उबल जाए तो इसे निकाल लें। कॉर्न को अब ठंडा होने दें।

इसके बाद एक कटोरे में मैदा निकालें। मैदा नहीं है तो कॉर्न फ्लोर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ये लेने के बाद मैदा में लाल मिर्च पाउडर, हल्का गरम मसाला, नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। इसमें थोड़ा सा पानी डालकर गाढ़ा घोल बनाएं।

जब ये घोल तैयार हो जाए तो इसमें उबले हुए कॉर्न डालें, ताकि कॉर्न पर एक कोट बन जाए। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। तेल के गरम होने के बाद कॉर्न को घोल में डुबोकर गरम तेल में डालें। अब इसे मध्यम आंच पर सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। जब ये सुनहरा हो जाए तो इसे कड़ाही से निकालकर टिश्यू पेपर पर रख लें, ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। जब तक ये ड्राई हो रहा है, तब तक प्याज, शिमला मिर्च को एकदम महीन-महीने काट लें। इसके बाद एक कटोरे में तले हुए कॉर्न लेकर उसमें बारीक कटी शिमला मिर्च और प्याज डालें। इसके बाद थोड़ा चाट मसाला, हल्का नमक डालें और फिर आखिर में नींबू का रस डाल दें। परोसने से पहले बारीक कटा हरा प्याज डालें और फिर हरे धनिये की चटनी या टमाटर सॉस के साथ गरमा गरम क्रिस्पी कॉर्न सर्व करें।

स्ट्रेस को कम करने के लिए करें योगासन

स्ट्रेस का होना अब कोई नई बात नहीं है बल्कि ये हमारे रूटीन का हिस्सा बन गया है। मानसिक तनाव को कम न किया जाए तो ये एक प्रॉब्लम बढ़कर डिप्रेशन का रूप ले लेती है। छुटकारा पाने के लिए दवाओं को खाने के बजाय योग की मदद ली जा सकती है। बीते सालों में योग करने से करोड़ों लोगों को सेहत में दोगुने फायदे मिले हैं। ये नेचुरली स्ट्रेस को कम करके हमें हेल्दी लाइफ जीने में मदद करता है। तो आइए जानते हैं कि ऐसे कौन-से योगासन हैं जिन्हें करने से स्ट्रेस कम हो सकता है और इस पर एक्सपर्ट की क्या राय है ये भी समझते हैं।

बालासन है बेस्ट

अगर आप स्ट्रेस की समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको बालासन करना चाहिए। ये मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। बालासन को करने के लिए सबसे पहले घुटने के बल बैठ जाएं फिर अपनी एड़ियों को आपस में जोड़ ले और सांस अंदर की तरफ लेते हुए दोनों हाथों को पहले ऊपर की तरफ उठाएं फिर इसके बाद सांस को बाहर छोड़ते हुए आगे की तरफ झुकें और 5 मिनट तक इसी अवस्था में रहें। इस योगासन को करने से आपका माइंड रिलैक्स्ड रहता है।

मार्जरी आसन या कैट काऊ पोज

कैट-काऊ पोज तनाव को कम करने के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे करने के लिए आपको ज़मीन पर घुटने टेक कर बैठना होगा फिर अपने हाथों को अपने सामने ज़मीन पर रखें। फिर अपनी पीठ को नीचे की ओर झुकाएं और अपने सिर को ऊपर लाते हुए गहरी सांस लें। इस आसन में आपको गाय की तरह बैठना होगा। हेल्थलाइन के मुताबिक ये आसन स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है।

सुखासन करने से मिलेगा लाभ

सुखासन स्ट्रेस को कम करने में हेल्प करता है। इसे करने के लिए आप पालथी मारकर बैठ जाएं फिर इसके बाद आंखों को बंद करके गहरी सांस लें और कुछ मिनट तक इस आसन पर बैठ जाएं। इस आसन में आपको कमर, गर्दन और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखना चाहिए। अगर आपको भी छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव होता है तो ये आसन आपके लिए बेस्ट है।

कपालभाति स्ट्रेस को करता है कम

कपालभाति प्राणायाम आपकी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इसे करने के लिए आप सुखासन में बैठें, रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें और गहरी सांस ले। इसमें आप पेट को अंदर की ओर खींचते हुए सांस लें और फिर सांस छोडें। ये आसन आपके शरीर को बैलेंस्ड रखने के साथ-साथ स्ट्रेस को भी कम करता है।

वर्ल्ड कप से पहले ही भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

हैदराबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला करके पड़ोसी देश को सबक सिखाया था, क्योंकि भारत का मानना था कि पहलगाम में पाकिस्तान ने आतंकी हमले कराए थे, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिस से दोनों देशों के बीच तनाव काफी ज्यादा बढ़ गया, और दोनों देशों को अपने क्रिकेट लीग को भी एक हफ्ते के लिए स्थगित करना पड़ा। वैसे तो दोनों देशों के बीच युद्ध ज्यादा दिनों तक नहीं चला, तीन दिन बाद ही सीजफायर का ऐलान कर दिया गया, लेकिन इस तनाव का असर खेल पर भी पड़ा और दोनों देशों के खिलाड़ी एक दूसरे के देश में जाने से मना कर दिया, जिसकी वजह से कई खेल को न्यूट्रल वेन्यू पर ट्रांसफर करना पड़ा। युद्ध के बाद पहली बार भारत-पाकिस्तान होंगे आमने सामनेः लेकिन अब युद्ध के एक महीने बाद भारत-पाकिस्तान एक बार फिर क्रिकेट के मैदान में आमने सामने आने वाले हैं। दरअसल वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) के दूसरे सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें एक बार फिर कई बड़े स्टार खिलाड़ी मैदान पर नजर आएंगे। इसका पहला सीजन 2024 में खेला गया था, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया था। आने वाला दूसरा सीजन 18 जुलाई से शुरू होगा और इसमें कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। जिसमें भारतीय और पाकिस्तानी टीमों का नाम भी शामिल है। पहले सीजन के फाइनल मैच में भारतीय चैंपियंस टीम ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर युवराज सिंह की कप्तानी में खिताब अपने नाम किया था। इस बार दोनों टीमें 20 जुलाई को लीग स्टेज के मुकाबलों में आमने-सामने होंगी।

भारत बनाम पाकिस्तान

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सीजन में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होने वाले मैच की बात करें तो यह मैच 20 जुलाई को एजबेस्टन के मैदान पर खेला जाएगा, जो भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे मैच शुरू होगा। इंडिया चैंपियंस टीम की बात करें तो इसमें युवराज सिंह कप्तान होंगे, उनके अलावा सुरेश रैना, हरभजन सिंह और मोहम्मद कैफ भी खेलते नजर आएंगे। जबकि पाकिस्तान की टीम में मिस्बाह उल हक, शाहिद अफरीदी, मोहम्मद आमिर और शोएब मलिक जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल हैं।

एबी डिविलियर्स भी खेलते नजर आएंगे

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सीजन में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज चैंपियंस की टीमें भी खेलेंगी। इसमें साउथ अफ्रीका की तरफ से एबी डिविलियर्स भी खेलते नजर आएंगे और इंग्लैंड की ओर से इयॉन मॉर्गन भी मैदान में उतरेंगे।

टूर्नामेंट में इंडिया चैंपियंस का पूरा शेड्यूल

इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस	20 जुलाई	एजबेस्टन
इंडिया चैंपियंस बनाम दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस	22 जुलाई	नॉर्थम्प्टन
इंडिया चैंपियंस बनाम ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस	26 जुलाई	लीड्स
इंडिया चैंपियंस बनाम इंग्लैंड चैंपियंस	27 जुलाई	लीड्स
इंडिया चैंपियंस बनाम वेस्टइंडीज चैंपियंस	29 जुलाई	लीसेस्टरशायर

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स की 6 टीमें

इंडिया चैंपियंसः युवराज सिंह (कप्तान), सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा, मोहम्मद कैफ, इरफान पठान, पार्थिव पटेल, विनय कुमार, हरभजन सिंह, प्रज्ञान ओझा, यूसुफ पठान, नमन ओझा, मुनाफ पटेल, रतिंदर सिंह सोढ़ी, आरपी सिंह, अशोक डिंडा।
पाकिस्तान चैंपियनः यूनिस खान (कप्तान), शाहिद अफरीदी, शोएब मलिक, मिस्बाह-उल-हक, इमरान नजीर, मोहम्मद हफीज, कामरान अकमल, सलमान बट, अब्दुल रज्जाक, वहाब रियाज, मोहम्मद आमिर, यासिर अराफात, सोहेल तनवीर, सईद अजमल, उमर गुल।
दक्षिण अफ्रीका चैंपियंसः एबी डिविलियर्स (कप्तान), हर्शल गिब्स, डेल स्टेन, एशवेल प्रिंस, जैक रूडोल्फ, जस्टिन ओनटॉंग, वर्नोन फिलेंडर, मोर्ने वान विक, रूडोल्फ वान डेर मेरवे, रयान मैकलेरन, अल्विरो पीटरसन, वेन पार्नेल, जोहान बोथा, इमरान लैन, इमरान लैन, जोहान।
वेस्टइंडीज चैंपियंसः डैरेन सैमी (कप्तान), ड्वेन ब्रावो, लेंडल सिमंस, क्रिस गेल, ड्वेन स्मिथ, मार्लोन सैमुअल्स, सुलेमान बेन, डेवोन स्मिथ, दिनेश रामदीन, रवि रामपॉल, सैमुअल बद्री, आंद्रे फ्लेचर, फिडेल एडवर्ड्स, टिनो बेस्ट, जेरोम टेलर।
ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस : ब्रेट ली (कप्तान), जॉर्ज बेली, डेविड हसी, कैलम फर्ग्यूसन, ब्रैड हैडिन, नाथन कूल्टर-नाइल, डर्क नैन्स, जेवियर डोहर्टी, कैमरून व्हाइट, डैन क्रिश्चियन, ट्रैविस बर्ट, बेन हिल्फेनहॉस, बेन डंक, जेम्स फॉल्कनर, शॉन टैट।
इंग्लैंड चैंपियंसः केविन पीटरसन (कप्तान), ओवैस शाह, क्रेग कीसवेटर, माइकल कारबेरी, ल्यूक राइट, रवि बोपारा, समित पटेल, मोंटी पनेसर, टिम ब्रेसनन, डैरेन मैडी, ग्रीम स्वान, इयान बेल, जोनाथन ट्रॉट, स्टीव हार्मिसन, जेड डर्नबैक।

शुभमन गिल के नाम जुड़ा अनचाहा रिकॉर्ड

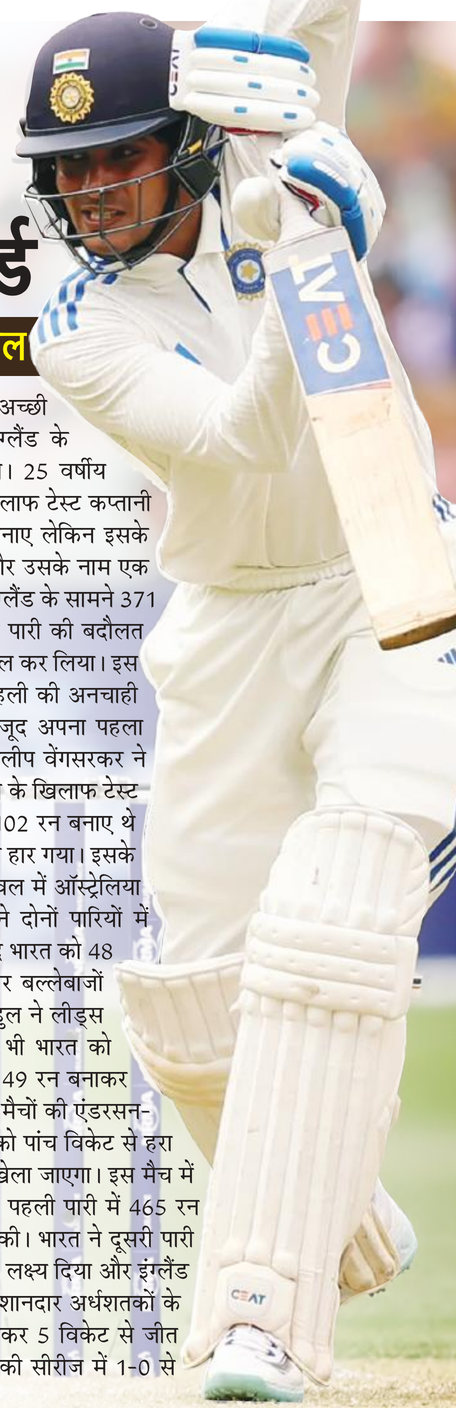

विराट कोहली के क्लब में हुए शामिल

नई दिल्ली। शुभमन गिल की कप्तानी की शुरुआत अच्छी नहीं रही है. उनके नेतृत्व में भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा। 25 वर्षीय शुभमन गिल ने 20 जून को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट कप्तानी की शुरुआत की। उन्होंने पहली पारी में 147 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद भारत को पांच विकेट से हार झेलनी पड़ी और उसके नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया भारत ने चौथी पारी में इंग्लैंड के सामने 371 रनों का लक्ष्य रखा था। बेन डकेट की 149 रन की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस हार के साथ गिल दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली की अनचाही सूची में शामिल हो गए। वह शतक बनाने के बावजूद अपना पहला टेस्ट हारने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन गए। दिलीप वेंगसरकर ने नवंबर 1987 में अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट कप्तानी की शुरुआत की थी। उन्होंने दूसरी पारी में 102 रन बनाए थे लेकिन उनके प्रयास बेकार गए और भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद विराट कोहली ने दिसंबर 2014 में एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट कप्तानी की शुरुआत की। उन्होंने दोनों पारियों में शतक (115 और 141) बनाए लेकिन इसके बावजूद भारत को 48 रनों से हार स्वीकार करनी पड़ी। भारत के लिए चार बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल ने लीड्स टेस्ट में पांच व्यक्तिगत शतक बनाए. लेकिन फिर भी भारत को हार का सामना करना पड़ा। बेन डकेट ने शानदार 149 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड ने मंगलवार को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच में भारत को पांच विकेट से हरा दिया। अब इस सीरीज का दूसरा टेस्ट 2 जुलाई को खेला जाएगा। इस मैच में भारत ने पहली पारी 471 रन बनाए और इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रन पर रोक दिया और 6 रनों की मामूली बढ़त हासिल की। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 का लक्ष्य दिया और इंग्लैंड ने बेन डकेट के शतक, जैक क्रॉली और जो रूट के शानदार अर्धशतकों के चलते 82 ओवर में 5 विकेट खोकर 373 रन बनाकर 5 विकेट से जीत हासिल कर ली। इस हार के साथ भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ गया है।

टेस्ट मैच में भी आया अब नया नियम

इस गलती पर फील्डिंग टीम पर लगेगा 5 रन का जुर्माना

नई दिल्ली। समय-समय पर अगर बदलाव होते रहे तो चीजें रोचक बनी रहती है। क्रिकेट की दुनिया में भी कुछ ऐसा ही है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी खेल में फैंस की रुचि बनाए रखने के लिए अकसर ऐसा करती रहती है। इस कड़ी में अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट में यह नियम पहले से मौजूद हैं। मैच समय पर खत्म करने और स्लो ओवर रेट से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है। टेस्ट क्रिकेट में स्लो ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के खत्म होने के एक मिनट के अंदर अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार वॉर्निंग मिलेगी मिलेंगी। याद हो तो इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को ऐसी वॉर्निंग दी थी।

बर्मिंघम में आज तक एक मैच नहीं जीता भारत

1967 से पड़ा है सूखा, गिल-गंभीर की जोड़ी कैसे करेगी पलटवार?

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना है। सीरीज का पहला मैच हारकर यहां पहुंची टीम इंडिया की नजरें इस मैच को जीतकर बराबरी करने पर होगी। हालांकि उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं रहने वाला है। अगर शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को सीरीज में 1-1 की बराबरी करनी है तो उन्हें एजबेस्टन के मैदान पर इतिहास रचना होगा। भारत ने 1967 में यहां पहला टेस्ट मैच खेला था, तब से लेकर आज तक टीम इंडिया यहां एक भी मैच नहीं जीत पाई है। जी हां, 58 सालों से इस मैदान पर टीम इंडिया अपनी पहली जीत को तरस रही है। बर्मिंघम के इस मैदान पर भारत ने पिछले 58 सालों में कुल 8 मैच खेले हैं जिसमें 7 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, वहीं एक मैच ड्रॉ रहा। यह ड्रॉ मैच भी टीम इंडिया ने 1986 में खेला था। बात 21वीं सदी में यहां टीम इंडिया के रिकॉर्ड की करें तो, 2001 के बाद से एजबेस्टन में भारत ने तीन मैच 2011, 2018 और 2022 में खेले हैं और तीनों हारे हैं। 2011 में भारत को पारी और 242 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं 2018 और 22 में टीम इंडिया ने 31 रन और 7 विकेट से मैच गंवाया था। भारत यहां कुल तीन मैच पारी के अंतर से हार चुका है। भारत को अगर एजबेस्टन टेस्ट जीतकर इतिहास रचना है तो रणनीति और प्लेइंग XI दोनों में बदलाव करने होंगे। जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड के चलते दूसरा टेस्ट खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। ऐसे में भारत का पेस अटैक काफी कमजोर हो जाएगा।

रिंकू सिंह समेत सात खिलाड़ियों को योगी सरकार ने दिया सरकारी नौकरी का तोहफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में रिंकू सिंह समेत 7 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का फैसला किया है। इन सभी खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीते हैं और उन्हें उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। रिंकू सिंह को बीएसए के पद पर शिक्षा विभाग में नियुक्त किया जा रहा है। अन्य खिलाड़ियों को भी अलग-अलग विभागों में नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों के लिए मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में चयन समिति की बैठक हुई थी। पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को डिप्टी एसपी के पद पर गृह विभाग में नियुक्त किया गया है। इसी तरह हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी डिप्टी एसपी के पद पर गृह विभाग में नियुक्त किया गया है। पैरा एथलीट अजीत सिंह को पंचायती राज विभाग में नियुक्त किया गया है। पैरा एथलीट सिमरन को भी जिला पंचायती राज अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

पैरा एथलीट प्रीति पाल बनीं विकास अधिकारी

एक अन्य पैरा एथलीट प्रीति पाल को विकास अधिकारी के पद पर ग्रामीण विकास विभाग में नियुक्त किया गया है। एथलीट किरन बालियान को क्षेत्रीय वन अधिकारी के पद पर वन विभाग में नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों की नियुक्ति तो कर दी है। संबंधित विभागों के नियमों के अनुसार खिलाड़ियों को अगले सात साल के अंदर अपने विभाग से जुड़ी सभी योग्यताएं पूरी करनी होंगी। ऐसा करने से उन्हें नौकरी में आगे प्रमोशन दिया जाएगा। यदि वे ऐसा नहीं कर पाए तो वे प्रमोशन के योग्य नहीं माने जाएंगे।

चार महीने पहले ही धड़ाधड़ बिक गए भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैचों के टिकट

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने किया कंफर्म

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच नवंबर में होने वाले दो इंटरनेशनल मैचों को देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं और यही वजह है कि चार महीने पहले ही सिडनी (वनडे मैच) और कैनबरा (टी-20 मैच) में होने वाले मुकाबले के लिए टिकट बिक चुके हैं। इस सीरीज को लेकर फैंस काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं और खासकर ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय बढ़चढ़ मैचों का टिकट खरीद रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली सफेद गेंद की सीरीज के आठ मैचों के लिए 90,000 टिकट बिक चुके हैं, जबकि दो सप्ताह पहले ही बुकिंग काउंटर खोले गए हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक बेची गई टिकटों में से 16 प्रतिशत से अधिक टिकटें भारतीय प्रशंसक क्लबों द्वारा खरीदी गईं, इस दौरान एक व्यक्ति ने सर्वाधिक टिकट खरीदने का रिकॉर्ड भी बनाया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कार्यकारी महाप्रबंधक (इवेंट्स एवं ऑपरेशन्स) कोएल मॉरिसन ने कहा कि सीरीज से चार महीने पहले एससीजी वनडे और मनुका ओवल टी-20 के लिए हमारे पब्लिक के लिए जारी टिकट का खत्म होना क्रिकेट प्रशंसकों के बीच आगामी सत्र के लिए जबरदस्त रुचि का प्रमाण है। पिछली बार जब दोनों टीमें ऑस्ट्रेलिया में भिड़ी थीं, तो मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी और फिर भारत ने टी20 सीरीज भी 2-1 से जीती थी। मेहमान टीम 19 अक्टूबर से आठ नवंबर के बीच सफेद गेंद के मैच खेलेगी। 50 ओवर के मैच जहां दिन-रात के होंगे तो वहीं टी-20 मुकाबले रात के मैच होंगे। आगामी 2025-26 सत्र के दौरान पहली बार ऑस्ट्रेलिया के सभी आठ राज्यों और क्षेत्रों में पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का आयोजन होगा।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने दी सलाह

दूसरे टेस्ट से पहले आर्चर घरेलू मैच खेलें तो बेहतर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने से पहले लाल गेंद से एक और घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। तेज गेंदबाज आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे। रिपोर्केट मुताबिक आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। आर्चर चार साल से टेस्ट टीम से बाहर हैं। आर्चर ने इस सप्ताह की शुरुआत में चार साल से अधिक समय के बाद लाल बॉल से अपना पहला मैच खेला। वह चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में ससेक्स के लिए उतरे और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की झलक दिखाई। आर्चर ने 31 रन बनाए और 18 ओवरों में 32 रन देकर एक विकेट हासिल किया था।

हरवंश सिंह ने इंग्लैंड की उड़ाई धज्जियां

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज हरवंश सिंह पंगालिया ने मंगलवार को इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ अभ्यास मैच में तूफानी शतक जड़ा। पंगालिया पारी के 36वें ओवर में बल्लेबाजी करने आए, जब भारत का स्कोर 251/7 था। उन्होंने अंबरिश के साथ 126 रन की शतकीय साझेदारी की। अंबरिश ने सिर्फ 47 गेंदों में 72 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली और पवेलियन लौटे। तब पंगालिया 33 गेंदों में 47 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने अगली गेंद पर चौका जमाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। पंगालिया ने आखिरी के तीन ओवरों में अपना आक्रामक रूप दिखाया। उन्होंने मैनी लुम्सडेन द्वारा किए पारी के 48वें ओवर में लगातार दो छक्के जमाए। फिर लुम्सडेन से लगातार दो नो बॉल डाली। अगले ओवर में मैथ्यू फिरबैंक की गेंद पर पंगालिया ने एक और छक्का जमा दिया। आखिरी ओवर में पंगालिया ने इंग्लैंड के होश उड़ा दिए। उन्होंने लुम्सडेन की गेंद पर पहले चौका जमाया और फिर तीन गगनचूंबी छक्के जड़े। हरवंश सिंह पंगालिया ने सिर्फ 52 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। ध्यान देने वाली बात है कि हरवंश का दूसरा अर्धशतक केवल 18 गेंदों में बना। भारत ने पंगालिया की तूफानी पारी के दम पर निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 442 रन बनाए। सौराष्ट्र के युवा बल्लेबाज ने पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 117 रन की पारी खेली थी। तब उन्होंने सात चौके और छह छक्के जमाए थे। हरवंश सिंह गुजरात के छोटे से शहर गांधीधाम के रहने वाले हैं। हरवंश अपने पिता दमनदीप और चाचा कुंवरजीत सिंह को क्रिकेट खेलते हुए देख बड़े हुए। उल्लेखनीय है कि दमनदीप और कुंवरजीत दोनों विकेटकीपर थे। अब हरवंश का परिवार कनाडा में बस गया है। उनके पिता ब्रेंपटन में ट्रक चलाते हैं।

उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया SEN का किया बायकॉट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान फिलिस्तीन मामले में एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। बारबाडोस में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टर को इंटरव्यू देने से मना कर दिया। इसके पीछे ख्वाजा ने एक दिलचस्प कारण बताया। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी केवल 180 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 59 रन और उस्मान ख्वाजा ने 47 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाया। पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद ख्वाजा को पोस्ट मैच इंटरव्यू के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्पोर्ट्स रेडियो स्टेशन SEN ने बुलाया। हालांकि, SEN का माइक देखते ही उस्मान ख्वाजा ने इंटरव्यू देने से मना कर दिया। बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई मीडिया SEN ने फरवरी में फिलिस्तीन का सपोर्ट करने पर अपने ऑस्ट्रेलियन फ्रीलांस जर्नलिस्ट पीटर लेलोर को बर्खास्त कर दिया था। इसका उस्मान ख्वाजा ने विरोध किया था। ये सब कुछ श्रीलंका के गाले में हुए टेस्ट मैच के दौरान घटा था। उस दौरान पीटर लेलोर ने इजरायल के हवाई हमले और फिलिस्तीनी कैदियों को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट किया था। फ्रीलांस जर्नलिस्ट पीटर लेलोर को फिलिस्तीन का सपोर्ट करना भारी पड़ गया था। उनकी नौकरी चली गई थी।

जोसेफ और सील्स ने बिखेरा जलवा

एक ने 4 तो दूसरे ने चटकाए 5 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 रन पर ढेर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मैच केंसिंग्टन ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पहली पारी में केवल 180 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया को 180 पर रोकने का श्रेय वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजो को जाता है जिसमें जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की। जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने कुल 9 विकेट चटकाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक क्रीज पर टिकने नहीं दिया। सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि जोसेफ ने 46 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। शमार जोसेफ ने अपनी गेंदबाजी से एक बार फिर प्रभावित किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ मैच में 16 ओवर फेंके जिसमें 2.88 की इकॉनमी रेट से 46 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए जिससे उनकी टीम को विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। इस प्रदर्शन ने उनके फैंस और क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान उनकी तरफ आकर्षित किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन ट्रेविस हेड 78 गेंदो में 59 रन, जबकि उस्मान ख्वाजा के बल्ले से 128 गेंदो में 47 रन निकले। वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी अटैक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए काल बनकर आया।

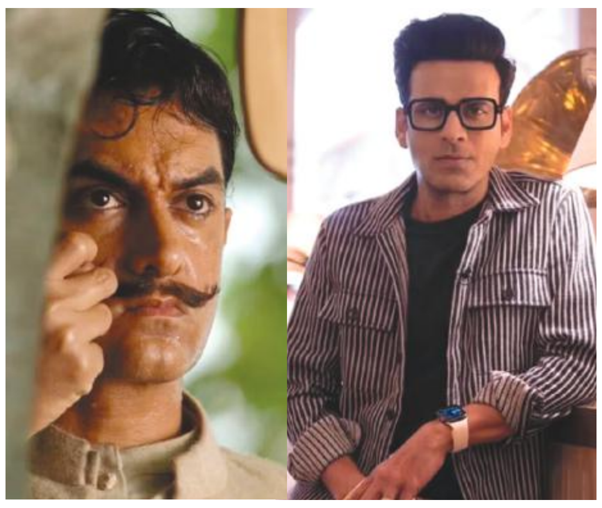

'आमिर से पहले मनोज बाजपेयी को ऑफर हुई थी रंग दे बसंती'

वायरल दावे पर बोले एक्टर, कहा- इतना खाली लोटा...

बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी ने अपने एक्स हैंडल पर एक ट्वीट के करके उस खबर पर रिएक्ट किया। साल 2006 में फिल्म रंग दे बसंती रिलीज हुई थी। इस फिल्म को आमिर खान के करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर दावा चल रहा है कि आमिर खान से पहले ये फिल्म एक्टर मनोज बाजपेयी को ऑफर हुई थी और उन्होंने फिल्म को रिजेक्ट किया था। अब मनोज बाजपेयी ने इस दावे पर रिएक्ट किया है। मनोज बाजपेयी ने लिखा- एसएम (सोशल मीडिया) पर इतना खाली लोटा लेकर बैठे हैं। मनोज बाजपेयी ने लाफिंग कलर्स का एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में दावा किया गया है, ₹आमिर खान नहीं, बल्कि मनोज बाजपेयी रंग दे बसंती के लिए पहली पसंद थे, प्रोड्यूसर ने 18 साल बाद कहा।₹ पोस्ट में आगे दावा किया गया, ₹फिल्म में छह साल की देरी हुई क्योंकि मनोज कोई जवाब नहीं दे रहे थे, जिसकी वजह से कास्ट, शेड्यूल और तकदीर बदल दी।₹ मनोज बाजपेयी ने इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा- और ये कहने वाला प्रोड्यूसर कौन है? नाम तो बता!! एसएम पर इतने खाली लोटा लेकर बैठे हैं। मनोज बाजपेयी के इस पोस्ट पर फैंस ने रिएक्ट किया है। एक यूजर ने लिखा कि सर जिस पेज का नाम लाफिंग कलर्स है, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है। एक दूसरे यूजर ने लिखा ठीक हौंके हैं भैया। एक तीसरे यूजर ने लिखा- भीकू मात्रे द्वारा तुरंत फैक्ट चेक। एक यूजर ने लिखा- आज कल कुछ भी लिख दिया जाता है।

'वर्जिनिटी' से जुड़े पोस्ट पर भड़कीं प्रियंका चोपड़ा

ऐसे समय में जब एआई आवाज और चेहरे बना सकता है, मशहूर हस्तियों को लेकर काफी ज्यादा गलत कंटेंट शेयर हो रहे हैं। इस हफ्ते, प्रियंका चोपड़ा ने इस मामले में बात की है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर 'द ब्रीफ इंडिया' के एक पोस्ट के बाद अपनी नाराजगी जाहिर की जिसमें उनके नाम से एक गलत कोट दिया गया था। इसमें लिखा था, 'पत्नी के रूप में वर्जिन लड़की की तलाश मत करो। अच्छे संस्कार वाली महिला को पाओ। वर्जिनिटी एक रात में खत्म हो जाती है लेकिन मैनर्स हमेशा के लिए रहते हैं।' बिना समय गंवाए प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस पोस्ट की आलोचना करते हुए लिखा, 'यह मैं नहीं हूं, मेरा कोट या मेरी आवाज नहीं है। सिर्फ इसलिए कि यह ऑनलाइन है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह सच है। फर्जी कंटेंट बनाना अब वायरल होने का एक आसान तरीका बन गया है।'

उन्होंने अपने फॉलोअर्स से आग्रह किया कि वे ऑनलाइन देखे गए कंटेंट पर विश्वास करने या उसे शेयर करने से पहले गंभीरता से सोचें। उन्होंने लिखा, 'इस दावे से जुड़े कोई भी लिंक या 'सोर्स' या ऑनलाइन कुछ भी नहीं हैं। ऐसे कंटेंट को क्रॉस-चेक करने के लिए एक मिनट लें और स्क्रॉल करने के बाद जो कुछ भी आप पढ़ते हैं उस पर विश्वास न करें। ऑनलाइन सुरक्षित रहें।' उनके इस बेबाक जवाब ने रेडिट और दूसरे सोशल प्लेटफॉर्म पर खूब तारीफ बटोरी। एक कमेंट में लिखा गया- उन्हें इस बारे में बताने के लिए उनका शुक्रिया! जबकि दूसरे ने कहा- और भी सेलेब्स को इस बारे में बताना चाहिए। खास तौर पर टॉम हार्डी, सिलियन मर्फी। मैं उनके कोट्स को 'डार्क' टेक्स्ट के सामने देखकर थक गया हूं, जो उन्होंने जाहिर तौर पर कभी नहीं कहा। बाकी लोगों ने भी प्रियंका चोपड़ा की खूब तारीफ की। दरअसल, प्रियंका अगली बार 'हेड्स ऑफ स्टेट' में दिखाई देने वाली हैं, जो एक एक्शन-कॉमेडी है, जिसमें इदरीस एल्बा और जॉन सीना भी हैं और जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया है।

करीना ने रिजेक्ट की थी शाहरुख खान की फिल्म दीपिका ने की

हो गई थी ब्लॉकबस्टर

आज आपको ऐसी फिल्म के बारे में बताने वाले हैं जो शाहरुख खान के करियर की सक्सेसफुल फिल्म में से एक है, लेकिन इसमें काम करने से करीना कपूर खान ने रिजेक्ट कर दिया था। करीना के रिजेक्ट करने के बाद दीपिका पादुकोण ने इस फिल्म को साइन किया। करीना कपूर खान ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। उन्हें इस इंडस्ट्री में 25 साल से ज्यादा का समय हो गया है। लेकिन कई फिल्में उनकी ऐसी भी हैं जिन्हें उन्होंने रिजेक्ट किया और बाद में वो हिट हुईं। ऐसी ही एक फिल्म थी जिसे उन्होंने रिजेक्ट किया और उसमें लीड रोल में शाहरुख खान। जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं वो है चेन्नई एक्सप्रेस। चेन्नई एक्सप्रेस में शाहरुख खान लीड रोल में थे और इसे रोहित शेट्टी डायरेक्ट कर रहे थे। लेकिन करीना ने मना कर दिया था क्योंकि वह उस वक्त किसी और फिल्म में बिजी थीं। हालांकि बाद में इस फिल्म का ऑफर फिर दीपिका पादुकोण को दिया गया और उन्होंने हां कर दिया। इसके बाद यह दीपिका के करियर की सक्सेसफुल फिल्म में से एक हो गई थी। चेन्नई एक्सप्रेस ने टोटल 422 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म ब्लॉकबस्टर थी। फिल्म में शाहरुख और दीपिका की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। यहां तक की उनके मीनम्मा रोल की भी काफी तारीफ हुई थी। दीपिका के बारे में बता दें कि उन्होंने शाहरुख की फिल्म ओम शांति ओम से ही अपने करियर की शुरुआत की थी।इसके अलावा दीपिका और शाहरुख फिल्म हैप्पी न्यू ईयर, जवान, पठान फिल्म में भी काम कर चुके हैं। शाहरुख और दीपिका अब फिल्म किंग में नजर आने वाले हैं। इनके अलावा फिल्म में सुहाना खान भी होंगी।

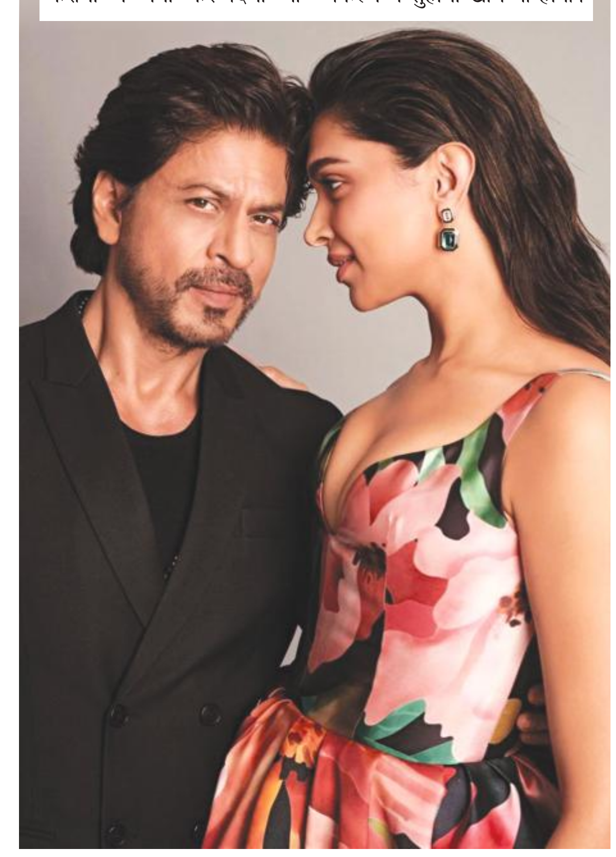

'हमारी फिल्मों के गाने उस देश से चुराए गए'

जसबीर और राखी ने दिलजीत को किया सपोर्ट

भारतीय सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी फिल्म सरदार जी 3 को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, दिलजीत की इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आने वाली हैं। भारतीय फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस के होने पर देश में कई लोगों ने आपत्ति जताई है। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एम्पलाइज ने तो दिलजीत को जेपी दत्ता की बॉर्डर 2 से निकालने की भी मांग की है। दिलजीत की फिल्म पर आपत्ति जता रहे लोगों के बीच कुछ लोग सिंगर को सपोर्ट भी कर रहे हैं।

अब भारतीय सिंगर जसबीर जस्सी और राखी सावंत ने सिंगर दिलजीत और एक्ट्रेस हानिया आमिर को सपोर्ट किया है। Varinder Chawla ने अपने इंस्टाग्राम पर जसबीर जस्सी का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में जसबीर कहते हैं कि हमारी फिल्मों में बहुत सारे गाने हैं जो उस देश के कलाकारों ने गाए हैं...तो, ये दोहरे मापदंड क्यों? वहीं, राखी सावंत ने हानिया आमिर को दिलजीत की फिल्म का हिस्सा होने पर बधाई दी है और लोगों से ये फिल्म देखने की अपील की है। जसीबर ने कहा, "मैं देख रहा हूं कि दिलजीत दोसांझ और उनकी फिल्म को सोशल मीडिया पर किस तरह से विरोध का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उस फिल्म में एक पाकिस्तानी कलाकार भी हैं। मैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं कि हमें अपने देश से प्यार करना चाहिए और हमें अपने देश के साथ खड़ा होना चाहिए। लेकिन ये दोहरे मापदंड क्यों? अगर आप नहीं चाहते कि कोई पाकिस्तानी कलाकार किसी भारतीय फिल्म में गाए, अभिनय करे या काम करे, आप उन्हें प्रतिबंधित करना चाहते हैं। लेकिन हमारी इंडस्ट्री के 80% गाने चुराए गए हैं, चाहे उनकी धुन हो या शब्द या पूरे गाने। हमारी फिल्मों में बहुत सारे गाने हैं जो उस देश के कलाकारों ने गाए हैं...तो, ये दोहरे मापदंड क्यों?"वहीं, राखी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके हानिया आमिर को बधाई दी है। राखी ने सरदार 3 गाने का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है जिसमें दिलजीत और हानिया नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ राखी ने लिखा- मेरी स्वीटहार्ट, बधाई। हानिया आमिर मैं बहुत खुश हूं। फाइनली आप अब बॉलीवुड फिल्मों में हैं, बधाई दिलजीत सरदार जी, 3।

'सेक्रेड गेम्स' एक्ट्रेस ने सलमान खान को बताया अपना '3 बजे वाला दोस्त'

कहा- 'वो रात को देर तक...'

'सेक्रेड गेम्स' और 'द ट्रेटर' से अपनी खास पहचान बनाने वाली ईरानी-जर्मन एक्ट्रेस एल्नाज नोरौजी ने 14 साल की उम्र में एक मॉडल के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। एल्नाज ने 'हैलो चार्ली' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। एल्नाज इन दिनों करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर' में नजर आ रही हैं। इस शो को लेकर एल्नाज खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इसी बीच एल्नाज ने अपने हालिया इंटरव्यू में सलमान खान को अपना 3 बजे वाला दोस्त बताया। एल्नाज नोरौजी ने हाल ही में इंस्टाबॉलीवुड को अपना इंटरव्यू दिया। एल्नाज से जब इंडस्ट्री में उनके '3am सबसे अच्छे दोस्तों' को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने सलमान खान का नाम लिया। एल्नाज ने कहा, "अगर सुबह 3 बजे मैं कुछ चाहूंगी और वो हो जाना चाहिए तो मैं सलमान खान को फोन करूंगी क्योंकि वह रात को जाग रहे होते हैं। अगर मैं सुबह 3 बजे उन्हें कॉल करूंगी तो वह उठा लेंगे। एल्नाज नोरौजी 'सेक्रेड गेम्स' और 'द ट्रेटर' के अलावा 'चुट्जपाह', 'मेड इन हेवन', 'रणनीति' और अन्य कई ओटीटी शो में नजर आ चुकी हैं। एल्नाज साल 2018 में #MeToo के दौरान काफी चर्चा में आई थीं। एल्नाज ने 2018 में, #MeToo आंदोलन के दौरान फिल्म निर्माता विपुल शाह पर गंभीर आरोप लगाए थे। इस बात को लेकर वो काफी सुर्खियों में रही थीं।

मनीषा रानी इस वक्त टीवी शो 'हाले-दिल' के लिए खूब प्यार बटोर रही हैं। सरगुन मेहता और रवि दुबे के इस सीरियल में मनीषा का वैसा ही किरदार है, जैसी वह खुद असल जिंदगी में हैं। मनीषा की पॉपुलैरिटी काफी बढ़ गई है और फैंस भी उन पर खूब प्यार बरसाते हैं। अब मनीषा अपनी नई तस्वीरों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं, जिनमें वह दुल्हन बनी नजर आ रही हैं। मनीषा रानी ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इनमें वह मरून रंग का लहंगा पहने और हाथों में आलता लगाए दुल्हन बनी पोज दे रही हैं। आंखों में काजल उनकी खूबसूरती और निखार रहा है। मनीषा ने ये तस्वीरें शेयर कर लिखा है, 'कोई नहीं आ रहा हैं। मुझे अभी भी महबूब का इंतजार है।' मनीषा रानी की इन तस्वीरों पर फैंस के धड़ाधड़ कमेंट्स आ रहे हैं। एक ने लिखा है, 'कितनी प्यारी दुल्हन सी लग रही है।' एक बोला, 'बहुत सुंदर मनीषा रानी, कहर ढाना छोड़ दो।' एक ने प्यार बरसाते हुए लिखा, 'खाते-पीते रहो साजन अपने आप आ जाएगा।'

महबूब का इंतजार है...

दुल्हन की तरह सजीं मनीषा रानी ने दिए पोज

एक फैन ने कमेंट किया, 'इतना सुंदर कोई कैसे हो सकता है।' चंद ही मिनटों में मनीषा रानी की इन तस्वीरों पर लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं और यह अभी भी चल रहा है। रेमो डिसूजा ने भी मनीषा की तस्वीरों को लाइक किया। मनीषा रानी के करियर की बात करें, तो वह साल 2023 में 'बिग बॉस OTT 2' से चर्चा में आई थीं। इसके बाद डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' में नजर आईं और इसकी विनर रहीं। मनीषा रानी ने कई म्यूजिक वीडियोज भी किए और अब वह टीवी शो 'हाले-दिल' में सबका दिल जीत रही हैं।

मुनव्वर को कटरीना कैफ और आलिया भट्ट की फिल्म में ऑफर हुआ था रोल

कहा- 'अच्छा हुआ नहीं किया भाई'

स्टैंडअप कॉमेडियन और रैपर मुनव्वर फारूकी अब एक एक्टर भी बन चुके हैं। हाल ही में उनकी पहली वेब सीरीज फर्स्ट कॉपी रिलीज हुई है। इस सीरीज में मुनव्वर फारूकी मेन लीड निभाते नजर आए हैं। मुनव्वर इन दिनों अपनी सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त हैं। सीरीज के प्रमोशन के लिए दिए एक इंटरव्यू में मुनव्वर ने बताया कि उन्हें कटरीना कैफ और आलिया भट्ट की फिल्म के लिए भी रोल ऑफर हो चुके हैं। हालांकि, मुनव्वर ने साफ किया कि वो रोल बहुत छोटे-छोटे थे। जूम से खास बातचीत में मुनव्वर से पूछा गया कि आपको कब लगा कि आप फिल्मों और सीरीज में जाओगे। इस सवाल के जवाब में मुनव्वर ने कहा, "तो हीरो मुझे लगता है, बचपन में सबको बनना था। तो वो वाली ख्वाहिश जो होती है कि हीरो हूं मैं , मुझे बनना नहीं है, मैं नहीं जा रहा है ऑडिशन देने, लेकिन मैं हीरो हूं।" इसी दौरान मुनव्वर ने बताया कि फर्स्ट कॉपी से पहले उन्हें कई सारे रोल ऑफर हो चुके हैं। मुनव्वर ने कहा, "बहुत सारी फिल्में आ चुकी हैं जिसमें मैं देखता हूं मेरा रोल और मैं बोलता हूं कि अच्छा हुआ नहीं किया भाई।"

5 करोड़ में बनी मूवी ने कमाए थे 15 करोड़

कयामत से कयामत तक को दी थी मात

बॉलीवुड में हमेशा से ही कॉमेडी फिल्मों का एक अलग ही क्रेज देखने को मिला है। कॉमेडी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड भी काफी शानदार रहा है। ऐसी ही एक फिल्म के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। हम बात कर रहे हैं साल 1998 में आई फिल्म 'घरवाली बाहरवाली' की। ये एक शानदार कॉमेडी मूवी थी, जो आज भी दर्शकों की फेवरेट कॉमेडी मूवी लिस्ट में जरूर शामिल होगी। 'घरवाली बाहरवाली' में अनिल कपूर, रवीना टंडन और रंभा जैसे बड़े सितारे एक साथ नजर आए थे। इनके अलावा मूवी में सतीश कौशिक, कादर खान, असरानी, टीकू तलसानिया और राकेश बेदी जैसे मंझे हुए कलाकारों ने भी अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। डेविड धवन की इस फिल्म का म्यूजिक अनु मलिक ने दिया था और गाने समीर, नितिन रैकवार और देव कोहली ने लिखे थे। फिल्म की कहानी ही नहीं इसके गाने भी खूब फेमस हुए थे। बजट के बात करें तो ये करीब 5 करोड़ रुपये में बनी थी। वहीं, इसने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 15 करोड़ रुपये की कमाई की थी। ये 1998 की 17वीं सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बनी थी। हालांकि, 'घरवाली बाहरवाली' को IMDb पर 10 में से 4.6 रेटिंग मिली, जो काफी कम थी।

गजल संग्रह 'यादों की रियासत' का लोकार्पण

मॉरीशस के विश्व हिंदी सचिवालय में साहित्यकार डॉ. अंजना सिंह सेंगर के गजल संग्रह ''यादों की रियासत'' का लोकार्पण मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमवीर गोकुल जीसीएस द्वारा संगीत दिवस पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय समारोह में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारत के उप उच्चायुक्त विमर्श आर्यन, विश्व हिन्दी सचिवालय की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी और उप महासचिव डॉ. शुभंकर मिश्र, आर्य नेता उदय नारायण गंगू सहित अमेरिका, तंजानिया, यूएई, भारत साहित कई देशों के साहित्यकार व लेखक भी उपस्थित रहे।

यह आयोजन विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरिशस के शिक्षा एवं मानव संसाधन मंत्रालय तथा भारतीय उच्चायोग मॉरीशस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। अंजना सिंह सेंगर के लिए साहित्य प्रेमी मॉरिशस के राष्ट्रपति धरमवीर गोकुल ने कहा कि आपकी गजलों का सफर अब रुकना नहीं चाहिए। इसे अभी और आगे लेकर जाना है। अंजना के गजल 'यादों की रियासत' उनकी विकास यात्रा और व्यक्तयों से प्रभावित होकर मॉरीशस के राष्ट्रपति ने साहित्य की कार्यशाला खोलने का प्रस्ताव रखा है। अंजना देश और विदेशों जैसे मॉरीशस, दुबई, फ्रांस, मलेशिया, इंडोनेशिया आदि में साहित्यिक कार्यक्रमों में जाकर काव्य पाठ करती हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि विदेशों में लोग हिंदी साहित्य के प्रति बहुत समर्पित हैं। जितना वहाँ भारत और हिंदी के प्रति लगाव है वह बेहद अदभुत है। अंजना ने बताया कि छंदबद्ध रचना में उनकी विशेष रुचि है। छन्दबद्ध रचना सीखने में अधिक समय और ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है क्योंकि साहित्य साधना में समय लगता है। जिसके कारण साहित्यकार सरल विधा में लेखन को महत्व देने लगे हैं जिससे साहित्य का खजाना छंदबद्ध रचनाएँ लुप्त हो रही है। वह चाहती हैं कि वर्तमान पीढ़ी इन छन्दबद्ध रचनाओं की महत्ता समझे। लोग हर प्रकार की भाषा सीखें मगर अपनी हिंदी भाषा को अपने हृदय में संचित कर रखें।

गीतकार संजय राही ने बनाई विशिष्ट पहचान

संजय राही ने अपनी अद्भुत प्रतिभा के कारण बहुत कम समय में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना ली है. उनके लिखे गाने जी म्युज़िक, Times Music सहित कई बड़ी म्युज़िक कम्पनी से रिलीज होकर लोकप्रियता हासिल कर चुके हैं. नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश के एक साधारण परिवार में पले-बढ़े संजय राही को लेखन और संगीत के प्रति बचपन से ही जुनून था। उनके पिता कृष्ण कुमार वर्मा तहसीलदार थे और उनकी होम मेकर माँ प्रभा वर्मा ने उनकी क्रिएटिविटी को प्रेरित किया। संजय राही ने अपने करियर की शुरुआत स्थानीय समाचार पत्रों और ऑल इंडिया रेडियो के लिए कॉलम लिखकर की, जहाँ उनके कॉलम रूबरू ने लोकप्रियता हासिल की। अपने सपनों को साकार करने के लिए वह मुंबई चले आए जहां प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम किया. नर्मदा नदी के किनारे 4,000 किलोमीटर पैदल चलकर नर्मदा परिक्रमा पूरी करने सहित महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। उन्हें पहला ब्रेक एक भक्ति गीत के रूप में मिला जिसे भजन सम्राट अनूप जलोटा ने गाया था और इसे टाइम्स म्युज़िक ने रिलीज किया जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. वह ऐसा संगीत बनाने के लिए समर्पित हैं जो लोगों के साथ जुड़ा हो और उनके अनुभवों और भावनाओं को दर्शाता हो। प्रसिद्ध गायक अनूप जलोटा कहते हैं संजय राही के गीत दिल को छूने का एक तरीका हैं। उनकी रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं है!